

वार्षिक रिपोर्ट

2021

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
(इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
सीआईएन:U45500DL2017GOI317401

ircondhhl

अंतर्वस्तु

इरकॉनडीएचएचएल के बारे में	2
निदेशक मंडल.....	4
संदर्भ सूचना.....	5
इक्विटी और ऋण.....	6
अध्यक्ष का पता.....	7
निदेशकों की रिपोर्ट और उसके परिशिष्ट: निदेशकों की रिपोर्ट	9
वार्षिक विवरणी का उद्धरण (फॉर्म संख्या MGT-9)....	21
संबंधित पार्टी लेनदेन (फॉर्म नंबर AOC-2)...	30
सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट	31
वित्तीय विवरण: लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	34
बैलेंस शीट	50
लाभ और हानि का विवरण.....	51
कैश फ्लो स्टेटमेंट	52
इक्विटी में बदलाव का विवरण...	54
वित्तीय विवरणों पर नोट्स.....	55
C&AG गैर समीक्षा प्रमाणपत्र.....	101



“इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉनडीएचएचएल), इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जिसका निगमन कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के 260+000 से किमी 338+923 तक देवांगेरे - हवेरी को छह लेन का बनाना के लिए दिनांक 19 जून, 2017 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ हस्ताक्षरित रियायत करार की शर्तों के अनुसार एनएचपीडी चरण-V के अंतर्गत डीबीएफओटी पर हाइब्राइड वार्षिकी परियोजना के रूप में निष्पादित किए जाने हेतु दिनांक 11 मई, 2017 को विशेष कार्य योजना (एसपीवी) के रूप में किया गया था”

निदेशक मंडल

श्री योगेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष



श्री अशोक कुमार गोयल
निदेशक



श्री सुराजीत दत्ता
निदेशक



श्री मसूद अहमद
निदेशक



सुश्री रितु अरोड़ा
निदेशक



प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)
श्री नागनगौड़ा हनुमंथगोड़ा पाटिलो
मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ)
सुश्री रचना तोमरी
(31 मार्च 2020 से 19 अगस्त 2020 तक)
सुश्री कृतिका गुप्ता
(19 अगस्त 2020 से 1 जुलाई 2021 तक)
श्री महादेव मंडल
(1 जुलाई 2021 से प्रभावी)
कंपनी सचिव (सीएस)
सुश्री पूजा रस्तोगी



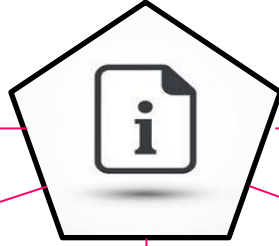
ईपीसी ठेकेदार

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
(इरकॉन)



लेखा परीक्षकों

सांविधिक लेखापरीक्षक
सिंघल सुनील एंड एसोसिएट्स
सचिवीय लेखा परीक्षक
जयेश परमार एंड एसोसिएट्स
लागत लेखा परीक्षक
रवि साहनी एंड कंपनी
आंतरिक लेखा परीक्षक
वी एंड एम अरोड़ा एंड कंपनी



बैंकर

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी)
टॉल्स्टॉय हाउस, टॉल्स्टॉय रोड,
नई दिल्ली-110001



सम्पर्क करने का विवरण

कंपनी सचिव ईमेल
आईडी: ircondhhl@gmail.com
दूरभाष: 011-26545786



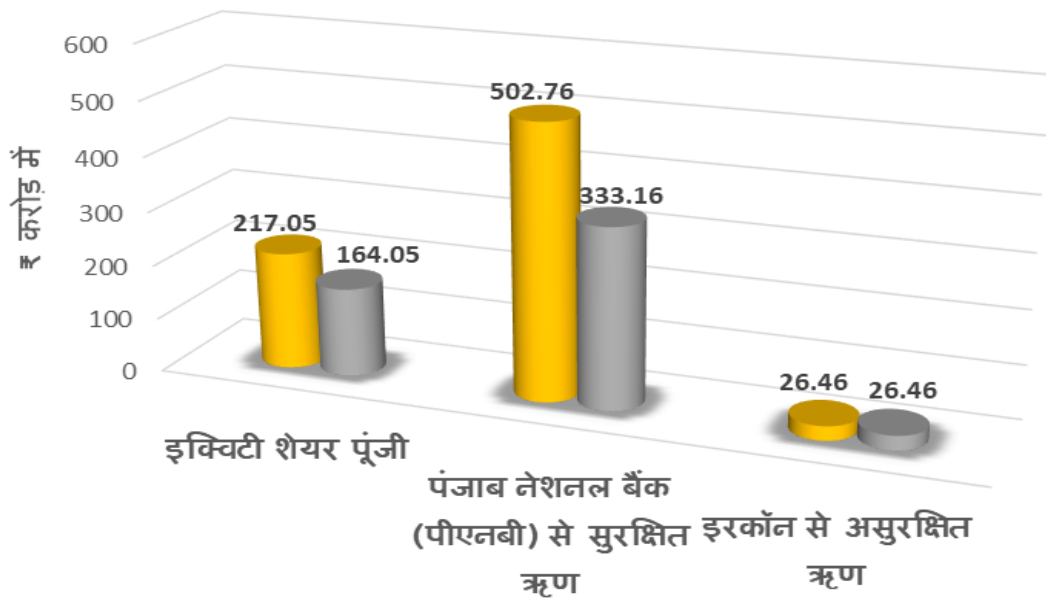
पंजीकृत कार्यालय

सी-4, जिला केंद्र, साकेत
नई दिल्ली-110017



इक्विटी ऋण

(31.03.2021 को)



■ स्वीकृत / स्वीकृत

■ आहरित राशि

अध्यक्ष का संबोधन

दिनांक 18.08.2021 को आयोजित चौथी (4वीं) वार्षिक साधारण बैठक में



श्री योगेश कुमार मिश्रा

प्रिय शेयरधारकों,

आरंभ में कृपया आपके व आपके प्रियजनों के अच्छे स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं स्वीकार करें। मुझे कंपनी की तीसरी वार्षिक साधारण बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है। इस बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

मैं आपके समक्ष इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड की कुछ विशेषताएं प्रस्तुत करना चाहता हूं।

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉन डीएचएचएल) को दिनांक 19 जून, 2017 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ हस्ताक्षरित रियायत करार की शर्तों के अनुसार एनएचपीडी चरण-V के अंतर्गत डीबीएफओटी पर हाइब्राइड वार्षिकी परियोजना के रूप में निष्पादित किए जाने हेतु कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के किमी 260+000 से किमी 338+923 तक देवांगेरे हवेरी को छह लेन का बनाने की परियोजना के निष्पादन हेतु दिनांक 11 मई, 2017 को इसकी धारक कंपनी - इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ("इरकॉन") द्वारा विशेष कार्य व्यवस्था के रूप में निगमित किया गया है और परियोजना की

रियायत अवधि 15 वर्ष है, जिसमें 912 दिनों (30 महीने) की परियोजना निर्माण अवधि शामिल नहीं है, जो नियुक्ति तिथि 24 जनवरी, 2018 से शुरू हो रहा है। समापन की निर्धारित तिथि 24.07.2020 थी, जिसे कोविड-19 वैश्विक महामारी के विरुद्ध राहत उपायों के कारण 28.05.2021 तक बढ़ा दिया गया है।

₹720.05 करोड़ की परियोजना निर्माण लागत को क्रमशः ₹217.05 करोड़ और ₹503.00 करोड़ के इक्विटी और ऋण निवेश के माध्यम से वित्तपोषित किया जाना है। दिनांक 31 मार्च, 2021 को इरकॉन द्वारा प्रारंभिक निवेश और तत्पश्चात राइट्स इश्यू के माध्यम से ₹164.05 करोड़ की इक्विटी शेयर पूंजी प्रदान की गई है। कंपनी ने इरकॉन से ₹353.18 करोड़ का रक्षित ऋण भी लिया है। वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने परियोजना के निष्पादन के लिए इरकॉन द्वारा लाए गए पूंजीगत व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से ₹502.76 करोड़ की सावधि ऋण सुविधा प्राप्त की है। पीएनबी ने ₹502.76 करोड़ के सावधि ऋण में से ₹326.72 करोड़ वितरित किए हैं, जिसका उपयोग इरकॉन को ₹326.72 करोड़ के ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किया गया है और इरकॉन के ₹26.46 करोड़ के शेष ऋण को सुरक्षित ऋण में परिवर्तित कर दिया गया है।

दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार, आपकी कंपनी की कुल संपत्ति ₹168.24 करोड़ है और कुल आय ₹193.95 करोड़ है और कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹0.65 करोड़ है।

दिनांक 31 मार्च, 2021 तक, कुल भौतिक प्रगति 83.95% है और वित्तीय प्रगति 76.89% है, जिसे रियायत करार के कार्यक्षेत्र के प्रति प्राप्त किया गया है।

अनुपालन और प्रकटन

कंपनी अधिनियम, 2013 और उससे जुड़े नियमों के तहत अनुपालन और प्रकटीकरण का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में गठित सीपीएसई को सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन से छूट दी गई है। इसलिए, डीपीई के कॉर्पोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देश आपकी कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

लोक उपक्रम विभाग (डीपीई) द्वारा आपकी कंपनी को धारक कंपनी, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से छूट प्रदान की है।

आभारोक्ति

मैं निदेशक मंडल की ओर से सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड और कंपनी के लेखापरीक्षकों के मूल्यवान सहयोग और समर्थन के लिए आभार प्रकट करता हूँ। मैं कंपनी के कर्मचारियों के प्रयासों की भी सराहना करता हूँ, जो कि हमारी मूल्यवान संपत्ति हैं। उनका समर्पण, विवेक, कड़ी मेहनत और गहन मूल्य, कंपनी की प्रगति के प्रमुख तत्व हैं।

हम भावी प्रगति पथ हेतु उनके निरंतर सहयोग की कामना करते हैं।

कृते और की ओर से
इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड

ह/-
(योगेश कुमार मिश्रा)
अध्यक्ष
डिन: 07654014

दिनांक: 18.08.2021

स्थान: नई दिल्ली

निदेशकों की रिपोर्ट



प्रिय सदस्यों,

आपके निदेशकों को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों सहित चौथी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है।

1. व्यावसायिक प्रचालनिक विशेषताएं : कंपनी के कार्यों की वर्तमान स्थिति

इरकॉन देवांगोरे-हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉनडीएचएचएल), इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जिसका निगमन दिनांक 11 मई, 2017 को विशेष कार्य व्यवस्था (एसपीवी) के रूप में दिनांक 19 जून, 2017 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) के साथ हस्ताक्षरित रियायत करार की शर्तों के अनुसार एनएचडीपी चरण-V के अंतर्गत डीबीएफओटी पर हाइब्राइड वार्षिकी परियोजना के रूप में निष्पादित किए जाने हेतु कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के किमी 260+000 से किमी 338+923 तक देवांगोरे - हवेरी को छह लेन का बनाना के

परियोजना कार्य के निष्पादन हेतु किया गया था। इस परियोजना की रियायत अवधि 15 वर्ष है, जो कि नियुक्ति तिथि अर्थात दिनांक 24 जनवरी 2018 से आरंभ 912 दिन (30 माह) की निर्माण अवधि को शामिल नहीं करती है और यह कार्य सभी उपलब्ध क्षेत्रों में प्रगति पर है। कार्य समापन की अनुसूचित तिथि 24.07.2020 है, जिसे दिनांक 28.05.2021 तक बढ़ाया गया है (विशुद्ध रूप से कोविड की दूसरी लहर सहित कोविड-19 के प्रभाव के कारण)। इस कार्य के कार्यक्षेत्र में मौजूद चार लेन के मुख्य कैरिज-वे के 78.923 किमी (राजमार्ग की कुल लंबाई), को छह लेन का बनाने का कार्य तथा 154.654 किमी की सेवा सड़क लंबाई, जिसमें प्रमुख पुल, पुलिया, वाहनीय अंडरपास, पैदलपथ अंडरपास, फ्लाइओवर तथा अन्य संबद्ध कार्य शामिल हैं।

720.05 करोड़ रूपए की परियोजना निर्माण लागत, क्रमशः 217.05 करोड़ रूपए और 503.00 करोड़ रूपए के इक्विटी और ऋण निवेश द्वारा वित्तपोषित की जानी थी।

रियायत समझौते के अनुसार ग्राहक को अनुबंध की शर्तों के अनुसार नियत तिथि से 180 दिनों के भीतर 100% भार मुक्त भूमि सौंपनी थी। हालाँकि, 181वें दिन तक उपलब्ध कार्यक्षेत्र केवल 74% थी। इस परियोजना द्वारा दूसरा लक्ष्य निर्धारित समय अवधि के भीतर प्राप्त किया गया है। 75% भौतिक प्रगति और 70% वित्तीय प्रगति के साथ तीसरी परियोजना लक्ष्य को दिनांक 3 फरवरी 2020 की निर्धारित तिथि या उससे पूर्व (90 दिनों की उपचार अवधि सहित) प्राप्त नहीं किया जा सका क्योंकि दिनांक 31.01.2020 को उपलब्ध कार्यक्षेत्र केवल 81.39% थी (एनएचएआई द्वारा उपलब्ध न कराई गई भूमि पर कार्यों के दायरे को छोड़कर और अतिरिक्त संरचनाओं और मौजूदा / निर्माणाधीन संरचनाओं में संशोधन की मांग हेतु स्थानीय लोगों द्वारा रोके गए कार्य के कारण - 18.61%)। दिनांक 31 जनवरी 2020 तक साइट पर प्राप्त भौतिक प्रगति, रियायत समझौते में शामिल कुल कार्यक्षेत्र की तुलना में 62.83% है और जब छूटग्राही हेतु उपलब्ध कार्य के कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह 77.19% (62.83/0.8139) है। दिनांक 31.01.2020 को वित्तीय प्रगति 61.74% थी और एसपीवी के लिए उपलब्ध कार्यक्षेत्र हेतु यह 75.86% (61.74/0.8139) है। दिनांक 31.01.2020 को समान भौतिक और वित्तीय प्रगति उपचार अवधि के दौरान, तीसरी परियोजना लक्ष्य के अपेक्षाओं को पूरा किया गया है।

दिनांक 31 मार्च 2021 तक, रियायत समझौते में शामिल कुल कार्यक्षेत्र के प्रति कुल भौतिक प्रगति 83.95% (स्वतंत्र इंजीनियरों द्वारा प्रस्तुत मासिक निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार) और वित्तीय प्रगति 76.89% (एसपीवी की लेखा बहियों के अनुसार) प्राप्त की गई है। एनएचएआई द्वारा एसपीवी के लिए उपलब्ध कार्यक्षेत्र केवल 85.63% था। दिनांक 31 मार्च, 2021 तक भूमि की अनुपलब्धता के कारण और स्थानीय लोगों द्वारा कार्यों को रोकने के कारण प्रभावित कार्यों के स्कोप में परिवर्तन / पुनर्निर्धारण के लिए अनुरोध किया जा रहा है। एनएचएआई मुख्यालय ने दिनांक 15.07.2021 के पत्र के माध्यम से एमसीडब्ल्यू के 6.88 किलोमीटर, सर्विस रोड के 49.848 किलोमीटर, सभी बस-बे और शेल्टर (14 नंबर), सभी ट्रक

ले बाई (2) और रेस्ट एरिया के डीस्कोपिंग को मंजूरी दी है। परियोजना ने दिनांक 28.05.2021 से अनंतिम पूर्णता प्रमाणपत्र (पीसीसी) प्राप्त कर लिया है, जो वार्षिकी भुगतान आरंभ करने का आधार है। पहली वार्षिकी भुगतान पीसीसी की तारीख से 180 दिनों के बाद देय हो जाता है, जो देय तिथि से 15 दिनों के भीतर देय होता है।

वर्ष के दौरान, इरकॉनडीएचएचएल ने 193.06 करोड़ रूपए का प्रचालनिक टर्नओवर और वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए 0.65 करोड़ रूपए का कर पश्चात लाभ/ (हानि) प्राप्त किया है।



वर्ष के दौरान कंपनी ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा लगाए गए कैपेक्स की प्रतिपूर्ति के लिए और परियोजना के निष्पादन के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 502.76 करोड़ रूपए की स्वीकृत सावधि ऋण सुविधा का लाभ उठाया है और इरकॉन ने इस तरह के ऋण के लिए कॉर्पोरेट गारंटी प्रदान की है।

बैंक ने 502.76 करोड़ रूपए में से दिनांक 31 मार्च, 2021 तक 333.16 करोड़ रूपए की राशि का वितरण किया है, जिसका उपयोग इरकॉन के 326.72 करोड़ रूपए के बकाया ऋण की अदायगी के लिए किया गया है और 26.46 करोड़ रूपए की शेष रक्षित ऋण राशि को अरक्षित ऋण में परिवर्तित कर दिया गया है।

वित्तीय विशेषताएं

कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के तहत उल्लिखित प्रावधानों के अनुसरण में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अपने वार्षिक वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) के अनुसार तैयार किए हैं।

दिनांक 31 मार्च 2021 को वित्तीय विवरण सूचक:

(राशि रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु
1.	इक्विटी शेयर पूंजी	16,405.00	16,405.00
2.	अन्य इक्विटी (रिजर्व और अतिरेक सहित)	419.56	354.82
3.	निवल परिसंपत्ति	16824.56	16759.82
4.	ऋण	33,855.15	26,922.00
5.	कुल संपत्ति और देनदारियां	50,679.71	43,681.82
6.	प्रचालन से राजस्व	19,306.31	39,283.50
7.	अन्य आय	89.42	113.66
8.	कुल आय (6) + (7)	19,395.73	39,397.16
9.	प्रचालन लागत	19307.37	39,283.48
10.	अन्य व्यय	1.49	1.19
11.	कुल व्यय (9)+(10)	19308.86	39,284.67
12.	कर पूर्व लाभ (8)-(11)	86.87	112.49
13.	कराधान के लिए प्रावधान	15.26	21.42
14.	- वर्तमान/ पूर्व वर्ष कर/आस्थगित कर	6.87	13.63
15.	लाभ/(हानि) कर के बाद	64.74	77.44
16.	पिछले वर्षों के लिए लाभ/हानि का संतुलन	354.82	277.38
17.	शेष राशि अग्रेषण	419.56	354.82

3. लाभांश और आरक्षित निधि का विनियोजन:

निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए किसी भी लाभांश की सिफारिश नहीं की है।

इंड एस की अनुप्रयोज्यता के अनुसार, आरक्षित निधि को वित्तीय विवरणों में 'अन्य इक्विटी' के तहत प्रतिधारित आमदनी के रूप में परिलक्षित किया जाता है और आपकी कंपनी के पास दिनांक 31 मार्च 2021 तक प्रतिधारित आमदनियों में 419.56 लाख रूपए की शेष राशि है।

शेयर पूंजी /डीमेटिरियालाइजेशन:

दिनांक 31 मार्च 2021 को कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी और प्रदत्त शेयर पूंजी क्रमशः 217.05 करोड़ रुपये है, जिसमें प्रति 10 रूपए के 21,70,50,000 इक्विटी शेयर और 164.05 करोड़ है, जिसमें प्रति 10 रूपए के 16,40,50,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी की शेयर पूंजी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) के पास इरकॉनडीएचएचएल की 100% प्रदत्त शेयर पूंजी है।

कंपनी (प्रॉस्पेक्टस और प्रतिभूतियों का आवंटन) संशोधन नियम, 2019 दिनांक 22.01.2019 के नियम 9ए के अनुसार, कंपनी को एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (डब्ल्यूओएस) होने के कारण, अपनी प्रतिभूतियों को डीमैट रूप में प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।

5. परियोजना से रोकड़ प्रवाह:

वर्ष के दौरान परियोजना गतिविधियों से कुल रोकड़ प्रवाह रूपए (1956.94) लाख रूपए है।

6. सहायक/संयुक्त उद्यम/ संबद्ध कंपनियों का विवरण:

समीक्षाधीन अवधि के लिए कंपनी की कोई सहायक/संयुक्त उद्यम/सहयोगी कंपनी नहीं थी।

7. कोविड-19 का प्रभाव:

कोविड-19 वैश्विक महामारी, इस वर्ष का सर्वाधिक ज्वलंत विषय रहा है, जिसने अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है और कई लोगों, कई उद्योगों, वित्तीय बाजारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में काम करने वाले व्यवसायों के जीवन को बाधित किया है।

कोविड-19 के बीच, निर्माण उद्योग को अत्यधिक हानि हुई है और संविदात्मक दायित्वों, संसाधनों की उपलब्धता, डिलिवरेबल्स, स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों और परियोजना में देरी या रद्द करने के संबंध में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

कोविड-19 महामारी की पहली लहर और कर्नाटक सरकार द्वारा जारी किए गए लॉकडाउन निर्देशों के कारण, परियोजना के निष्पादन और समापन में देरी हुई और एनएचएआई द्वारा दिनांक 23.01.2021 तक दो चरणों में छह महीने की अवधि के लिए समय विस्तार (ईओटी) (प्रत्येक 3 महीने) प्रदान किया गया था।

कोविड 2.0:

कोविड-19 की दूसरी लहर के प्रकोप के कारण, एनएचएआई द्वारा दिनांक 24.01.2021 से 28.05.2021 तक समय विस्तार (ईओटी) प्रदान किया गया था और 28.05.2021 से प्रभावी पीसीओडी जारी किया गया था।

8. निदेशक मंडल और प्रमुख प्रबंधन कार्मिक:

निदेशक मंडल:

वर्ष 2020-21 के दौरान पदनाम के साथ निदेशकों की श्रेणी और नाम

कंपनी के संगम अनुच्छेदों के अनुसार, कंपनी के बोर्ड की नियुक्ति होल्डिंग कंपनी, इरकॉन द्वारा की जाती है। वित्तीय वर्ष 2021 के दौरान, कंपनी के प्रबंधन का नेतृत्व निम्नलिखित गैर-कार्यपालक (नामित) निदेशकों द्वारा किया जाता है:

श्रेणी, नाम और पदनाम	डीआईएन	नियुक्ति या कार्यमुक्ति (वर्ष के दौरान, यदि कोई हो)
श्री श्याम लाल गुप्ता, अध्यक्ष	07598920	-
श्री अशोक कुमार गोयल, निदेशक	05308809	-
श्री सुराजीत दत्ता, निदेशक	06687032	-
श्री राजेन्द्र सिंह यादव, निदेशक	07752915	31.10.2020 से निदेशक के पद से कार्यमुक्त हुए
श्री बसंत कुमार	08556555	31.07.2020 से निदेशक के पद से कार्यमुक्त हुए

प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) हैं: वर्ष की समाप्ति के बाद, होल्डिंग कंपनी ने 13 मई, 2021 से श्री श्याम लाल गुप्ता के स्थान पर श्री योगेश कुमार मिश्रा [डीआईएन: 07654014], निदेशक (कार्य), इरकॉन को अध्यक्ष के रूप में नामित किया है; और सुश्री रितु अरोड़ा [डीआईएन: 00002455], कंपनी सचिव, इरकॉन को आपकी कंपनी की महिला निदेशक के रूप में नामित किया है। इसके अतिरिक्त, श्री मसूद अहमद [डीआईएन: 09008553], मुख्य महाप्रबंधक (सिविल/राजमार्ग) को दिनांक 02 अगस्त, 2021 से निदेशक के रूप में नामित किया गया है। श्री योगेश कुमार मिश्रा, सुश्री रितु अरोड़ा और श्री मसूद अहमद को अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और आगामी चौथी एजीएम में निदेशकों के पद में नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव है। इसे आगामी एजीएम के नोटिस में शामिल किया गया है।

बोर्ड ने कंपनी के निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान श्री श्याम लाल गुप्ता, श्री बसंत कुमार, श्री राजेन्द्र सिंह यादव द्वारा दिए गए उनके बहुमूल्य योगदान और मार्गदर्शन और समर्थन के लिए सराहना की।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक:

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 203 के प्रावधानों के अनुसार, 31 मार्च, 2021 को कंपनी के प्रमुख

नाम	पद
श्री नगनगौडा हनुमंथगौडा पाटिल	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सुश्री कृतिका गुप्ता	मुख्य वित्तीय अधिकारी (19.08.2020 से प्रभावी)
सुश्री पूजा रस्तोगी	कंपनी सचिव

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, दिनांक 19 अगस्त, 2020 से सुश्री रचना तोमर के स्थान पर सुश्री कृतिका गुप्ता को होल्डिंग कंपनी द्वारा मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था और उन्हें कंपनी के केएमपी के रूप में घोषित किया गया था।

वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद, दिनांक 01 जुलाई, 2021 से सुश्री कृतिका गुप्ता के स्थान पर श्री महादेव मंडल को होल्डिंग कंपनी द्वारा मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था और कंपनी के केएमपी के रूप में घोषित किया गया था।

9. बोर्ड की बैठकें:

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, बोर्ड की दिनांक 18.05.2020, 24.06.2020, 19.08.2020, 09.11.2020, 27.11.2020, 09.02.2021 को छह (6) बैठकें हुईं। बोर्ड की बैठकों के बीच का अंतराल कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित अवधि के भीतर था। बोर्ड की बैठकों की उपस्थिति का विवरण इस प्रकार है:

बैठक की तारीख	बोर्ड सदस्यों की संख्या	उपस्थित निदेशकों की संख्या
18.05.2020	5	5
24.06.2020	5	5
19.08.2020	4	4
09.11.2020	3	3
27.11.2020	3	3
09.02.2021	3	2

नीचे दी गई तालिका वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठकों में बोर्ड के सदस्यों की उपस्थिति और पिछली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में उनकी उपस्थिति को दर्शाती है:

नाम के निदेशक	बैठक की तारीख						25.09.2020 को आयोजित पिछली एजीएम में भाग लिया	कार्यकाल के दौरान आयोजित कुल बैठकें	उपस्थित बैठकों की संख्या	उपस्थिति का प्रतिशत
	18.05.2020	24.06.2020	19.08.2020	09.11.2020	27.11.2020	09.02.2021				
श्री श्याम लाल गुप्ता	✓	✓	✓	✓	✓	✓	हां	6	6	100
श्री अशोक कुमार गोयल	✓	✓	✓	✓	✓	✓	हां	6	6	100
श्री राजेन्द्र सिंह यादव (31.10.2020 तक)	✓	✓	✓	-	-	-	हां	3	3	100
श्री बसंत कुमार (31.07.2020 तक)	✓	✓	-	-	-	-	-	2	2	100
श्री सुराजीत दत्ता	✓	✓	✓	✓	✓	×	हां	6	5	83.33

10. स्वतंत्र निदेशक और बोर्ड समितियां और डीपीई द्वारा जारी कॉर्पोरेट शासन दिशानिर्देश:

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी दिनांक 5 जुलाई, 2017 की अधिसूचना के अनुसार, अन्य बातों के साथ-साथ कंपनी (निदेशकों की नियुक्ति और योग्यता) नियम, 2014 के नियम 4 में संशोधन, एक गैर-सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनी और एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के कारण इसके बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की आवश्यकता और बोर्ड समितियों यथा लेखापरीक्षा समिति और नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) के गठन की आवश्यकता से छूट दी गई है।

तदनुसार, इरकॉनडीएचएचएल, एक गैर-सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनी और इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, को अपने बोर्ड में किसी भी स्वतंत्र निदेशक को नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है और स्वतंत्र निदेशकों की घोषणा कंपनी पर लागू नहीं होती है।

इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिनांक 8-10 जुलाई 2014 के कार्यालय ज्ञापन के साथ पठित 11 जुलाई, 2019 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, विशेष

प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में गठित सीपीएसई को कॉर्पोरेट शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन से छूट दी गई है। इसलिए, डीपीई के निगमित शासन निदेशकों इरकॉन डीएचएचएलप पर लागू नहीं हैं।

11. निदेशक के उत्तरदायित्व का विवरण:

कंपनी का निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि:

- क) दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वार्षिक लेखे तैयार करने में सामग्री विचलनों, यदि कोई हो, से संबंधित उचित स्पष्टीकरण सहित लागू लेखाकरण मानकों का पालन किया गया है।
- ख) ऐसी लेखाकरण नीतियों का चयन किया और निरंतर लागू किया गया है और ऐसे निर्णय लिए और अनुमान तैयार किए गए थे, जो तर्कसंगत और विवकपूर्ण थे ताकि 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु कंपनी की कार्य स्थिति तथा उक्त तिथि को समाप्त अवधि के लिए कंपनी के लाभ का सही एवं वास्तविक स्थिति प्रस्तुत हो सके।
- ग) परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने तथा छल-कपट और अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए इस कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार लेखाकरण अभिलेखों के पर्याप्त रखरखाव के लिए उचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई है।
- घ) वार्षिक लेखा विवरण "निरंतर" आधार पर तैयार किए गए हैं।
- छ) सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली तैयार की गई है और ऐसी प्रणालियाँ पर्याप्त और प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

12. वार्षिक रिटर्न का सार:

कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 की नियम-12 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा-92(3) के अनुसार, फॉर्म एमजीटी-9 में वार्षिक रिटर्न का सार इस रिपोर्ट का भाग है जो अनुबंध-1 के रूप में संलग्न है।

13. निदेशक का अवलोकन और वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी (उनकी रिपोर्ट में लेखापरीक्षकों द्वारा की गई किसी भी टिप्पणी के लिए स्पष्टीकरण:

वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में खातों का विवरण स्व-व्याख्यात्मक है तथा इसे और अधिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है।

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में कोई आपत्ति या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है, जिसके लिए किसी भी तरह के स्पष्टीकरण/पुष्टि की आवश्यकता होती है।

14. लेखापरीक्षक:

सांविधिक लेखापरीक्षक:

मैसर्स सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए सीएजी के दिनांक 18.08.2020 के पत्र सं.सीए/वी/सीओवाई/ केन्द्रीय सरकार/आईडीएचएचएल (I)395 के तहत सांविधिक लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-139(1) के तहत लिखित सहमति और प्रमाण पत्र के माध्यम से पुष्टि की है।

लागत लेखापरीक्षक:

निदेशक मंडल ने लागू नियमों / मार्गदर्शन नोट, इत्यादि के अनुसार कंपनी के लागत रिकार्डों की लेखापरीक्षा के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के लागत लेखापरीक्षक के रूप में मैसर्स रवि साहनी एंड कंपनी, लागत लेखाकार को नियुक्त किया है।

कंपनी (लागत रिकार्ड और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 के साथ पठित अधिनियम की धारा 148(1) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी ने लागत खाते और रिकार्ड बनाए हैं।

सचिवीय लेखापरीक्षक:

मैसर्स जयेश परमार एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी की सचिवीय लेखापरीक्षा का संचालन करने के लिए निदेशक मंडल द्वारा नियुक्त किया गया था।

आंतरिक लेखापरीक्षक:

निदेशक मंडल ने मैसर्स वी.एम.अरोड़ा एंड कंपनी, सनदी लेखाकार को कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा हेतु वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया है।

15. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के अंतर्गत ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों के तहत शामिल किए गए ऋण, गारंटी और निवेश का कोई लेनदेन नहीं है।

16. सीईओ और सीएफओ द्वारा अनुपालन प्रमाणपत्र:

सीईओ और सीएफओ द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अनुपालन प्रमाणपत्र दिनांक 15.06.2021 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक के समक्ष रखा गया था और इसे अनुबंध-2 के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

17. संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध या व्यवस्था के विवरण:

वर्ष के दौरान, होल्डिंग कंपनी, इरकॉन के साथ संबंधित पक्ष लेनदेन, व्यापार के सामान्य क्रम में और आर्म लैथ आधार पर थे और कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार अनुमोदित थे। फॉर्म एओसी-2 में संबंधित पक्ष लेनदेन का विवरण इस रिपोर्ट के अनुबंध-3 के रूप में संलग्न है।

18. वित्तीय वर्ष के समापन के पश्चात कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं:

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भी महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धता वित्तीय वर्ष के अंत और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच के अंतराल में नहीं हुए थे।

19. ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा अर्जन और आउटगो:

कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एम) के तहत निर्धारित विवरण निम्नानुसार है:

क. ऊर्जा का संरक्षण: -

आपकी कंपनी किसी भी निर्माण गतिविधि में संलिप्त नहीं है और इसलिए कंपनी के विवरण का प्रस्तुतिकरण हमारी कंपनी पर लागू नहीं होता है।

ख. प्रौद्योगिकी अवशोषण: -

आपकी कंपनी किसी भी निर्माण गतिविधि का निष्पादन नहीं कर रही है और इसलिए कंपनी के लिए विशेष रूप से प्रस्तुत करना लागू नहीं है।

ग. विदेशी मुद्रा आय और आउटगो: -

वर्ष 2020-21 के दौरान कोई विदेशी मुद्रा आय और विदेशी मुद्रा आउटगो नहीं था।

20. जोखिम प्रबंधन:

बोर्ड की मतानुसार, वर्तमान में कंपनी अपने व्यवसाय के लिए किसी भी बड़े खतरे/जोखिम को नहीं देखती है।

21. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व:

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-135 के अनुसार निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति के गठन की आवश्यकता कंपनी पर लागू नहीं है।

22. कर्मचारियों के विवरण:

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 5 जून 2015 की अधिसूचना के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों और अध्याय XIII के तहत संबंधित नियमों के अनुपालन से छूट दी गई है।

इरकॉनडीएचएचएल एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी के लिए निदेशकों की रिपोर्ट के एक भाग के रूप में कंपनी के नियम 5(2) (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) के तहत निर्धारित मानदंडों के तहत आने वाले कर्मचारियों के पारिश्रमिक के बारे में जानकारी का प्रकटन करने की आवश्यकता नहीं है।

23. व्यवसाय की प्रकृति में परिवर्तन:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कंपनी के व्यवसाय की प्रकृति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

24. सार्वजनिक जमा राशि:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 और कंपनियां (जमा राशि की स्वीकृति) नियम, 2014 के अनुसार अपने सदस्यों से किसी भी जमा राशि को आमंत्रित नहीं किया है।

25. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

कंपनी के पास वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्त प्रणाली विद्यमान है। सभी लेन-देन उचित रूप से अधिकृत रूप से रिकॉर्ड किए गए हैं और प्रबंधन को रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए हैं। कंपनी वित्तीय विवरणों में लेखा बहियों और रिपोर्टिंग को ठीक से बनाए रखने के लिए सभी लागू लेखा मानकों का पालन कर रही है। आपकी कंपनी अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप उचित और पर्याप्त प्रणालियों और प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करना जारी रखती है।

26. कंपनी के गोडंग कंसर्न स्थिति और भावी प्रचालनों को प्रभावित करने वाले, विनियामकों न्यायालयों और अधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण आदेश

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कंपनी के गोडंग कंसर्न स्थिति और भावी प्रचालनों को प्रभावित करने वाले, विनियामकों, न्यायालयों और अधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

27. खरीद वरीयता नीति के क्रियान्वयन के लिए एमएसएमई दिशानिर्देशों का अनुपालन

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने निर्देश जारी किए कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत सभी कंपनियां, जिनका टर्नओवर 500 करोड़ रूपए से अधिक है और सभी सीपीएसई, भारतीय रिजर्व बैंक की अधिसूचना के अनुसार स्थापित ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) प्लेटफॉर्म पर खुद को ऑन-बोर्ड करने की आवश्यकता है। प्रत्येक राज्य में कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) ऐसे निर्देशों के अनुपालन की निगरानी के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे और सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार सीपीएसई द्वारा ऐसे निर्देशों के अनुपालन की निगरानी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे। उपरोक्त निर्देश के अनुपालन के अंतर्गत कंपनी दिनांक 13.12.2019 से टीआरईडीएस में शामिल हो गई है ताकि एमएसई के व्यापार प्राप्तियों के वित्तपोषण की सुविधा के लिए उनकी प्राप्तियों की छूट और नियत तारीख से पहले उनके भुगतान की वसूली को सुलभ बनाया जा सके।

28. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार प्रकटन:

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा-22 के अनुसार समीक्षाधीन अवधि के दौरान, ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जहां यौन उत्पीड़न से संबंधित कोई भी शिकायत दर्ज की गई।

कंपनी इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के कारण, इरकॉन (पीओएसएच नीति) की 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण के लिए नीति' कंपनी पर लागू होती है और इरकॉन की आंतरिक शिकायत समिति पीओएसएच नीति के तहत सभी मामलों का निपटान करती है।

29. सतर्कता तंत्र:

कंपनी ने अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी, या संहिता के उल्लंघन के संबंध में रिपोर्ट करने के लिए निदेशकों और कर्मचारियों के लिए एक तंत्र स्थापित किया है। इस तंत्र में, इसका लाभ प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के उत्पीड़न के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा उपायों का भी प्रावधान है।

इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के कारण, इरकॉन से नामित और प्रतिनियुक्त कर्मचारियों के लिए, इरकॉन की व्हिसल ब्लोअर नीति लागू होती है, जो वेबसाइट <https://www.ircon.org/images/file/cosecy/Whistle-Blower-Policy.pdf> पर उपलब्ध है।

कंपनी में अन्य कार्यरत कर्मचारियों के लिए सतर्कता तंत्र के तहत शिकायत/रिपोर्टिंग हेतु निम्नलिखित को संबोधन करें:

श्री सुराजीत दत्ता, निदेशक,

इरकॉन देवांगेरे हावेरी हाईवे लिमिटेड (इरकॉनडीएचएचएल)

पता: इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड,

सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली- 110017

फोन नंबर: +91 9560595039

ईमेल आईडी: surajit.dutta@ircon.org

30. सूचना का अधिकार:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान आपकी कंपनी को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

31. बोर्ड के सदस्यों का निष्पादन मूल्यांकन:

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने दिनांक 5 जून 2015 की अपनी अधिसूचना के माध्यम से सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के कुछ प्रावधानों से छूट प्रदान की है, जो अन्य बातों के साथ-साथ धारा 134(3)(पी) के अंतर्गत बोर्ड के औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन पर विवरण प्रस्तुत करने का प्रावधान सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होगा, यदि निदेशकों का मूल्यांकन मंत्रालय द्वारा किया जाता है जो कंपनी के मूल्यांकन पद्धति के अनुसार प्रशासनिक रूप से प्रभारी है।

इसके अतिरिक्त, एमसीए द्वारा जारी उपर्युक्त परिपत्र के तहत भी नियुक्ति, प्रदर्शन मूल्यांकन और पारिश्रमिक के संबंध में खंड 178 की उप-धारा (2), (3) और (4) के प्रावधान सरकारी कंपनियों के निदेशकों पर लागू नहीं होगा।

एक सरकारी कंपनी और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के नाते, सभी अंशकालिक निदेशकों को होल्डिंग कंपनी, इरकॉन द्वारा नामित किया जाता है। इन मनोनीत निदेशकों का मूल्यांकन भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्व-निर्धारित मानदंडों के अनुसार होल्डिंग कंपनी द्वारा किया जाता है।

32. सचिवीय मानक

वर्ष के दौरान, कंपनी, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों के अनुपालन में है।

33. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट:

कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम-9 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के तहत आवश्यक प्रपत्र एमआर-3 में सचिवीय लेखापरीक्षक से "सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट" के अनुबंध-4 के रूप में प्रस्तुत है।

34. सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक टिप्पणियाँ

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वित्तीय विवरणों पर सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट शून्य अवलोकन के साथ वार्षिक रिपोर्ट के भाग के रूप में अलग से संलग्न हैं, साथ ही वित्त वर्ष 2020-21 के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) की टिप्पणियां भी संलग्न हैं।

35. दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत लंबित आवेदन/कार्रवाई

दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत कंपनी के प्रति कोई कार्रवाई आरंभ /लंबित नहीं है, जो कंपनी के व्यवसाय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।

36. समझौता ज्ञापन (एमओयू):

सार्वजनिक उद्यम विभाग ने आपकी कंपनी को डीपीई एमओयू दिशानिर्देशों के संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए इरकॉन (होलिडिंग कंपनी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से छूट दी है।

37. आभारोक्ति:

हम इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, लेखापरीक्षकों और हमारे मूल्यवान ग्राहक - भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं, और भविष्य में उनके निरंतर समर्थन की आशा करते हैं।

हम अपने ठेकेदारों, उप-ठेकेदारों, बैंकों को वर्ष के दौरान उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। हम सभी स्तरों पर अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए योगदान के लिए

उनकी सराहना भी करते हैं। उनकी कड़ी मेहनत, एकजुटता, सहयोग और समर्थन से ही हमारा निरंतर विकास संभव हुआ है।

इरकॉन डीएचएचएल के
निदेशक मंडल के निमित्त और उसकी ओर से

ह/-

योगेश कुमार मिश्रा

अध्यक्ष

डीआईएन: 07654014

दिनांक: 10.08.2021

स्थान: नई दिल्ली

फॉर्म सं.एमजीटी 9

वार्षिक रिटर्न का सार

31.03.2021 को समाप्त वित्त वर्ष हेतु

[कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 92(3) तथा कंपनी (प्रशासन और प्रबंधन) नियम, 2014 के नियम 12(1) के अनुसरण में]

I. पंजीकरण और अन्य ब्यौरा:

1.	सीआईएन	U45500DL2017GOI317401
2	पंजीकरण तिथि	11 मई 2017
3	कंपनी का नाम	इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
4	कंपनी की श्रेणी/उप-श्रेणी	सार्वजनिक कंपनी सरकारी कंपनी (इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
5	पंजीकृत कार्यालय का पता व संपर्क ब्यौरा	सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली -110017 दूरभाष: 011-026545786 ई-मेल: lrcondhhl@gmail.com
6	कंपनी सूचीबद्ध है या गैर-सूचीबद्ध	नहीं
7	रजिस्ट्रार तथा हस्तांतरण एजेंट, यदि कोई हो, का नाम तथा संपर्क ब्यौरा	शून्य

II. कंपनी की प्रधान व्यवसायिक गतिविधियां: (कंपनी की सभी व्यवसायिक गतिविधियों का उल्लेख किया गया है जो कंपनी के कुल टर्नओवर का 10 प्रतिशत या अधिक का योगदान करती हैं।)

क्र.सं	मुख्य उत्पाद/ सेवा का नाम और विवरण	उत्पाद/सेवाओं का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल टर्नओवर का प्रतिशत
1.	कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना एन.एच-4) पर राजमार्ग परियोजना निर्माण की प्रकृति में सेवाएं प्रदान करना : निर्माण सेवाएं: राजमार्ग परियोजना (ईपीसी ठेकेदार के माध्यम से)	42101	100

III. धारक, सहायक तथा संबद्ध कंपनियों का विवरण :

क्र.सं	कंपनी का नाम व पता	सीआईएन/जीएलएन	धारक/सहायक/संबद्ध कंपनियों	धारित शेयरों का प्रतिशत	लागू अनुच्छेद
1	इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड	L45203DL1976GOI008171	धारक कंपनी	100% *	अनुच्छेद 2(46)

* 100% शेयर इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) तथा इसके 07 नामितियों के पास हैं ।

IV. शेयर धारिता पैटर्न (कुल इक्विटी के प्रतिशत के रूप में इक्विटी शेयर पूंजी का विवरण)

क) श्रेणीवार शेयर धारिता:

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के आरंभ में धारित शेयरों की संख्या [01 अप्रैल 2020 को]				वर्ष के आरंभ में धारित शेयरों की संख्या [31 मार्च 2021 को]				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	डीमेट	फिजिकल	कुल	कुल शेयरों का %	डीमेट	फिजिकल	कुल	कुल शेयरों का %	
क. प्रमोटर									
(1) भारतीय									
क) व्यक्तिगत/ एचयूएफ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) केन्द्र सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) राज्य सरकार(सरकारें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) निकाय निगम#	शून्य	164050000	164050000	100%	शून्य	164050000	164050000	100%	-
ड.) बैंक/वित्तीय संस्थान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) कोई अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(2) विदेशी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमोटरों की कुल शेयरधारिता (क)	शून्य	164050000	164050000	100%	शून्य	164050000	164050000	100%	-
ख. जन शेयरधारिता									
1. संस्थान									
क) म्युचुवल फंड	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) बैंक / वित्तीय संस्थान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) केन्द्र सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) राज्य सरकार (सरकारें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ड.) उपक्रम पूंजी निधियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) बीमा कंपनियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छ) एफआईआई	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ज) विदेशी उपक्रम पूंजी निधियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-
झ) अन्य (बताएं)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप कुल (ख)(1):-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. गैर-संस्थागत									
क) निकाय निगम	-	-	-	-	-	-	-	-	-
i) भारतीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) विदेशी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) व्यक्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-
i) 1 लाख रूपए तक सांकेतिक शेयर पूंजी धारक व्यक्तिगत शेयरधारक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) 1 लाख रूपए से अधिक सांकेतिक शेयर पूंजी धारक व्यक्तिगत शेयरधारक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) अन्य (स्पष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अप्रवासी भारतीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी निगमित निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी राष्ट्रीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क्लियरिंग सदस्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ट्रस्ट	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी निकाय-डीआर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उपकुल(ख)(2):-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल सार्वजनिक शेयरधारिता (ख)=(ख)(1)+ (ख)(2)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग. जीडीआर तथा एडीआर के लिए कस्टोडियन द्वारा धारित शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सकल योग (क+ख+ग)	शून्य	164050000	164050000	100%	शून्य	164050000	164050000	100%	-

निकाय निगम: 100% शेयरधारिता निगमित निकाय – इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड और इसके 07 नामितियों के पास है।

ख) प्रमोटरों की शेयरधारिता:

क्र.सं	शेयरधारक का नाम	वर्ष के आरंभ में 1 अप्रैल 2020 को शेयरधारिता			वर्ष के आरंभ में 31 मार्च 2021 को शेयरधारिता			वर्ष के दौरान शेयरधारिता % में परिवर्तन
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में प्रतिभूति/ऋणयुक्त शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में प्रतिभूति/ऋणयुक्त शेयरों का %	
1	इरकाँन इंटरनेशनल लिमिटेड*	164050000	100%	शून्य	164050000	100%	शून्य	0.00%
	कुल	164050000	100%	शून्य	164050000	100%	शून्य	0.00%

*प्रमोटरों की शेयरधारिता: कंपनी प्रत्येक 10 रूपए के 16,40,49,200 इक्विटी शेयरों के साथ, इरकाँन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है अर्थात् सम्पूर्ण शेयरधारिता भारतीय प्रमोटरों के पास है। अन्य 07 शेयरधारक इरकाँन इंटरनेशनल लिमिटेड हेतु और की ओर से शेयरों को धारित कर रहे हैं।

* इरकाँन की ओर से नामित शेयरधारक श्री बसंत कुमार द्वारा धारित 100 शेयरों को इरकाँन की ओर से नामित शेयरधारक श्री बी. मुगुनथन को हस्तांतरित किया गया।

*इरकाँन की ओर से नामित शेयरधारक श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा धारित 100 शेयर इरकाँन को हस्तांतरित कर दिए गए।

ग) प्रमोटरों की शेयरधारिता में परिवर्तन :

क्र.सं	विवरण	वर्ष के आरंभ में शेयरधारिता*		वर्ष के दौरान संचित संचयी शेयरधारिता *	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	वर्ष के आरंभ में	लागू नहीं			
2.	वृद्धि/कमी के लिए कारणों को दर्शाते हुए वर्ष के दौरान प्रमोटरों की शेयरधारिता में वृद्धि/कमी का तारीख-वार ब्यौरा (उदाहरण के लिए: आवंटन/हस्तांतरण/बोनस/स्वीट इक्विटी आदि):				
3.	वर्ष के अंत में				

घ) दस शीर्ष शेयरधारकों की शेयरधारिता पैटर्न :

(निदेशकों, प्रमोटरों तथा जीडीआर व एडीआर के धारकों से इतर):

क्र.सं	प्रत्येक 10 शीर्ष शेयरधारकों हेतु	वर्ष के आरंभ में शेयरधारिता*		वर्ष के दौरान संचित संचयी शेयरधारिता *	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	वर्ष के आरंभ में	लागू नहीं।			
	वृद्धि/कमी के लिए कारणों को दर्शाते हुए वर्ष के दौरान प्रमोटरों की शेयरधारिता में वृद्धि/कमी का तारीख-वार ब्यौरा (उदाहरण के लिए: आवंटन/हस्तांतरण/बोनस/स्वीट इक्विटी आदि):				
	वर्ष के अंत में				

ड.) निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों की शेयरधारिता:

प्रत्येक निदेशक (निदेशकों) और प्रत्येक प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता	31 मार्च 2020 को वर्ष के आरंभ में शेयरधारिता		31 मार्च 2021 के दौरान संचित संचयी शेयरधारिता	
	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
वर्ष के आरंभ में	शून्य			
वृद्धि/कमी के लिए कारणों को दर्शाते हुए वर्ष के दौरान प्रमोटरों की शेयरधारिता में वृद्धि/कमी का तारीख-वार ब्यौरा (उदाहरण के लिए: आवंटन/हस्तांतरण/बोनस/स्वीट इक्विटी आदि):				
वर्ष के अंत में				

*इरकाँन इंटरनेशनल लिमिटेड हेतु और की ओर से कंपनी के निदेशकों यथा श्री अशोक कुमार गोयल द्वारा प्रति 10 रूपए के 200 इक्विटी शेयर धारित हैं और श्री योगेश कुमार मिश्रा, श्री सुराजीत दत्ता, द्वारा प्रति 10 रूपए के 100 शेयर धारित हैं।

च) ऋणग्रस्तता – कंपनी की ऋणग्रस्तता में बकाया/संचित किन्तु भुगतान के अदेय ब्याज शामिल है।

विवरण	जमा राशियों (इरकाँन से) के बिना रक्षित ऋण	जमा राशियों (पीएनबी से) के बिना रक्षित ऋण	अरक्षित ऋण	जमा राशियां	कुल ऋणग्रस्तता
वर्ष के आरंभ में ऋणग्रस्तता					
i) मूल राशि	26,922.00	-	-	-	26,922.00
ii) देय किन्तु अप्रदत्त ब्याज	-	-	-	-	
iii) संचित किन्तु अदेय ब्याज	-	-	-	-	
कुल (i+ii+iii)	26,922.00	-	-	-	26,922.00
वित्त वर्ष के आरंभ में ऋणग्रस्तता में परिवर्तन					
* संवर्धन	5,750.00	33316.60	2646.00	-	41712.60
* आवर्धन	(32,672.00)	-	-	-	(32672.00)
निवल परिवर्तन	(26,922)	33316.60	2646.00	-	9040.60
वित्त वर्ष के अंत में ऋणग्रस्तता में परिवर्तन					
i) मूल राशि	-	33,093.15	2646.00	-	35739.15
ii) देय किन्तु अप्रदत्त ब्याज	-	223.45	-	-	0.00
iii) संचित किन्तु अदेय ब्याज	-	-	-	-	223.45
कुल (i+ii+iii)	-	33316.60	2646.00	-	35962.60

V. निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक -

क. प्रबंध निदेशक, पूर्णकालीन निदेशकों तथा/या प्रबंधक का पारिश्रमिक:

क्र.सं	पारिश्रमिक का विवरण @	एमडी/डब्ल्यूटीडी/प्रबंधक का नाम	कुल राशि
1.	सकल वेतन	लागू नहीं	
	1. आयकर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 17(1) में अंतर्विष्ट प्रावधानों के अनुसार वेतन		
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 17(2) के अंतर्गत परिलब्धियों का मूल्य		
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 17(3) के अंतर्गत वेतन के स्थान पर लाभ		
2.	स्टॉक ऑप्शन		
3.	स्वीट क्विटी		
4.	कमिशन - लाभ के % के रूप में - अन्य, बताएं...		
5.	अन्य, कृपया बताएं		
	कुल (क)		
	अधिनियम के अनुसार सीमा		

ख. अन्य निदेशकों का पारिश्रमिक:

क्र.सं	पारिश्रमिक का विवरण @	निदेशकों का नाम	कुल राशि
1	स्वतंत्र निदेशक		
	बोर्ड समिति की बैठकों में उपस्थित होने के लिए शुल्क		
	कमिशन		
	अन्य, कृपया बताएं		
	कुल (1)		
2	अन्य गैर कार्यपालक निदेशक		
	बोर्ड समिति की बैठकों में उपस्थित होने के लिए शुल्क		
	कमिशन		
	अन्य, कृपया बताएं		
	कुल (2)		
	कुल (ख)=(1+2)		
	कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक		
	अधिनियम के अनुसार समग्र सीलिंग		

@ वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान सभी गैर कार्यपालक (नामिति) निदेशक कंपनी के बोर्ड में हैं जो बैठक शुल्क या कमिशन के रूप में शुन्य पारिश्रमिक प्राप्त कर रहे हैं।

ग. प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक (प्रबंध निदेशक /प्रबंधक /डब्ल्येटीडी) का पारिश्रमिक:

क्र.सं	पारिश्रमिक का विवरण #	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक				
		श्री एन.पाटिल, सीईओ (2020-21) के दौरान	सुश्री रचना मोर, सीएफओ (19.08.2020 तक)	सुश्री कृतिका गुप्ता, सीएफओ (19.08.2020 से)	सुश्री पूजा रस्तोगी, सीएस (2020-21 के दौरान)	कुल
1	सकल वेतन					
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 17(1) में अंतर्विष्ट प्रावधानों के अनुसार वेतन	12,99,032	4,97,196	8,73,080	4,80,000	31,49,308
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 17(2) के अंतर्गत परिलब्धियों का मूल्य	-	-	-	-	
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 17(3) के अंतर्गत वेतन के स्थान पर लाभ	-	-	-	-	
2	स्टॉक ऑप्शन	-	-	-	-	-
3	स्वीट क्विटी	-	-	-	-	-
4	कमिशन	-	-	-	-	-
	- लाभ के %	-	-	-	-	-

	के रूप में					
	अन्य, बताएं...	-	-	-	-	-
5	अन्य, कृपया बताएं	-	-	-	-	-
	-निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीआरपी)	-	71,032	1,06,774	-	1,77,806
	-सेवानिवृत्ति लाभ (पेंशन, भविष्य निधि)	1,55,884	1,14,447	1,12,901	57,600	4,40,832
	कुल	14,54,916	6,82,675	10,92,755	5,37,600	37,67,946

VI. जुर्माना/दंड/अपराधों की आवृत्ति:

प्रकार	कंपनी अधिनियम का अनुच्छेद	संक्षिप्त विवरण	जुर्माना/दंड/अपराधों की आवृत्ति का ब्यौरा	प्राधिकार [आरडी /एनसीएलटी /न्यायालय]	की गई अपील, यदि कोई है(ब्यौरा दें)
क. कंपनी					
जुर्माना					
दंड					
कंपाउंडिंग					
ख. निदेशक					
जुर्माना					
दंड					
कंपाउंडिंग					
ग. चूककर्ता अन्य अधिकारी					
जुर्माना					
दंड					
कंपाउंडिंग					

* कंपनी अधिनियम 2013 के 179 (3) के साथ पढ़े गए धारा-177 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए आंतरिक लेखापरीक्षक की नियुक्ति से संबंधित प्रपत्र एमजीटी-14 को निर्धारित समय में दायर

नहीं किया गया था। उल्लेखनीय है कि देरी के लिए क्षमा याचिका पत्र वित्तीय वर्ष 2020-21 में फॉर्म सीजी-1 में दायर किया गया था।

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड के
निदेशक मंडल के निमित्त और उसकी ओर से

ह/-
योगेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
डीआईएन: 07654014

दिनांक: 10.08.2021

स्थान: नई दिल्ली

मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) का प्रमाणन

हमने अपनी सर्वोत्तम जानकारी व विश्वास के साथ वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए वित्तीय विवरणों सहित तुलन पत्र, लाभ हानि विवरण, रोकड़ प्रवाह विवरण की समीक्षा की है:-

- (i) इन विवरणों में किसी प्रकार के सामग्रीगत असत्य विवरण या किसी तथ्यात्मक विवरण को हटाया नहीं गया है, या गुमराह करने वाले विवरण विद्यमान नहीं हैं।
- (ii) ये विवरण समग्र रूप में कंपनी के कार्य का वास्तविक व सही दृश्य प्रस्तुत करते हैं तथा ये विवरण मौजूदा लेखांकन मानकों, लागू कानूनों तथा विनियमों के अनुपालन के अनुरूप हैं।
- (iii) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के आधार पर कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान कोई धोखाधड़ी, अवैध या कानूनों की आचार संहिता के उल्लंघन का कोई संव्यवहार नहीं किया गया है, जैसा कि कंपनी के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा अनुसरण किए जाने की सहमति हुई है।
- (iv) हम आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने व बनाए रखने के लिए उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं तथा हमने कंपनी में एक कुशल आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तैयार की है। हमने आंतरिक नियंत्रणों और इनमें कमियों को दूर करने के लिए उठाए गए या प्रस्तावित कदमों के संबंध में लेखापरीक्षाओं तथा लेखापरीक्षा समिति को बताया है, जिनके बारे में हम जानते हैं।
- (v) हमने वर्ष के दौरान लेखांकन नीतियों में परिवर्तनों को लेखापरीक्षक तथा लेखापरीक्षा समिति को इंगित कर दिया है, और इन्हें वित्तीय विवरणों के नोटों में प्रकट कर दिया गया है, और
- (vi) हमारी जानकारी में धोखाधड़ी का कोई मामला सामने नहीं आया है और ना ही कंपनी को आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रबंधन या कर्मचारी के बार में ऐसी कोई जानकारी प्राप्त हुई है।

ह/-

श्री नगनगौडा हनुमंथगौडा पाटिल
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ)

ह/-

सुश्री कृतिका गुप्ता
मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ)

दिनांक: 15.06.2021

स्थान: नई दिल्ली

फार्म सं. एओसी-2

(अधिनियम के अनुच्छेद 134 के उप-अनुच्छेद (3) के खंड (एच) तथा कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसरण में)

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 188 के उप-अनुच्छेद (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा की गई संविदाओं/व्यवस्थाओं तथा इसके तीसरे प्रावधान के अंतर्गत कतिपय आर्मस लेंथ संव्यवहारों के विवरण के प्रकटन के लिए फार्म
(वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु)

1. अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन-देन का ब्यौरा जो आर्म लेंथ आधार पर नहीं है: शून्य
2. सामग्री अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन-देन का विस्तृत आधार पर विवरण: इस प्रकार है

क्र.सं.	संबंधित पक्ष का नाम और संबंध की प्रकृति	संविदा/व्यवस्थाओं/संव्यवहारों की अवधि	मूल्य, यदि कोई हो, सहित संविदा/व्यवस्थाओं/संव्यवहारों की प्रमुख शर्तें	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि (तिथियां), यदि कोई हो:	अग्रिम के रूप में प्रदत्त राशि, यदि कोई हो
1	ईपीसी करार (इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के किमी 260+000 से किमी 338+923 तक देवांगेरे हवेली को छह लेन का बनाने के परियोजना कार्य के निष्पादन के लिए ईपीसी संविदाकार के रूप में नियुक्त करने हेतु।	अनुमानित अवधि: 30 महीने (ईपीसी संविदाकार द्वारा निर्माण हेतु अवधि)	दिनांक 04.01.2018 का करार। यह संविदा इरकॉन को 12 प्रतिशत की जीएसटी दर सहित 1026.96 करोड़ रूपए मूल्य हेतु अवार्ड की गई है।	20 फरवरी 2018 तथा 9 नवंबर 2017	शून्य (आज की तिथि को)

1.	पट्टा करार (इरकॉन के कार्यालय परिसरों को पट्टे पर लेने हेतु)	तीन वर्ष (15.5.2018 से 14.05.2021)	पट्टा करार दिनांक 09 अगस्त 2018 को 19,305/- रूपए प्रतिमाह जमा जीएसटी की दर से निष्पादित किया गया है।	-	शून्य (आज की तिथि को)
----	---	--	---	---	-----------------------------

*इरकॉन के साथ पट्टा करार को 21236/- रूपए प्रति माह जमा जीएसटी की दर से दिनांक 15.05.2021 से 31.03.2023 तक के लिए नवीकृत किया गया है।

इरकॉन डीएचएचएल के
निदेशक मंडल के निमित्त और उसकी ओर से

ह/-

योगेश कुमार मिश्रा

अध्यक्ष

डीआईएन: 07654014

दिनांक: 10.08.2021

स्थान : नई दिल्ली

जयेश परमार एंड एसोसिएट्स

पेशवर कंपनी सचिव

91+9899339796

ई-मेल - csjayeshparmar@gmail.com

निदेशक की रिपोर्ट का अनुबंध

फार्म सं. एमआर-3

सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट

(31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु)

(कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 204(1) तथा कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम सं. 9 के अनुसरण में)

सेवामें,

सदस्य,

मेसर्स इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय : सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत,
नई दिल्ली-110017

हमने लागू सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन और इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (जिसे यहां आगे "कंपनी" कहा जाएगा) (सीआईएन : U45500DL2017GOI317401) द्वारा अच्छी निगमित पद्धतियों के अनुपालन की सचिवीय लेखापरीक्षा की है। सचिवीय लेखापरीक्षा इस प्रकार की गई थी, जिससे हमें निगमित आचरण/सांविधिक अनुपालनों के मूल्यांकन और इन पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए आधार मिला है।

कंपनी की बहियों, अभिलेखों, कार्यवृत्त बहियों, फॉर्मों और दायर रिटर्नों तथा कंपनी द्वारा अनुरक्षित अन्य रिकार्डों और सचिवीय लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर, हम एतद्वारा रिपोर्ट देते हैं कि हमारे मतानुसार, कंपनी ने 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष की लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, यहां सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और कि कंपनी में उचित बोर्ड प्रक्रियाएं भी हैं और उस स्तर तक तथा उस रूप में अनुपालन तंत्र विद्यमान है और यहां आगे उल्लिखित रिपोर्टिंग के मद्देनजर है:

हमने निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार **31 मार्च 2021** को समाप्त अवधि के लिए कंपनी द्वारा अनुरक्षित बहियों, अभिलेखों, कार्यवृत्त बहियों, फॉर्मों और दायर रिटर्नों तथा कंपनी द्वारा अनुरक्षित अन्य रिकार्डों की जांच की है:

- (i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) तथा इसके अंतर्गत निर्मित नियम:
- (ii) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा जारी सचिवीय मानक **एसएस-1** और **एसएस-2** की अनुप्रयोज्यता।
- (iii) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और इसके अंतर्गत निर्मित नियम और विनियम जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, ओवरसीज प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक ऋणों की सीमा तक जारी किए गए हैं; जहां कही लागू हो।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

हम उल्लेख करते हैं कि:

कंपनी के निदेशक मंडल का विधिवत गठन कार्यपालक निदेशकों और गैर कार्यपालक निदेशकों के उचित संतुलन के साथ किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे।

सभी निदेशकों को बोर्ड बैठकों को आयोजित करने, कार्यवृत्त और कार्यसूची के परिपत्रण के लिए पर्याप्त नोटिस दिया गया है और बैठक से पहले कार्यसूची मदों पर अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और सार्थक भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है। बोर्ड की बैठकों में निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया, जैसा कि प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किया गया था,

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर कानूनों सहित लागू वित्तीय कानूनों के अनुपालन की इस लेखापरीक्षा में समीक्षा नहीं की गई है क्योंकि यह सांविधिक लेखापरीक्षकों और अन्य नामित पेशेवरों द्वारा समीक्षा के अधीन है।

हम आगे सूचित करते हैं कि कंपनी में लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और प्रचालन के अनुसार उपयुक्त प्रणाली और प्रक्रियाएं विद्यमान हैं।

कृते जयेश परमार एंड एसोसिएट्स
कंपनी सचिव

ह/-

जयेश परमार

(प्रोप्राइटर)

एसीएस सं.: 27055

सीपी सं.: 15007

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक: 2 जून 2021

यूडीआईएन: A027055C000409459

नोट: कोविड-19 के कारण, हम कंपनी के रिकॉर्ड और रिटर्न को भौतिक रूप से सत्यापित करने में सक्षम नहीं थे और यह रिपोर्ट आईसीएसआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार दस्तावेजों की सॉफ्ट/स्कैन प्रतियों के आधार पर जारी की जा रही है।

इस रिपोर्ट को हमारे सम-तिथि पत्र के साथ पढ़ा जाए जो 'अनुबंध-क' के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

सेवामें,
सदस्य,
मैसर्स इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड,

हमारी समतिथिक रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढा जाए:

1. सचिवीय रिकार्डों का अनुरक्षण कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन सचिवीय रिकार्डों पर अपना मत अभिव्यक्ति करना है।
2. हमने लेखापरीक्षा पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अनुसरण किया है जो सचिवीय रिकार्डों की विषयवस्तु की सत्यता के संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थीं। हमारा मत है कि हमारे द्वारा अनुसरण की गई पद्धतियां और प्रक्रियाएं, हमारे मत के लिए युक्तिसंगत आधार प्रस्तुत करती हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय रिकार्डों, लागत रिकार्डों और लेखा बहियों की सत्यता और उपयुक्तता का सत्यापन नहीं किया है।
4. जहां कहीं अपेक्षित हुआ, हमने कानूनों, नियमों, विनियमों और घटनाओं आदि के अनुपालन के संबंध में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
5. निगमित तथा अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारी जांच परीक्षण आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता हेतु आश्वासन है और न ही प्रभावकारिता या प्रभावशीलता, जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते जयेश परमार एंड एसोसिएट्स
कंपनी सचिव

ह/-

जयेश परमार
(प्रोप्राइटर)

एसीएस सं.: 27055

सीपी सं.: 15007

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक: 2 जून 2021

यूडीआईएन: A027055C000409459

स्वतंत्र लेखापरीक्षा रिपोर्ट

सदस्य,
इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर,
साकेत, नई दिल्ली (भारत) - 110017

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

मत

हमने इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड ("कंपनी") के लिए संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें दिनांक 31 मार्च 2021 को तुलन पत्र तथा उक्त तिथि को समाप्त अवधि के लिए लाभ और हानि के विवरण इक्विटी परिवर्तन विवरण, रोकड़ प्रवाह विवरण और उक्त समाप्त वर्ष के लिए तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य विवरणात्मक सूचना (जिसे यहां आगे "स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण" कहा जाएगा) के सार की लेखापरीक्षा की है।

हमारे मतानुसार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उपर्युक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण इस अधिनियम के अंतर्गत यथापेक्षित और 31 मार्च 2021 को कंपनी की कार्यप्रणाली की, भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखांकन मानकों के अनुरूप लेखांकन सिद्धांतों के आधार पर इस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी परिवर्तन और रोकड़ प्रवाह विवरण का सही और उचित रूप प्रस्तुत किया गया है।

मत का आधार

हमने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों के अनुरूप लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों को आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण खंड के लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व में उल्लिखित है। हम, कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों और इसके अंतर्गत नियमों के तहत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के प्रति संगत नैतिक अपेक्षाओं के साथ भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी नैतिक

संहिता के अनुसार कंपनी पृथक हैं और हमने नैतिक संहिता और इन अपेक्षाओं के अनुसार अपने नैतिक उत्तरदायित्वों को पूरा किया है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारे मत के लिए आधार उपलब्ध कराने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

गोइंग कंसर्न से संबंधित अनिश्चितता वाले मामलों और सामग्री पर बल

कंपनी की निवल मूल्य नकारात्मक नहीं है और इस अवधि के दौरान बैंकों, वित्तीय संस्थानों या किसी अन्य स्रोतों (यदि कोई हो) से लेनदारों को गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। इसलिए, यह खंड कंपनी पर लागू नहीं है। हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ नहीं है।

इसके अतिरिक्त, हम वित्तीय विवरणों के नोट सं. 34 - "कोविड-19 प्रकटीकरण" पर ध्यान आकर्षित करते हैं, जो वित्तीय विवरण के उपयोगकर्ता की समझ के लिए मौलिक/प्रासंगिक महत्व का है। इसके मामले में हमारा मत संशोधित नहीं है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, हम नोट सं.19- "वित्तीय लागत" और नोट सं. 33 पर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कंपनी इंड एस-1- "वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति" के अनुसार इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को दिए गए मोबलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज आय - 60.70 लाख रूपए और एनएचएआई से प्राप्त मोबलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज लागत - 97.33 लाख रूपए को नेट ऑफ कर दिया गया है। हम आगे उल्लेख करते हैं कि मोबिलाइजेशन अग्रिम और ब्याज देने और लेने की शर्तें कंपनी के हितों के लिए पूर्वाग्रहपूर्ण नहीं हैं। इसके मामले में हमारा मत संशोधित नहीं है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे व्यावसायिक निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समाधान समग्र रूप से वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और हमारी राय के निर्धारण में किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को मुख्य लेखापरीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है -

प्रमुख लेखापरीक्षा मुद्दे	हमारे लेखापरीक्षा द्वारा इसका समाधान
<p>1. इंड एस-115 - "ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व" की शर्तों के अनुसार स्वीकृत राजस्व</p> <p>इंड एस-115 पाँच स्तरीय राजस्व स्वीकृति मॉडल निर्धारित करता है। कंपनी निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का आकलन करने के पश्चात समय के साथ संतुष्ट निष्पादन दायित्व के लिए राजस्व को स्वीकार करती है।</p>	<p>हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में कंपनी की राजस्व स्वीकृति लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता पर विचार करना और लागू लेखांकन मानकों के संदर्भ में नीतियों का अनुपालन करना शामिल है।</p>
<p>राजस्व की स्वीकृति के लिए कार्यक्षेत्र, दावों (मुआवजा, छूट आदि) और अन्य भुगतान में परिवर्तन के लिए आकलन और निर्णय की आवश्यकता होती है जो निष्पादन दायित्व के संतोष के स्तर तक है।</p> <p>कंपनी इनपुट पद्धति को लागू करके निष्पादन दायित्व का आकलन करती है। उन संविदाओं में जहां निष्पादन दायित्व को इनपुट विधि द्वारा नहीं मापा जा सकता है, वहां आउटपुट विधि लागू की जाती है, जो निष्ठापूर्ण रूप से निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि के प्रति कंपनी के निष्पादन को दर्शाती है।</p> <p>आदेश की पूर्ति के दौरान, संविदात्मक दायित्वों का पुनःआकलन किए जाने की आवश्यकता हो सकती है। इसके अतिरिक्त, परिवर्तन आदेश या रद्दकरण पर विचार किया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, कुल अनुमानित परियोजना लागत कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो सकती है और इसलिए, अपेक्षित हानि की तत्काल पहचान करने की आवश्यकता होती है।</p> <p>इंड एस-115 में अपने ग्राहकों के साथ संविदाओं के लिए मॉडल के प्रत्येक चरण को लागू करते समय सभी प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए निर्णय</p>	<p>हमने नए राजस्व लेखांकन मानक (पिछले वित्तीय वर्ष) के क्रियान्वयन और अनुमानित परियोजना लागत में परिवर्तन और संविदाओं के खंडों/शर्तों में व्यापक पर्यावरणीय परिवर्तनों (वर्तमान वर्ष) के संबंध में आवश्यक परिवर्तन से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों के अभिकल्प का मूल्यांकन किया है।</p> <p>हमने एनएचएआई के साथ समझौते की संवीक्षा की है और आंतरिक नियंत्रण के प्रचालन की प्रभावशीलता की जांच की है, जो संबंधित निष्पादन दायित्वों की पहचान और निष्पादन दायित्वों की संतुष्टि से संबंधित था। हमने अनुमानित लागत के साथ समझौतों को पूरा करने के लिए डब्ल्यूआईपी शेष के भीतर शामिल लागतों की जांच की और निवल वसूलीयोग्य दरों की तुलना के माध्यम से उनके पुनःनिर्धारण की जांच की है। इसके अतिरिक्त, हमने एनएचएआई के साथ सेवा रियायत समझौते के तहत मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्ति की मात्रा की जांच की और लक्ष्यों को पूरा करने के आधार पर तथा इसके लिए एनएचएआई से प्राप्तियों को ध्यान में रखते हुए वसूली की क्षमता का अनुमान लगाया।</p> <p>हमने इस तथ्य के प्रति विशिष्ट ध्यान केन्द्रित करते हुए राजस्व मान्यता पर पर्याप्त</p>

<p>लेने की आवश्यकता होती है।</p> <p>विवरण में लिए स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरणों के नोट 23 - सेवा रियायत समझौते और नोट 30 - ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व का संदर्भ लें।</p>	<p>प्रक्रियाओं का पालन किया है, चाहे अनुबंध में एकल निष्पादन दायित्व या कई निष्पादन दायित्व हों या नहीं, निष्पादन दायित्व समय की अवधि में या एक समय बिंदु पर संतुष्ट हो रहा है:</p> <ul style="list-style-type: none"> • इन संविदाओं में विशिष्ट निष्पादन दायित्वों को पढ़ें, विश्लेषण और चिह्नित करें। • कंपनी द्वारा चिह्नित और स्वीकृत किए गए निष्पादन दायित्वों से इन निष्पादन दायित्वों की तुलना करें। • पृथक निष्पादन दायित्वों को आवंटित करने के लिए प्रयुक्त संव्यवहार मूल्य को सत्यापित करने के लिए संविदा की शर्तों पर विचार किया गया। • जाँच की गई कि क्या निष्पादन दायित्व समय की अवधि में या एक समय बिंदु पर संतुष्ट हैं। • राजस्व की तर्कशीलता के लिए विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं का प्रकटन किया।
--	--

अन्य मुद्दे

कोविड 19 के कारण कार्यक्षेत्र सीमितता

कोविड - 19 के कारण देश में लागू किए जा रहे लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के मानदंडों के कारण सरकार द्वारा लगाए गए व्यवधानों के मद्देनजर, हम केवल लेखों की प्रणाली और मूल लेखा बहियों से ही खातों की जांच करने में सक्षम रहे हैं और अधिकतर मामलों में इन वित्तीय विवरणों में उल्लिखित अभिलेखों का सत्यापन नहीं कर पाए हैं। प्रबंधन ने हमें विभिन्न दस्तावेजों की स्कैंड प्रतियां प्रदान की हैं जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन हेतु आवश्यक थीं।

हम यह प्रस्तुत करना चाहते हैं कोविड-19 के कारण भौतिक संचलन और कड़े समयसीमा प्रतिबंधों की वजह से लेखापरीक्षा दल लेखापरीक्षा के संबंध में आईसीएआई द्वारा जारी मानकों के अंतर्गत निर्धारित अनुसार अपेक्षित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के लिए कंपनी के कार्यालय का उचित रूप से दौरा नहीं कर सका है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं, किन्तु इन तक ही सीमित नहीं हैं:

- मूल दस्तावेजों/फाइलों का निरीक्षण, अवलोकन, परीक्षा और सत्यापन;
- आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रचालनिक प्रभावशीलता का सत्यापन;
- कंपनी की अचल संपत्तियों के टाइटल करारों का सत्यापन;
- पहुंच नियंत्रण और डाटा सुरक्षा के संबंध में अवलोकन;
- कोई अन्य लेखापरीक्षा प्रक्रिया, जिसमें लेखापरीक्षा टीम की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता होती है।

वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट से इतर अन्य सूचना

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में शामिल जानकारी, बोर्ड की रिपोर्ट सहित अनुलग्नक से बोर्ड की रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट, निगमित प्रशासन और शेयरधारक की जानकारी शामिल है, यदि लागू हो, लेकिन स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट इसमें शामिल नहीं हैं।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को शामिल नहीं करती है और हम आश्वासनों को निष्कर्ष के किसी भी रूप को व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करने पर, विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारी लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होता है।

यदि हमारे कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि इस अन्य जानकारी की सामग्री गलत है तो हमें इस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

इंड एस वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारितों का उत्तरदायित्व

कंपनी का निदेशक मंडल, इन वित्तीय विवरणों, जो जारी संगत नियमों के साथ पठित अधिनियम के अनुच्छेद 133 में विनिर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एस) सहित भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, लाभ और हानि (अन्य वृहत आय सहित वित्तीय निष्पादन), रोकड़ प्रवाह और इक्विटी परिवर्तन के संबंध में वास्तविक और उचित स्थिति प्रस्तुत करते हैं, को तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अनुच्छेद 134(5) में उल्लिखित विषयों के लिए उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा जालसाजी व अन्य अनियमितताओं के निवारण तथा उनका पता लगाने; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन तथा अनुप्रयोग; युक्तिसंगत तथा विवेकपूर्ण निर्णय तथा अनुमान लगाने; उपयुक्त आंतरिक वित्तीय

नियंत्रणों के अभिकल्प, क्रियान्वयन और अनुरक्षण, जो लेखांकन रिकार्डों की परिशुद्धता और सम्पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए कुशलतापूर्वक प्रचालन कर रहीं थीं और वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुतीकरण के लिए संगत हैं जो वास्तविक और उचित स्थिति प्रस्तुत करना है और किसी प्रकार के सामग्रीगत दुर्विवरण, चाहे जालसाजी के कारण हो या त्रुटि के कारण, के निवारण के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उपयुक्त लेखांकन रिकार्डों का अनुरक्षण भी शामिल है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन गोडंग कंसर्न, प्रकटन, यथा अपेक्षित, गोडंग कंसर्न संबंधी मुद्दों और लेखांकन के गोडंग कंसर्न के प्रयोग के साथ जारी रहने की कंपनी की क्षमता का आंकलन करने के लिए उत्तरदायी है, बशर्ते प्रबंधन या तो कंपनी को लिक्विडेट करना चाहती है या प्रचालन बंद करना चाहती है, या उसा करने के अतिरिक्त उसके पास को वास्तविक विकल्प है।

ये निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए भी उत्तरदायी हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से सामग्रीगत तथ्यात्मक दुर्विवरण, चाहे जालसाजी के कारण हो या त्रुटि से मुक्त हैं। युक्तिसंगत आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन है, किन्तु यह गारंटी नहीं है कि मानक लेखांकन नीति के अनुसार किया गया लेखापरीक्षा सदैव तथ्यात्मक दुर्विवरण को खोज लेता है, जब वह विद्यमान हो। जालसाजी या त्रुटि से उत्पन्न होने वाले दुर्विवरण को तब महत्वपूर्ण माना जाता है, यदि एकल रूप में या समग्र रूप में वे युक्तिसंगत स्तर पर इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करते हों।

लेखांकन मानक के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और बिना लेखापरीक्षा के पेशेवर व्यवहार को बनाए रखते हैं। हम निम्नलिखित व्यवस्थाओं का भी अनुसरण करते हैं:

क) वित्तीय विवरणों के तथ्यात्मक दुर्विवरण के जोखिमों की पहचान और आंकलन करते हैं, कि क्या वे जालसाजी या त्रुटि या अभिकल्प के कारण है और लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं इन जोखिमों के प्रति प्रकियात्मक रूप से सक्रीय हैं, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे मत के लिए आधार प्रस्तुत करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं। जालसाजी के परिणामस्वरूप तथ्यात्मक दुर्विवरण का पता न लगा पाने का जोखिम मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर किया गा चूक, पुनर्विनियोजन या आंतरिक नियंत्रण से बचने वाली जालसाजियों के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से अधिक महत्वपूर्ण है।

- ख) उन लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के निर्माण के उद्देश्य से लेखापरीक्षा के प्रति संगत आंतरिक नियंत्रण की समझ को प्राप्त करना, जो उक्त परिस्थितियों में उपयुक्त है। कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 143(3)(i) के अंतर्गत, हम अपने इस मत को भी अभिव्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं कि क्या कंपनी के पास उपयुक्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विद्यमान है और ऐसे नियंत्रणों के लिए कुशलतापूर्वक कार्य कर रही है।
- ग) प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना और प्रबंधन द्वारा किए गए प्रकटनों के संबंध में लेखांकन अनुमानों और प्रकटनों की युक्तिसंगतता का मूल्यांकन करना।
- घ) लेखांकन के संबंधित आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त उपयुक्तता और प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाना कि घटनाओं और परिस्थितियों के संबंध में तथ्यात्मक अनिश्चितता विद्यमान है, जो गोइंग कंसर्न के रूप में निरंतर कार्यरत रहने की कंपनी की क्षमता पर महत्वपूर्ण शंका उत्पन्न करती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि तथ्यात्मक अनिश्चितता विद्यमान है तो हमें उन वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटनों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त हैं तो हमारे मत को आशोधित करना। हमारा निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि को प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित है। तथापि, भावी घटनाएं और स्थितियां कंपनी के गोइंग कंसर्न के रूप में निरंतरता को बंद कर सकती है।
- ङ) प्रकटन सहित वित्तीय वक्तव्यों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन, और अवलोकन कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से दर्शाते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्रस्तुत करते हैं।
- च) भौतिकता स्टैंडएलोन वित्तीय विवरणों में दुर्विवरण की गंभीरता है, जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूपा से, यह संभव बनाता है कि वित्तीय विवरणों का यथोचित विवेकपूर्ण उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम (i) हमारी लेखापरीक्षा कार्य के कार्यक्षेत्र की योजना बनाने और हमारे काम के परिणामों का मूल्यांकन करने में मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं; और (ii) वित्तीय विवरणों में किसी भी चिह्नित दुर्विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु।
- छ) हम अन्य मामलों में, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय, तथा महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों के साथ, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को शामिल करते हैं, जिसे हम अपने ऑडिट के दौरान पहचानते हैं।
- ज) हम अपने वक्तव्य के साथ शासन के उन आरोपों को भी प्रदान करते हैं जिनका हमने अनुपालन किया है यथा स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जिन्हें हमारी

स्वतंत्रता पर सहन करने के लिए उचित रूप से सोचा जा सकता है, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय।

- झ) शासन द्वारा प्रभारित मुद्दों में से हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे अधिक महत्व के थे और इसलिए वे महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण का प्रस्ताव नहीं देता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले का संचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के दुष्परिणामों का यथोचित परिणाम अपेक्षित होगा।

अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

- (1) कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 143 के उप-अनुच्छेद (11) की शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2016 ("आदेश") द्वारा यथापेक्षित, उक्त आदेश के पैरा 3 और 4 में विनिर्दिष्ट विषयों पर एक विवरण **अनुग्नक-क** के रूप में दे रहे हैं।
2. अधिनियम के अनुच्छेद 143(3) द्वारा यथापेक्षित हम उल्लेख करते हैं कि:
- क) हमने वे सब सूचनाएं और स्पष्टीकरण मांगे व प्राप्त किए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक हैं।
- ख) हमारी राय में उपर्युक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने से संबंधित नियमों द्वारा यथापेक्षित कंपनी ने विधि द्वारा अपेक्षित लेखा बही खातों का उचित रखरखाव किया है जैसा बही खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।
- ग) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलनपत्र और अन्य वृहत आय सहित लाभ-हानि का विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण तथा इक्विटी परिवर्तन विवरण, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के प्रयोजन से अनुरक्षित बही खातों से मेल खाते हैं।
- घ) हमारी राय में उपर्युक्त इंड एस वित्तीय विवरण, कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 और समय समय पर यथासंशोधित के साथ पठित, अधिनियम के अनुच्छेद 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं।
- ड) दिनांक 31 मार्च 2021 को निदेशकों से प्राप्त लिखित अभ्यावेदनों के आधार पर कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा ध्यान में लिए गए अनुसार, कोई भी निदेशक अधिनियम के खंड 164(2) की शर्तों के अनुसार निदेशक के रूप में नियुक्ति होने के लिए दिनांक 31 मार्च 2021 को अयोग्य नहीं है;

च) कंपनी में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विद्यमान है और ऐसे नियंत्रण कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं और इस संबंध में "अनुबंध-ख" में हमारी पृथक रिपोर्ट का संदर्भ लें।

छ) अधिनियम की धारा 197(16), यथासंशोधित की आवश्यकताओं के अनुसार, लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल अन्य मामलों के संबंध में:

" दिनांक 5 जून, 2015 की सरकारी अधिसूचना सं जीएसआर 463 (ई) के दृष्टिगत, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 197 की अनुप्रयोज्यता से छूट प्राप्त है।"

ज) कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) संशोधन नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षक रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:

क कंपनी का कोई मुकदमा लंबित नहीं है, जो इसकी वित्तीय स्थिति को प्रभावित कर रहा हो।

ख कंपनी ने व्युत्पन्न संविदाओं सहित कोई दीर्घकालिक संविदाओं पर, यदि कोई हो, महत्वपूर्ण प्रत्याशित घाटों के लिए लागू कानून या लेखांकन मानक के अंतर्गत यथापेक्षित प्रावधान किए हैं।

ग ऐसी कोई राशियां नहीं थीं जिन्हें कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षा निधि में हस्तांतरित किए जाने की आवश्यकता हो।

(3) कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 143(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी निदेशों/उप-निदेशों के अनुसार, हमारी रिपोर्ट के अनुबंध-ग का संदर्भ लें।

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

एफआरएन सं. 008030एन

सीए सुनिल सिंघल

साझेदार

सदस्यता संख्या 086904

यूडीआईएन : 21086904AAAAIH6452

दिनांक: 15.06.2021

स्थान: नई दिल्ली

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड की स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुबंध-क।

(इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के सदस्यों की समसंख्यक रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाएं" खंड के अंतर्गत पैरा 1 का संदर्भ लें)

हम उल्लेख करते हैं कि:

1. कंपनी की स्थिर परिसंपत्तियों के संबंध में -

(क) कम्पनी ने पूर्ण विवरण दर्शाते हुए अभिलेखों का उचित रखरखाव किया है जिनसे उसकी नियत परिसंपत्तियों का मात्रात्मक विवरणों और उसकी स्थिति का पता चलता है।

(ख) हमें प्रदान की गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, युक्तिसंगत अंतराल पर, चरणबद्ध रूप से प्रबंधन द्वारा स्थिर परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जाता है और इन सत्यापनों से कोई महत्वपूर्ण विसंगति सामने नहीं आई है। इसके अतिरिक्त, सत्यापन की नियमित अनुसूची होती है जो हमारे विचार में कंपनी के आकार और इसके व्यवसाय की प्रकृति के अनुसार युक्तिसंगत है।

(ग) कंपनी के पास लेखापरीक्षा की अवधि के दौरान कोई अचल संपत्ति नहीं है।

2. इन्वेंटरी के संबंध में -

कंपनी के पास रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कोई इन्वेंटरी नहीं है। इसलिए, आदेश का पैरा 3(ii) की रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

3. प्रबंधन द्वारा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा लेखा बहियों की हमारी जांचों के आधार पर, कंपनी ने कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 189 के अधीन रखे गए रजिस्टर में सूचीबद्ध कम्पनियों, फर्मों या अन्य पार्टियों को/से रक्षित या अरक्षित किसी प्रकार का ऋण न लिया है न दिया है। तदनुसार, आदेश के पैरा 3 (iii) के अंतर्गत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

4. हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार ऐसे कोई ऋण, निवेश, गारंटियां, तथा प्रतिभूतियां प्रदान नहीं किए गए हैं जिनके लिए कंपनी अधिनियम, 2013

के अनुच्छेद 185 तथा 186 के प्रावधान का अनुपालन किया गया है। इसलिए आदेश का खंड 3 (iv) लागू नहीं है।

5. हमारे मतानुसार और हमें दी गई सूचनाओं और स्पष्टीकरण के अनुसार कम्पनी ने जनता से कोई जमा राशि नहीं ली है और इसलिए जनसाधारण से जमाराशि स्वीकार करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश और अधिनियम की धारा 73 से 76 या कोई अन्य संगत प्रावधान तथा कंपनी (जमाराशि स्वीकार करना) नियम, 2015 लागू नहीं होते हैं।
6. कंपनी की गतिविधियों के लिए अधिनियम के खंड 148 के उपखंड (1) के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा लागत रिकार्डों के अनुरक्षण का निर्धारण किया गया है और तदनुसार, कंपनी ने अपने निगमित कार्यालय में अपेक्षित लागत रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। तथापि, किसी पृथक लागत लेखों का अनुरक्षण नहीं किया जाता है।

7. **सांविधिक देयों के संबंध में -**

क. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, कम्पनी भविष्य निधि, आयकर, वस्तु एवं सेवाकर, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य संवर्धन कर और उपकर के संबंध में अविवादित देय तथा कोई अन्य सांविधिक कर सहित लागू निर्विवाद सांविधिक देय राशियां और अन्य महत्वपूर्ण सांविधिक देय राशियाँ के संबंध में काटी गई/संचित राशियों को नियमित रूप से सक्षम प्राधिकारियों के पास जमा कराती हैं।

ख. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, भविष्य निधि, आयकर, वस्तु एवं सेवाकर, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य संवर्धन कर और उपकर तथा कोई अन्य सांविधिक कर सहित लागू निर्विवाद सांविधिक देय राशियां और अन्य महत्वपूर्ण सांविधिक देय कोई भी राशि दिनांक 31 मार्च 2021 को देय होने की छेह महीने से अधिक की अवधि के लिए देय नहीं है।

ग. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, आयकर, वस्तु एवं सेवाकर, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य संवर्धन कर और उपकर तथा कोई अन्य सांविधिक कर सहित लागू निर्विवाद सांविधिक देय राशियां और अन्य महत्वपूर्ण सांविधिक देय कोई भी राशि को किसी विवाद के कारण जमा नहीं कराया गया है।

8. हमारे मतानुसार और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने दिनांक 31.03.2021 को पंजाब नेशनल बैंक से 330.93 करोड रूपए का ऋण लिया है और मूल धन तथा ब्याज के पुनर्भुगतान में कोई चूक नहीं की है। तथापि, कंपनी ने दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि के दौरान इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएन-एल45203डीएल1976जीओआई008171) से 26.46 करोड रूपए का अरक्षित ऋण लिया है।
9. कंपनी ने वर्ष के दौरान आरंभिक पब्लिक ऑफर या भावी पब्लिक ऑफर (ऋण माध्यमों सहित) के माध्यम से कोई धन प्राप्त नहीं किया है। तदनुसार, इस आदेश के खंड 3 (ix) कं अंतर्गत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होते हैं। तथापि, कंपनी ने दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि के दौरान इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएन-एल45203डीएल1976जीओआई008171) से 330.93 करोड रूपए का सावधि ऋण स्वीकार किया है।
10. हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा या इसके अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा कंपनी पर जालसाजी का कोई मामला नहीं हुआ है।
11. दिनांक 05 जून 2015 की सरकारी अधिसूचना सं. जीएसआर 463(ड.) के दृष्टिगत, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 197 के अनुप्रयोग से छूट प्राप्त है। तदनुसार आदेश के खंड 3(xi) के अंतर्गत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं है।
12. निधि नियम, 2014 में विनिर्दिष्ट अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है, तदनुसार आदेश का पैरा-3 (xii) कंपनी पर लागू नहीं है।
13. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, सभी संबंधित पक्ष संव्यवहार कंपनी अधिनियम के अनुच्छेद 177 तथा 188 के अनुरूप हैं, जहां कही लागू हो और इस प्रकार के संव्यवहारों का ब्यौरा वित्तीय विवरणों में प्रकट किया गया है जैसा कि लागू लेखांकन मानकों के अनुसार अपेक्षित है।
14. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या पूर्ण या आंशित परिवर्तनीय डिबेंचरों का कोई वरियता आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है।

15. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 192 के प्रावधानों के भीतर स्वयं से संबंधित निदेशकों या व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद संव्यवहार नहीं किया है। तदनुसार, आदेश का पैरा 3(xv) लागू नहीं है।
16. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुच्छेद 45-1ए के अंतर्गत पंजीकृत कराए जाने का आवश्यकता नहीं है।

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

एफआरएन सं. 008030एन

सीए सुनिल सिंघल

साझेदार

सदस्यता संख्या 086904

यूडीआईएन : 21086904एएएआईएच6452

दिनांक: 15.06.2021

स्थान: नई दिल्ली

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड की स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुबंध-ख

(इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के सदस्यों की समसंख्यक रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाएं" खंड के अंतर्गत पैरा 2 का संदर्भ लें)

कंपनी अधिनियम ("अधिनियम") के खंड-2 के उप खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट।

हमने इस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के समायोजन में 31 मार्च 2021 को इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड ("कंपनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

कंपनी का प्रबंधन, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा संबंधी दिशानिर्देश के नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मापदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्थापना तथा अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी है। इन उत्तरदायित्वों में शामिल हैं - कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत यथा अपेक्षित कंपनी के नियमों के अनुपालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, जालसाजी और चूकों का निवारण और संसूचन, लेखांकन रिकार्डों की सटीकता व संपूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय सूचना को समय पर तैयार करने के साथ, अपने व्यवसाय के सुव्यवस्थित तथा कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कुशल रूप से प्रचालित हो रही आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अभिकल्प, क्रियान्वयन का अनुरक्षण शामिल हैं।

लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर अपना मत अभिव्यक्त करना है। हमने आईसीएआई द्वारा जारी, लेखांकन पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर दिशानिर्देश नोट ("दशानिर्देश नोट") के अनुसार लेखापरीक्षा की है और इसे भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

द्वारा जारी दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा के स्तर तक कंपनी अधिनियम 2013 के खंड 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित किया गया है। इन मानकों तथा दिशानिर्देश नोट में अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं के साथ अनुपालन करें और इस प्रकार युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और अनुरक्षित किया गया है और क्या ऐसे नियंत्रण सभी सामग्रीगत पहलुओं में कुशलतापूर्वक प्रचालन कर रहे हैं।

हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और उनके प्रचालन की कुशलता के संबंध में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की निष्पादन प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की हमारी लेखापरीक्षा में शामिल हैं - वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करना, इस जोखिम का आंकलन करना कि सामग्रीगत कमजोरी मौजूद है, तथा आकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के अभिकल्प और प्रचालन कुशलता का परीक्षण और मूल्यांकन। चयनित प्रक्रियाएं वित्तीय विवरणों के सामग्रीगत दुर्विवरण, चाहे जालसाजी हो या त्रुटि, के जोखिम के आंकलन सहित लेखापरीक्षा के विवेक पर निर्भर करता है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखापरीक्षा मत के लिए पर्याप्त और उपयुक्त आधार उपलब्ध कराता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और सामान्य रूप से स्वीकृत वित्तीय सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन उपलब्ध कराने के लिए अभिकल्पित प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं

(1) उन रिकार्डों के अनुरक्षण से संबंधित हैं, जो युक्तिसंगत ब्योरे में, कंपनी की परिसंपत्तियों के संव्यवहारों और निपटान का सटीक और उचित रूप से प्रदर्शित करता हैं।

(2) युक्तिसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं कि सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन नीति के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए यथा आवश्यक रूप से संव्यवहारों को रिकार्ड

किया गया है और कि कंपनी की पावतियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए गए हैं।

(3) कंपनी की परिसंपत्ति के अप्राधिकृत अधिग्रहण, प्रयोग, निपटान के निवारण और समय पर संसूचन के संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन उपलब्ध कराना, जो वित्तीय विवरणों को वास्तविक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की सीमाएं

चूंकि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमितताओं में नियंत्रणों के टकराव या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावनाएं शामिल हैं, इसलिए, चूक और जालसाजी के कारण सामग्रीगत दुर्विवरण हो सकता है और उसका पता नहीं लग पाएगा। इसके अतिरिक्त, भावी अवधियों के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन का अनुमान इस जोखिम के मद्देनजर होगा कि आंतरिक रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शर्तों में परिवर्तन के कारण अनुपयुक्त हो सकता है, या कि नीतियों और प्रतिक्रिया के अनुपालन का स्तर खराब हो सकता है।

मत

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, दिनांक 31 मार्च, 2021 को निम्नलिखित महत्वपूर्ण खामियों को चिह्नित किया गया है।:

वर्ष के दौरान, कंपनी ने लेखांकन सॉफ्टवेयर "टैली ईआरपी" के माध्यम से अपने लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने की प्रणाली का अनुसरण किया है। सभी वाउचर मैनुअल रूप से अनुमोदित हैं और केवल टैली सॉफ्टवेयर में रखी गई लेखा बहियों में लेखांकित किए गए हैं। हालांकि, वित्तीय वर्ष के भीतर पश्च तिथि में प्रविष्टियां को लेखांकित करने की संभावना है। तदनुसार, कंपनी को इस संबंध में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में भौतिक खामी, वह खामी या खामियों का संयोजन है, जिसमें युक्तिसंगत स्तर पर यह संभावना है कि कंपनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरणों की एक महत्वपूर्ण दुर्विवरण को रोका नहीं जा सका या या इसका पता समय पर नहीं लगाया जा सका।

हमारे मतानुसार, नियंत्रण मापदंड के उद्देश्यों की उपलब्धि पर उपर्युक्त उल्लिखित सामग्रीगत खामियों के संभावित प्रभावों को छोड़कर, कंपनी ने वित्तीय रिपोर्टिंग पर सही सामग्रीगत पहलुओं में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को अनुरक्षित किया है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर दिशानिर्देश में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित आंतरिक रिपोर्टिंग मापदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर कुशलतापूर्वक प्रचालन कर रहे हैं।

हमने दिनांक 31 मार्च 2021 को कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखापरीक्षा की प्रकृति, समय और स्तर का निर्धारण करने में चिह्नित महत्वपूर्ण खामियों पर विचार किया है, और ये महत्वपूर्ण खामियां कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारे मत को प्रभावित नहीं करत हैं।

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

एफआरएन सं. 008030एन

सीए सुनिल सिंघल

साझेदार

सदस्यता संख्या : 086904

यूडीआईएन : 21086904एएएआईएच6452

दिनांक: 15.06.2021

स्थान: नई दिल्ली

इरकाँन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड की स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुबंध-ग

(इरकाँन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के सदस्यों की समसंख्यक रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाएं" खंड के अंतर्गत पैरा 3 का संदर्भ लें)

दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु कंपनी अधिनियम के अनुच्छेद 143(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी निदेशों के उत्तर:

क्र.सं	विवरण	लेखापरीक्षा का उत्तर
1.	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन संव्यवहारों की प्रक्रिया की प्रणाली विद्यमान है? यदि हां तो, वित्तीय परिणामों, यदि कोई हो, सहित लेखों की सत्यनिष्ठ पर आईटी प्रणाली के बाहर लेखंकन संव्यवहारों की प्रक्रिया को क्रियान्वित किया या है, कृपया स्पष्ट करें।	जी हां, वर्ष के दौरान, कंपनी ने टैली ईआरपी लेखांकन साफ्टवेयर के माध्यम से अपने लेखांकन संव्यवहारों की प्रक्रिया निष्पादित की है। सभी वाउचरों को मानवीय रूप से स्वीकृत किया गया है और इन्हे केवल टैली साफ्टवेयर में ही अनुरक्षित लेखा बिहर्यों में लेखांकित किया गया है।
2.	क्या वहां कंपनी में देनदारों द्वारा मौजूदा ऋण या ऋणों/ब्याज आदि के छूट /बट्टे खाते के मामलों के पुनःनिर्धारण का कोई मामला है जो ऋण के भुगतान में कंपनी की अक्षमता के कारण हो? यदि हां तो इसके वित्तीय प्रभाव का उल्लेख करें। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब लगाया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षक के लिए भी लागू होता है)।	वर्ष के दौरान कंपनी में देनदारों द्वारा मौजूदा ऋण या ऋणों/ब्याज आदि के छूट /बट्टे खाते के मामलों के पुनःनिर्धारण का कोई मामला नहीं आया है।
3.	क्या केन्द्रीय/राज्य सरकार की एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए कोई निधियां प्राप्त/प्राप्य हैं जिनका उनका उनकी शर्तों और निबंधनों के अनुसार लेखांकन/उपयोग किया गया है? विपथन के मामलों की सूची बताएं।	वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान किसी भी विशिष्ट योजनाओं के लिए किसी भी केंद्रीय या राज्य एजेंसियों से कोई धन प्राप्त/प्राप्य नहीं हुआ है।

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

एफआरएन सं. 008030एन

सीए सुनिल सिंघल

साझेदार

सदस्यता संख्या 086904

यूडीआईएन : 21086904एएएआईएच6452

दिनांक: 15.06.2021

स्थान: नई दिल्ली

अनुपालन प्रमाणपत्र

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 143 (5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा जारी निदेशों/उप-निदेशों के अनुसार, दिनांक 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की है और प्रमाणित करते हैं कि हमें जारी सभी निदेशों/उप-निदेशों का अनुपालन किया गया है।

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएन सं. 008030एन

सीए सुनिल सिंघल
साझेदार
सदस्यता संख्या 086904
यूडीआईएन : 21086904एएएआईएच6452

दिनांक: 15.06.2021

स्थान: नई दिल्ली

इरकाँन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को तुलनपत्र

(रूपए लाख में)

विवरण	नोट सं	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
I. परिसंपत्तियां			
1 गैर चालू परिसंपत्तियां			
(क) वित्तीय परिसंपत्तियां	3	0.17	0.30
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियां - अन्य	4	38,568.27	25,474.31
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	5	6.88	13.76
कुल चालू परिसंपत्तियां		<u>38,575.32</u>	<u>25,488.37</u>
2 चालू परिसंपत्तियां			
(क) वित्तीय परिसंपत्तियां	6		
(i) व्यापार प्राप्त्य	6.1	4,182.91	792.02
(ii) रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य	6.2	1,541.07	219.17
(iii) उपर्युक्त (ii) से इतर बैंक शेष	6.3	2,646.00	-
(iii) अन्य	6.4	7,837.76	16,815.61
(ख) चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)	7	518.27	678.50
(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियां	8	4,743.66	6,137.11
कुल चालू परिसंपत्तियां		<u>21,469.67</u>	<u>24,642.41</u>
कुल परिसंपत्तियां		<u>60,044.99</u>	<u>50,130.78</u>
II. इक्विटी एवं देयताएं			
1 इक्विटी			
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	9	16,405.00	16,405.00
(ख) अन्य इक्विटी	10	419.56	354.82
कुल इक्विटी		<u>16,824.56</u>	<u>16,759.82</u>
2 देयता देयताएं			
(i) गैर- चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं (i) ऋण	11 11.1	33,855.15	26,922.00
कुल गैर चालू देयताएं		<u>33,855.15</u>	<u>26,922.00</u>
(ii) चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं	12		
(i) व्यापार देय	12.1		
- सूक्ष्म और लघु उपक्रमों को देय		-	-
- अन्य		5,656.61	2,534.87
(ii) अन्य वित्तीय देयताएं	13	3,560.30	510.62
(ख) अन्य चालू देयताएं	14	148.37	3,403.47
कुल चालू देयताएं		<u>9,365.28</u>	<u>6,448.96</u>
कुल इक्विटी एवं देयताएं		<u>60,044.99</u>	<u>50,130.78</u>
III. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार	1 - 2		
IV. वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में नोट	3 - 36		

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के निमित्त और उनकी ओर से

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएल- 008030एन

ह/-
योगेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
डीआईएन: 07654014

ह/-
सुराजीत दत्ता
निदेशक
डीआईएन: 06687032

ह/-
सीए सुनिल सिंघल
साझेदार
सं.सं: 086904

ह/-
नगनगैडा हनुमंथगैडा पाटिल
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

ह/-
कृतिका गुप्ता
मुख्य वित्त अधिकारी

ह/-
पूजा रस्तोगी
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 15.06.2021
यूडीआईएन: 21086904AAAA1H6452

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि के लिए लाभ एवं हानि विवरण

(रूपए लाख में)

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
I. राजस्व :			
प्रचालनों से राजस्व	15	19,306.31	39,283.50
II. अन्य आय	16	89.42	113.66
III. कुल आय (I + II)		19,395.73	39,397.16
IV. व्यय:			
परियोजना व्यय	17	16,556.69	37,491.30
कर्मचारी लाभ व्यय	18	44.46	33.66
वित्तीय लागते	19	2,706.09	1,758.40
मूल्यहास, परिशोधन एवं हानि	20	0.13	0.12
अन्य व्यय	17	1.49	1.19
कुल व्यय (IV)		19,308.86	39,284.67
V. आपवादिम मदों तथा कर पश्चात लाभ/हानि (III - IV)		86.87	112.49
VI. आपवादिक मदें			
VII. करपूर्व लाभ/हानि (V+ VI)		86.87	112.49
VIII. कर व्यय:			
(1) चालू कर			
- वर्ष हेतु		15.26	21.42
- पूर्ववर्ती वर्षों हेतु (निवल)		-0.01	-
(2) आस्थगति कर (निवल)		6.88	13.63
कुल कर व्यय		22.13	35.05
IX. निरंतर प्रचालनों से अवधि हेतु लाभ/हानि (VII - VIII)		64.74	77.44
X. अन्य वृहत आय			
क. (i) मदें जिन्हें लाभ और हानि में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		-	-
(ii) आयकर संबंधी मदें जिन्हें लाभ और हानि में पुनःवर्गीकृत नहीं किया जाएगा		-	-
ख. (i) मदें जिन्हें लाभ और हानि में वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
(ii) आयकर संबंधी मदें जिन्हें लाभ और हानि में पुनःवर्गीकृत किया जाएगा		-	-
		-	-
XI. अवधि के लिए कुल वृहत आय (IX +X) (जिसमें अवधि हेतु लाभ और अन्य वृहत आय शामिल हैं, कर का निवल)		64.74	77.44
XII. प्रति शेयर प्रति आमदनी (निरंतर प्रचालनों हेतु)			
(1) मूल	21	0.04	0.06
(2) विलयित		0.04	0.06
प्रति इक्विटी शेयर फेस मूल्य		10.00	10.00
XIII. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार	1 - 2		
XIV. वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में नोट	3 - 36		

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के निमित्त और उनकी ओर से

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएल- 008030एन

ह/-
योगेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
डीआईएन: 07654014

ह/-
सुराजीत दत्ता
निदेशक
डीआईएन: 06687032

ह/-
सीए सुनिल सिंघल
साझेदार
सं.सं: 086904

ह/-
नगनगौडा हनुमंथगौडा पाटिल
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

ह/-
कृतिका गुप्ता
मुख्य वित्त अधिकारी

ह/-
पूजा रस्तोगी
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 15.06.2021
यूडीआईएन: 21086904AAAA1H6452

इरकॉन देवागिरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को रोकड़ प्रवाह विवरण को इक्विटी परिवर्तन विवरण

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
प्रचालन गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह		
कराधान पश्चात निवल लाभ	86.87	112.49
समायोजन		
ब्याज आय	(97.22)	(454.82)
मूल्यहास, परिशोधन और हानि	0.13	0.12
ब्याज व्यय और अन्य वित्तीय लागत	2,765.74	2,099.56
चालू/गैर चालू परिसंपत्तियों और देयताओं से पूर्व प्रचालनिक लाभ	2,755.52	1,757.35
समायोजन		
व्यापार प्राप्त में कमी / (वृद्धि)	(3,390.89)	9,307.58
अन्य गैर चालू वित्तीय परिसंपत्तियों में कमी / (वृद्धि)	(13,093.96)	(12,048.40)
अन्य चालू वित्तीय परिसंपत्तियों में कमी / (वृद्धि)	8,977.39	(16,813.85)
अन्य चालू परिसंपत्तियों में कमी / (वृद्धि)	1,393.44	2,716.24
चालू परिसंपत्तियों में कमी / (वृद्धि)	-	-
व्यापार देयताओं में कमी / (वृद्धि)	3,121.74	2,528.84
अन्य चालू वित्तीय देयताओं और प्रावधानों में कमी / (वृद्धि)	1,389.94	61.71
अन्य चालू देयताओं में कमी / (वृद्धि)	(3,255.10)	(5,644.60)
कुल कार्यशील पूंजी परिवर्तन	(4,857.44)	(19,892.48)
प्रचालन से अर्जित रोकड़	(2,101.92)	(18,135.13)
प्रदात आयकर (धनवापसी का निवल)	144.98	(363.20)
प्रचालनिक गतिविधियों से निवल रोकड़	(1,956.94)	(18,498.33)
निवेश गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह		
सीडब्ल्यूआईपी सहित परिसंपत्तियों, संयंत्र और उपकरण की खरीद	-	-
अमूर्त परिसंपत्तियां	-	-
परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण की खरीद प्रक्रिया	-	(0.42)
प्राप्त ब्याज	97.69	454.19
प्राप्त लाभांश	-	-
3 महीनों से अधिक और 12 महीनों तक की मूल परिपक्वता वाली जमा राशियां	(2,646.00)	-
निवेश गतिविधियों से निवल रोकड़	(2,548)	453.77
वित्तीय गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह		
इरकॉन से ऋण (राक्षित)	(26,922.00)	13,922.00
इरकॉन से ऋण (अराक्षित)	2,646.00	-
पीएनबी से ऋण (राक्षित)	33,093.15	-
वर्ष के दौरान जारी इक्विटी शेयर	-	6,000.00
शेयरों के बायबैक के लिए डीआईपीएएम को भुगतान	-	-
ब्याज व्यय और अन्य वित्तीय लागत	(2,990.00)	(1,792.51)
वित्तीय गतिविधियों से निवल रोकड़	5,827.15	18,129.49
विदेशी मुद्रा रोकड़ और रोकड़ समतुल्य में रूपांतरण पर विनिमय अंतर का प्रभाव	-	-
रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य से निवल कम	1,321.90	84.93
रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य (आरंभिक)	219.17	134.24
रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य (अंतिम)	1,541.07	219.17
रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य में निवल वृद्धि(कमी)	1,321.90	84.93

रोकड़ प्रवाह के घटक

रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य (आरंभिक)*	219.17	134.24
रोकड़ शेष	-	-
बैंको में शेष		
- चालू खातों पर	1.67	0.74
- 3 महीने तक की की मूल परिपक्वता वाले फ्लैक्सिबिलिटी खाते	217.50	133.50
रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य (अंतिम)*	1,541.07	219.17
रोकड़ शेष	-	-
बैंको में शेष		
- चालू खातों पर	1,398.07	1.67
- 3 महीने तक की की मूल परिपक्वता वाले फ्लैक्सिबिलिटी खाते	143.00	217.50
रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य में निवल वृद्धि(कमी)	1,321.90	84.93

*निर्धारित निधियां

31 मार्च 2021 को वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न देयताओं का समायोजन

(रूपए लाख में)

विवरण	ऋण
1 अप्रैल 2020 को शेष	26,922.00
रोकड़ प्रवाह:	
- पुनर्भुगतन	(26,922.00)
- प्राप्त राशि	35,739.15
गैर - रोकड़	
उचित मूल्य	-
31 मार्च 2021 को शेष	35,739.15

31 मार्च 2020 को वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न देयताओं का समायोजन

(रूपए लाख में)

विवरण	ऋण
1 अप्रैल 2019 को शेष	13,000.00
रोकड़ प्रवाह:	
- पुनर्भुगतन	-
- प्राप्त राशि	13,922.00
गैर - रोकड़	
उचित मूल्य	-
31 मार्च 2020 को शेष	26,922.00

नोट: 1. नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करके प्रकट किया जाता है, जिससे गैर-नकद प्रकृति के लेनदेन और पिछले या भविष्य के नकद प्राप्तियों या भुगतान के किसी भी आस्थकगन या प्रोद्भवन्के प्रभाव के लिए कर पूर्व लाभ/(हानि) को समायोजित किया जाता है। उपलब्ध जानकारी के आधार पर कंपनी के प्रचालन, निवेश और वित्तपोषण गतिविधियों से नकदी प्रवाह को पृथक किया जाता है।

2. दिनांक 01 अप्रैल 2017 से, कंपनी ने इंड एस 7 में संशोधन को स्वीकार किया है, जिसमें संस्थाओं को ऐसे प्रकटन करने की आवश्यकता होती है जो वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली देनदारियों में परिवर्तन का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाते हैं, जिसमें रोकड़ प्रवाह और गैर रोकड़ परिवर्तन शामिल हैं। प्रकटन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए वित्तपोषण गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली देनदारियों के लिए तुलन पत्र में आरंभिक और समापन शेष के बीच एक सामंजस्य को शामिल करने से इस संशोधन को अपनाने से वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

3. रोकड़ के आउटफ्लो को प्रकोष्ठ में दर्शाया गया है।

4. पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःसमूहित:पुनःनिधारित किया गया है, जहां आवश्यक हुआ।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के निमित्त और उनकी ओर से

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएल- 008030एन

ह/-
योगेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
डीआईएन: 07654014

ह/-
सुराजीत दत्ता
निदेशक
डीआईएन: 06687032

ह/-
सीए सुनिल सिंघल
साझेदार
सं.सं: 086904

ह/-
नगनगैडा हनुमंथगैडा पाटिल
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

ह/-
कृतिका गुप्ता
मुख्य वित्त अधिकारी

ह/-
पूजा रस्तोगी
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 15.06.2021
यूडीआईएन: 21086904AAAA1H6452

इरकाँन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को इन्विटी परिवर्तन विवरण

क. इन्विटी शेयर पूंजी

(रूपए लाख में)

विवरण	"रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ में शेष"	वर्ष के दौरान जारी	वर्ष के दौरान बायबैक	रिपोर्टिंग अवधि के अंत में शेष
31 मार्च 2020 को शेष	10,405.00	6,000.00	-	16,405.00
31 मार्च 2021 को शेष	16,405.00	-	-	16,405.00

ख. अन्य इन्विटी

(रूपए लाख में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अतिरेक			कुल
	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित आमदनी	पूँजी रिडेम्पशन आरक्षितनिधि	
01 अप्रैल 2019 को शेष	-	277.38	-	277.38
लेखांकन नीति एवं पूर्व अवधि त्रुटियों में परिवर्तन	-	-	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ में शेष की पुनःबहाली	-	277.38	-	277.38
वर्ष हेतु लाभ	-	77.44	-	77.44
अन्य वृहत आय	-	-	-	-
निर्धारित लाभ योजना का पुनर्मापन	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा परिवर्तन अंतर	-	-	-	-
अवधि हेतु कुल वृहत आय	-	77.44	-	77.44
इन्विटी शेयरों का बायबैक	-	-	-	-
घटा: प्राधिकृत पूंजी में वृद्धिहेतु शुल्क का भुगतान	-	-	-	-
घटा: शेयरों के बायबैक हेतु भुगतान	-	-	-	-
घटा: प्रदत्त लाभांश	-	-	-	-
घटा: लाभांश संवितरण कर	-	-	-	-
घटा: बोनस इश्यु	-	-	-	-
31 मार्च 2020 को शेष	-	354.82	-	354.82
लेखांकन नीति एवं पूर्व अवधि त्रुटियों में परिवर्तन	-	-	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ में शेष की पुनःबहाली	-	354.82	-	354.82
वर्ष हेतु लाभ	-	64.74	-	64.74
अन्य वृहत आय	-	-	-	-
निर्धारित लाभ योजना का पुनर्मापन	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा परिवर्तन अंतर	-	-	-	-
अवधि हेतु कुल वृहत आय	-	64.74	-	64.74
इन्विटी शेयरों का बायबैक	-	-	-	-
घटा: प्राधिकृत पूंजी में वृद्धिहेतु शुल्क का भुगतान	-	-	-	-
घटा: शेयरों के बायबैक हेतु भुगतान	-	-	-	-
घटा: प्रदत्त लाभांश	-	-	-	-
घटा: लाभांश संवितरण कर	-	-	-	-
घटा: बोनस इश्यु	-	-	-	-
अवधि हेतु कुल वृहत आय	-	419.56	-	419.56

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के निमित्त और उनकी ओर से

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएल- 008030एन

ह/-
योगेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
डीआईएन: 07654014

ह/-
सुराजीत दत्ता
निदेशक
डीआईएन: 06687032

ह/-
सीए सुनिल सिंघल
साझेदार
सं.सं: 086904

ह/-
नगनगौडा हनुमंथगौडा पाटिल
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

ह/-
कृतिका गुप्ता
मुख्य वित्त अधिकारी

ह/-
पूजा रस्तोगी
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 15.06.2021
यूडीआईएन: 21086904AAAA1H6452

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के नोट

1. निगमित सूचना

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉन डीएचएचएल) सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और यह कंपनी भारत में स्थित है। इरकॉन डीएचएचएल का निगमन भारत में लागू कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत किया गया है। कंपनी उस समय अस्तित्व में आई जब दिनांक 19 जून 2017 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ हस्ताक्षरित रियायत करार की शर्तों के अनुसार एनएचपीडी चरण-V के अंतर्गत डीबीएफओटी पर हाइब्राइड वार्षिकी परियोजना के रूप में निष्पादित किए जाने हेतु कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के किमी 260+000 से किमी 338+923 तक देवांगेरे - हवेरी को छह लेन के निर्माण का काम सौंपा गया था। अनुरोध प्रस्ताव" के प्रावधानों के अनुसार, चयनित बोलीदाता 'इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड' ने दिनांक 11 मई, 2017 को इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के नाम से एक विशेष कार्य योजना (एसपीवी) का गठन किया है। तदनुसार, इरकॉन डीएचएचएल ने दिनांक 19 जून 2017 को एनएचएआई के साथ रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उक्त करार की शर्तों के अनुसार आईडीएचएचएल का दायित्व है कि वह देवांगेरे हवेरी खंड के छह लेन की परियोजना का निर्माण कार्य पूरा करे और उन सभी परिसंपत्तियों, जिनका जीवनकाल समाप्त हो गया है, सहित परियोजना की सभी परिसंपत्तियों को उचित कार्यशील अवस्था में बनाए रखे। कुल परियोजना लागत (अर्थात बोली परियोजना लागत) 1177 करोड़ रुपये है। मूल्य सूचकांक गुणक के लिए समायोजित बोली परियोजना लागत का 40%, निर्माण अवधि के दौरान प्रत्येक 8% की 5 समान किशतों में छूटग्राही (आईडीएचएचएल) को देय, भुगतानयोग्य होगा। मूल्य सूचकांक गुणक के लिए समायोजित शेष बोली परियोजना लागत, अनुबंध के खंड 23.6 के प्रावधानों के अनुसार सीओडी के 180वें दिन से शुरू होने वाली 30 वार्षिक किशतों में देय और भुगतानयोग्य होगी, जो संचालन अवधि के दौरान वार्षिकी भुगतान है। यह परियोजना वार्षिकी आधार पर है और वाणिज्यिक प्रचालन तिथि से 15 वर्षों की अवधि तक आईडीएचएचएल के प्रचालनाधीन रहेगी। इसके लिए भुगतान वार्षिकी आधार पर किया जाएगा जो इस करार के अनुसार निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति पर देय होगा। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय सी-4, डिस्ट्रिक्ट केंद्र, साकेत, नई दिल्ली-110017 में स्थित है।

कंपनी की प्रस्तुतीकरण और क्रियात्मक मुद्रा भारतीय रूपए (आईएनआर) है। वित्तीय विवरण में आंकड़ों को दो दशमलव तक राउंड ऑफ करते हुए लाख रूपए में प्रस्तुत किया गया है केवल प्रति शेयर डॉटा औरअन्यथा उल्लेख किया गया हो, को छोड़कर।

स्टेंडएलोन वित्तीय विवरणों को दिनांक 15.06.2021 को आयोजित उनकी 30वीं बैठक में कंपनी क निदेशक मंडल द्वारा जारी किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

2. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

2.1 तैयार करने का आधार

कम्पनी के वित्तीय विवरणों का निर्माण कम्पनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 (समय समय पर यथासंशोधित) के नियम 3 के साथ पठनीय कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (इंड एस) तथा कम्पनी अधिनियम, 2013 (इंड एस अनुपालन अनुसूची-।।।) की अनुसूची-।।। के भाग-।।, वित्तीय विवरणों के संबंध में लागू सहित भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों का अनुसरण करके किया गया है।

वित्तीय विवरणों का निर्माण गोइंग कंसर्न आधार पर प्रोद्भवन लेखांकन प्रणाली का अनुसरण करके किया गया है। कम्पनी ने परिसम्पतियों एवं देयताओं के लागत आधार के लिए ऐतिहासिक लागत को स्वीकार किया है जो उचित मूल्य पर मापन की गई निम्नलिखित परिसम्पतियों एवं देयताओं के अतिरिक्त है :-

- प्रावधान, जहां धन का समय मूल्य सामग्रीगत है वहां मापन वर्तमान मूल्य पर किया गया है।
- कतिपय वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं का मापन उचित मूल्य पर किया गया है।
- परिभाषित लाभ योजना तथा अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ।

2.2 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयुक्त महत्वपूर्ण वित्तीय लेखांकन नीतियों का सार नीचे प्रस्तुत है। इन महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को इस वित्तीय विवरण में प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए निरंतर रूप से लागू किया गया है।

2.2.1 चालू बनाम गैर-चालू वर्गीकरण

कम्पनी द्वारा तुलन पत्र में परिसम्पतियों एवं देयताओं की प्रस्तुति चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर गई है।

- किसी परिसम्पति को चालू तब माना जाता है जब :
- सामान्य प्रचालन क्रम में बेची जानी हो अथवा बेचने के लिए निर्धारित हो अथवा उपयोग किया जाना हो,
- जो मुख्यतः व्यापार के उद्देश्य से धारित की गई है,
- जो रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात बारह माह के भीतर बेची जानी संभावित हो, या
- यदि विनिमय अथवा रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात कम से कम बारह माह में किसी देयता के निपटान के लिए उपयोग के लिए नहीं है तो रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य

कम्पनी ने अन्य सभी परिसम्पतियों का वर्गीकरण गैर-चालू परिसम्पति के रूप में किया है।

कोई देयता चालू तब होती है जब :

- उसका समाधान सामान्य प्रचालन क्रम में किया जाना हो,
- जो मुख्यतः व्यापार के उद्देश्य से धारित की गई है,
- जो रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात 12 माह के भीतर समाधान की जानी संभावित हो
- जिसके प्रति रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के पश्चात कम से कम बारह माह के लिए किसी देयता के समाधान को आस्थगित करने का अप्रतिबंधित अधिकार प्राप्त न हो।

कम्पनी ने अन्य सभी देयताओं का वर्गीकरण गैर-चालू देयता के रूप में किया है।

आस्थगित कर परिसम्पतियों एवं देयताओं का वर्गीकरण गैर-चालू परिसम्पति एवं देयताओं के रूप में किया गया है।

प्रचालन क्रम प्रस्संकरण के लिए अधिगृहित गई परिसम्पतियों एवं रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य से होने वाली प्राप्ति के मध्य का समय काल है। कम्पनी ने परिचालन क्रम के लिए 12 माह निश्चित किए हैं।

2.2.2 सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण

स्वीकृति एवं प्रारंभिक मापन

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण की स्वीकृति तब की जाती है जब ऐसी मद से संबद्ध भावी आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना हो तथा प्रत्येक मद का मापन विश्वसनीय रूप से किया जा सकता हो। सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण का प्रारंभिक मापन लागत पर किया जाता है।

परिसम्पति की लागत में शामिल है :

- क) क्रय मूल्य, किसी व्यापार छूट एवं रियायत का निवल।
- ख) ऋण लागतें यदि पूंजीयन मापदंड पूरे किए गए हैं।
- ग) परिसम्पति के अधिग्रहण से प्रत्यक्ष सम्बद्ध लागत जिसका वहन परिसम्पति को प्राप्त करने एवं निर्धारित उद्देश्य से कार्यशील बनाने के लिए किया गया है।
- घ) निर्माण अवधि के दौरान अप्रत्यक्ष निर्माण के भाग के रूप में पूंजीयन किए गए आनुषंगिक व्यय जो निर्माण से संबंधित व्यय से प्रत्यक्ष संबंधित है अथवा उसके संबंध में आनुषंगिक हैं।
- ङ) यदि स्वीकृति मापदंड पूरे किए गए हैं तो मदों को अलग अलग करने तथा हटाए जाने तथा स्थल नवीकरण करने की अनुमानित लागत का वर्तमान मूल्य फ्रीहोल्ड भूमि का वहन ऐतिहासिक लागत पर किया गया है।

अनुवर्ती मापन

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण का अनुवर्ती मापन संचित मूल्यह्रास एवं संचित अक्षमता हानियों, यदि कोई हों, के साथ लागत पर किया जाता है। अनुवर्ती व्यय का पूंजीयन तब किया जाता है जब ऐसे व्यय से संबद्ध भावी आर्थिक लाभ कम्पनी को प्राप्त होने की संभावना हो तथा व्यय की लागत का मापन विश्वसनीयता के साथ किया जा सकता हो।

दीर्घकालिक निर्माण परियोजना के लिए प्रतिस्थापन, प्रमुख जांच, महत्वपूर्ण पूर्जों की मरम्मत तथा ऋण लागतों का पूंजीयन स्वीकृति मापदंड पूरे होने पर किया जाता है।

मशीनरी के अतिरिक्त पूर्जों का पूंजीयन स्वीकृति मापदंड पूरे होने पर किया जाता है।

मूल्यहास एवं उपयोज्यता काल

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण का मूल्यहास, बिना मिआद वाले पट्टे पर प्राप्त फ्रीहोल्ड भूमि एवं पट्टाधारित भूमि को छोड़कर, कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची में निर्दिष्ट परिसम्पतियों के अनुमानित उपयोज्यता काल के अनुसार सीधी रेखा आधार पर किया गया है।

विवरण

उपयोगी जीवनकाल

(वर्ष)

भवन/फ्लैट आवासीय/ गैर-आवासीय	60
संयंत्र एवं मशीनरी	8-15
सर्वेक्षण उपकरण	10
कम्प्यूटर्स	3-6
कार्यालय उपकरण	5 -10
फर्नीचर एवं जुड़नार	10
कारवां, कैम्प एवं अस्थाई शैड	3-5
वाहन	8-10

अवधि के दौरान आनुपातिक आधार पर परिसम्पति के उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तिथि से निपटान किए जाने की तिथि तक सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण में किए गए आवर्धन/घटाव का मूल्यहास आनुपातिक आधार पर किया गया है।

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण के प्रत्येक भाग का मूल्यहास, यदि भाग मद की लागत के योग के संबंध में महत्वपूर्ण है तथा ऐसे भाग का उपयोज्यता काल शेष परिसम्पतियों के उपयोज्यता काल से भिन्न है, अलग से लागत पर किया गया है। मिआद मुक्त पट्टे पर प्राप्त की गई पट्टाधारित भूमि का परिशोधन नहीं किया गया है।

अवधि के दौरान अधिगृहित की गई सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण, जिनकी अलग अलग लागत 5000/- रूपए है, का पूर्ण मूल्यहास निर्धारण के तौर पर 1 रूपए के टोकन

मूल्य के साथ कर लिया गया है। तथापि, कर्मचारियों को उपलब्ध करवाए गए मोबाइल फोन, उनके मूल्य को संज्ञान में लिए बिना, लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किए गए हैं।

मूल्यहास विधियां, उपयोज्यता काल एवं अवशेष मूल्य की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है तथा उचित समझे जाने की स्थिति में उत्तरव्यापी प्रभाव से समायोजन किए जाते हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-11 में किए गए उल्लेख के अनुसार “सामान्यतः किसी परिसम्पत्ति का अवशेष मूल्य परिसम्पत्ति की लागत से 5 प्रतिशत तक होता है।”

स्वीकृति समाप्ति

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की किसी मद तथा उसके विशिष्ट भाग की प्रारंभिक स्वीकृति की समाप्ति उसका निपटान किए जाने तथा उसके निपटान से भविष्य में किसी प्रकार के आर्थिक लाभ प्राप्त न होने की संभावना होने पर किए जाते हैं। किसी परिसम्पत्ति की स्वीकृति समाप्ति से प्राप्त होने लाभ अथवा हानि (निपटान से प्राप्त धन तथा परिसम्पत्ति की वहन राशि के अंतर के अनुसार आकलन) को परिसम्पत्ति की स्वीकृति समाप्त होने पर लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया जाता है।

2.2.3 पूंजीगत कार्य प्रगति पर

पूंजीगत कार्य प्रगति पर से पूंजीगत परियोजनाओं के संबंध में किए गए व्यय एवं लागत शून्य संचित अक्षमता हानि, यदि कोई हो, पर अग्रेषित किए गए व्यय प्रतिबिंबित होते हैं।

2.2.4 निवेश परिसम्पतियां

स्वीकृति एवं प्रारंभिक मापन

निवेश सम्पत्ति की स्वीकृति सम्पत्ति से संबद्ध भावी आर्थिक लाभों की प्राप्ति कम्पनी को होने तथा सम्पत्ति का मापन विश्वसनीय रूप से कर लिए जाने की संभावना होने पर की जाती है। निवेश परिसम्पत्ति में पूर्ण सम्पत्ति, निर्माणाधीन सम्पत्ति तथा पट्टे पर धारित वह सम्पत्ति शामिल है, जिसका धारण साधारण व्यावसायिक प्रक्रिया में बिक्री किए जाने अथवा उत्पादन अथवा प्रशासनिक क्रियाकलापों के लिए उपयोग में लाए जाने के स्थान पर किराया अथवा पूंजी लाभ अथवा दोनों अर्जित करने के लिए किया गया है। निवेश सम्पत्तियों का प्रारंभिक मापन संव्यवहार लागतों सहित लागत पर किया जाता है।

लागत वह राशि है जो नकद अथवा नकद समतुल्य के रूप में अथवा अन्य क्रियाओं के उचित मूल्य पर किसी सम्पत्ति का अधिग्रहण करने अथवा निर्माण अथवा, जो भी लागू हो, के समय चुकता की जाती है, ऐसी सम्पत्ति से सम्बद्ध राशि की प्रारंभिक स्वीकृति अन्य इंड एस की विशिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार की जाती है।

अनुवर्ती मापन एवं मूल्यहास

निवेश सम्पत्तियों की प्रस्तुति संचित मूल्यहास एवं संचित अक्षमता हानि, यदि कोई हैं, को घटाकर लागत पर की गई है। अनुवर्ती लागत को स्वीकृत मापदंड पूरे होने पर ही जोड़ा गया है। कम्पनी निवेश सम्पत्ति के भवन घटक का मूल्यहास क्रय/ निर्माण की मूल तिथि से 60 वर्षों में सीधी रेखा आधार पर करती है। निर्माणाधीन फ्रीहोल्ड भूमि एवं सम्पत्ति का परिशोधन नहीं किया गया है।

बिना मिआद वाले पट्टे पर प्राप्त पट्टाधारित भूमि का परिशोधन नहीं किया गया है।

निवेश सम्पत्ति के अवशेष मूल्यों, उपयोज्यता काल एवं मूल्यहास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है तथा उत्तरव्यापी प्रभाव से समायोजन, यदि उचित हों, किए जाते हैं।

कम्पनी अपनी निवेश सम्पत्ति का मापन लागत आधारित मापन के आधार पर करती है, तो भी निवेश सम्पत्ति के उचित मूल्य का प्रकटीकरण टिप्पणियों में किया गया है। उचित मूल्य का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के आधार पर अधिकृत बाह्य स्वतंत्र मूल्यांककों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकार्य मूल्यांकन मॉडल के अनुसार किया जाता है।

स्वीकृति समाप्ति

निवेश सम्पत्तियों की स्वीकृति या तो तब समाप्त की जाती है, जब उनका निपटान किया जाता है अथवा तब की जाती है जब वे स्थाई रूप से उपयोग में नहीं लाई जाती है तथा उनके निपटान से किसी प्रकार के आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं होती है। निवल निपटान प्राप्ति, यदि कोई हों, तथा परिसम्पत्ति की वहन राशि के मध्य के अंतर को स्वीकृति समाप्त किए जाने की अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया जाता है।

2.2.5 अमूर्त परिसम्पतियां

स्वीकृति एवं प्रारंभिक मापन

अमूर्त परिसंपत्तियों की स्वीकृति तब की जाती है जब ऐसी परिसम्पति से संबद्ध भावी आर्थिक लाभ कम्पनी को प्राप्त होने की संभावना हो तथा परिसम्पति का मापन विश्वसनीयता से किया जा सकता हो। अलग से अधिगृहित की गई अमूर्त परिसम्पतियों का लागत पर प्रारंभिक मापन किया जाता है। लागत में क्रय मूल्य, ऋण लागत, यदि पूंजीयन के मापदंड पूर्ण किए गए हैं, तथा परिसम्पति को आशित उद्देश्य से कार्यशील बनाने के लिए किए गए व्यय शामिल होते हैं। आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त परिसम्पतियों, पूंजीयन की गई विकास लागतों के अलावा, तथा सम्बद्ध व्यय की प्रस्तुति उस अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में की गई है जिस अवधि में व्यय किया गया है। तुलन पत्र तिथि को आशित उपयोग के तैयार न हुई अमूर्त परिसम्पतियों का प्रकटीकरण “विकासाधीन अमूर्त परिसम्पतियां” के रूप में किया गया है।

अनुवर्ती मापन एवं परिशोधन

अमूर्त परिसम्पतियों की प्रारंभिक स्वीकृति के लिए संचित परिशोधन एवं संचित अक्षमता हानियों, यदि कोई हों, को कम करके उनकी लागत का वहन किया जाता है। प्रत्येक मामले में 1 लाख रूपए मूल्य तक साफ्टवेयर का परिशोधन क्रय के वर्ष में निर्धारण के लिए 1 रूपए के टोकन मूल्य के साथ किया जाता है।

पूंजीगत साफ्टवेयर का परिशोधन अधिग्रहण किए जाने की तिथि से 36 माह में किया जाता है।

अवधि के दौरान अमूर्त परिसम्पतियों में होने वाले आवर्धन/घटाव का परिशोधन करके उसे आनुपातिक आधार पर परिसम्पति उपलब्ध की तिथि से/निपटान की तिथि तक प्रभारित किया जाता है।

परिशोधन विधियों, उपयोज्यता काल एवं अवशेष मूल्यों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में की जाती है तथा उचित समझे जाने पर उत्तरव्यापी प्रभाव से समायोजन किए जाते हैं।

स्वीकृति समाप्ति

अमूर्त परिसम्पतियों की स्वीकृति या तो तब समाप्त की जाती है जब उनका निपटान किया जाता है अथवा तब की जाती है जब वे स्थाई रूप से उपयोग में नहीं लाई जाती है तथा उनके निपटान से किसी प्रकार के आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं होती है। अमूर्त परिसम्पतियों की स्वीकृति समाप्त किए जाने पर प्राप्त होने वाले लाभ अथवा हानि का मापन निवल निपटान प्राप्यों, यदि कोई हों, तथा परिसम्पति की वहन राशि के मध्य के अंतर को स्वीकृति समाप्त किए जाने की अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया जाता है।

2.2.6 गैर-वित्तीय परिसम्पतियों का परिशोधन

प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को कम्पनी द्वारा मूल्यांकन करके किसी परिसम्पति को परिशोधित करने अथवा किसी परिसम्पति का वार्षिक परिशोधन परीक्षण किए जाने की अपेक्षा होने के संकेत ज्ञात करके ऐसी परिसम्पतियों से वसूली योग्य राशि के अनुमान लगाए जाते हैं। किसी परिसम्पति की वसूली योग्य राशि किसी परिसम्पति अथवा रोकड़ उत्पत्ति यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य, निपटान की लागत को घटाकर, तथा उसके उपयोग मूल्य से अधिक होती है। यदि कोई परिसम्पति ऐसी रोकड़ उत्पत्ति यूनिट नहीं है जो परिसम्पतियों अथवा परिसम्पतियों के समूह से पूरी तरह भिन्न हो तो किसी वैयक्तिक परिसम्पति की वसूलीयोग्य राशि के निर्धारण किए जाते हैं। जब किसी परिसम्पति अथवा रोकड़ उत्पत्ति यूनिट की वहन राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है तो परिसम्पति को परिशोधित मान लिया जाता है तथा उसकी मालसूचियों के परिशोधन सहित उसकी वसूलीयोग्य राशि एवं परिशोधन हानि को ह्रासित करके लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृति की जाती है।

उपयोग मूल्य के मूल्यांकन कर पूर्व छूट दर, जिससे धन के समय मूल्य के चालू बाजार मूल्यांकन एवं परिसम्पति से संबद्ध जोखिम प्रस्तुत होते हैं, के उपयोग से उसके वर्तमान को अनुमानित रोकड़ प्रवाह से कम करके किए जाते हैं।

साख के अतिरिक्त परिसम्पतियों का मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को यह निर्धारण करने के लिए किया जाता है कि क्या संज्ञान में ली गई अक्षमता हानि के संकेत अभी भी हैं अथवा वे कम हो गए हैं। यदि ऐसे संकेत होते हैं तो कम्पनी परिसम्पति अथवा रोकड़ उत्पत्ति यूनिट की वसूली योग्य राशि के अनुमान लगाती है। संज्ञान में ली गई अक्षमता हानि का व्युत्क्रमण तभी किया जाता है जब पहले आंकी गई अक्षमता हानि के

पश्चात से परिसम्पत्ति की वसूलीयोग्य राशि के लिए लगाए गए अनुमानों में किसी प्रकार के परिवर्तन प्रतीत हों। व्युत्क्रमण सीमित होते हैं जिससे कि परिसम्पत्ति की वहन राशि उसकी वसूली योग्य राशि से न तो अधिक हो और न ही यह पूर्वावधि की परिसम्पत्ति से संबंधित अक्षमता हानि न होने की स्थिति में निर्धारित की जाने वाली वहन राशि, मूल्यहास का निवल, से अधिक न हो सके। ऐसे व्युत्क्रमण लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत किए जाते हैं।

2.2.7 मालसूचियां

- क) मालसूचियों (स्क्रेप सहित) का मूल्यन उनकी न्यून लागत एवं निवल प्राप्य मूल्य पर आंका जाता है। लागत में मालसूचियों को वर्तमान स्थल एवं स्थिति में लाने के लिए व्यय की गई क्रय लागत, परिवर्तन लागत एवं अन्य लागतें शामिल होती हैं। लागत का निर्धारण प्रथम आवक प्रथम जावक (एफआईएफओ) आधार पर किया जाता है। व्यापार की साधारण प्रक्रिया में निवल वसूलीयोग्य मूल्य पूर्णता लागतों तथा बिक्री के लिए आवश्यक अनुमानित के अनुमान को घटाकर आंका गया अनुमानित बिक्री मूल्य है।
- ख) निर्माण कार्य प्रगति पर का मूल्यन ऐसे समय तक के लिए लागत पर किया गया है जब तक कार्य से प्राप्त होने वाले प्रतिफल का विश्वसनीय रूप से पता नहीं चलता है।
- ग) नई परियोजनाओं पर संचलन के लिए किए गए प्रारंभिक संविदा व्यय को संबंधित वर्ष में निर्माण कार्य प्रगति पर के रूप में स्वीकृति दी गई है तथा उसे आनुपातिक आधार पर परियोजना के लाभ एवं हानि विवरण में रिपोर्टिंग अवधि के अंत संविदा के पूर्ण होने के चरण के समान प्रतिशत पर संबंधित अवधि में प्रभारित किया गया है। स्थल संचलन व्यय का बट्टा करने के स्थान पर लागत पर मूल्यन किया गया है।
- घ) नो कास्ट प्लस संविदा, जिनमें संविदा की शर्तों के अनुसार सभी सामग्रियों, अतिरिक्त पूजों एवं भंडार की लागत की धनवापसी नहीं होती होती है, का मूल्यन उपर्युक्त (क) के अनुसार मालसूची के रूप में किया गया है।
- ड.) अवधि के दौरान किए गए लूज पूजों का उपयोग कर लिया गया है।

2.2.8 राजस्व स्वीकृति

सेवा रियायत व्यवस्था

क) सेवा रियायत व्यवस्था के तहत वित्तीय संपत्तियां (इंड एस 115 - ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व का परिशिष्ट-ग)

कंपनी एक वित्तीय परिसंपत्ति को इस स्तर तक स्वीकार करती है, जिस स्तर तक उसके पास निर्माण सेवाओं और संचालन और रखरखाव सेवाओं के लिए अनुदानकर्ता ("एनएचएआई") से या उसके निर्देश पर नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने का बिना शर्त संविदात्मक अधिकार है।

ऐसी वित्तीय संपत्तियों को आरंभिक स्तर पर उचित मूल्य पर अर्थात् वर्तमान मूल्य पर और तत्पश्चात प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है। इस पद्धति के तहत, वित्तपोषण तत्व के लिए वित्तीय संपत्ति को बढ़ाया जाएगा और अनुदानकर्ता से धन प्राप्त होने पर कम किया जाएगा।

इंड एस 115- (ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व)

कंपनी इंड एस -115 "ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व" के अनुसार निर्माण और संचालन और रखरखाव सेवाओं से राजस्व को पहचानती और मापती है।

कंपनी एक ही ग्राहक के साथ एक ही समय में या उसके आस-पास दर्ज किए गए दो या अधिक अनुबंधों में प्रवेश करती है और यदि अनुबंधों को एक ही वाणिज्यिक उद्देश्य या अनुबंध में भुगतान की जाने वाली राशि के साथ पैकेज के रूप में बातचीत की जाती है तो अनुबंध की कीमत अन्य संविदा या वस्तुओं या सेवाओं के मूल्य या निष्पादन पर निर्भर संविदा में एकल निष्पादन दायित्व के रूप में होगा।

संव्यवहार मूल्य (इसमें महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक शामिल नहीं है) वह मूल्य है जो सेवाओं के प्रावधान के लिए ग्राहक के साथ अनुबंधित रूप से सहमत है। राजस्व को संव्यवहार मूल्य पर मापा जाता है, जिसे निष्पादन दायित्व के लिए आवंटित किया जाता है और इसमें तीसरे पक्ष अर्थात् जीएसटी की ओर से एकत्र की गई राशि शामिल नहीं होती है और इसे परिवर्तनीय विचारों के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी के अनुबंध की प्रकृति कई प्रकार के परिवर्तनशील प्रतिफलों को उत्पन्न करती है है जिसमें वृद्धि और परिसमापन क्षति शामिल है।

संव्यवहार मूल्य में किसी भी भावी परिवर्तन को अनुबंध में निष्पादन दायित्वों के लिए उसी आधार पर आवंटित किया जाता है जैसे अनुबंध की आरंभ में किया गया है।

कंपनी परिवर्तनीय प्रतिफल के लिए राजस्व को स्वीकार करती है, जब यह संभव है कि मान्यता प्राप्त संचयी राजस्व में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। कंपनी सबसे संभावित राशि पद्धति का उपयोग करके परिवर्तनीय विचार पर राजस्व की राशि का अनुमान लगाती है।

इसके परिणामस्वरूप, एक संतुष्ट निष्पादन दायित्व के लिए आवंटित राशि को राजस्व के रूप में, या राजस्व में कमी के रूप में मान्यता दी जाती है, जिसे अवधि में संव्यवहार मूल्य में परिवर्तित किया जाता है।

कंपनी निष्पादन दायित्व को पूरा करती है और राजस्व ओवरटाइम को पहचानती है, यदि निम्न में से कोई भी मानदंड पूरा होता है:

- क) इकाई द्वारा निष्पादन किए जाने पर कंपनी ग्राहक के साथ निष्पादन द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त करता है और उनका प्रयोग करता है।
- ख) इकाई का निष्पादन का संपत्ति निर्माण या संवर्धन करती है (उदाहरण के लिए, कार्य प्रगति पर है), जिसे ग्राहक निर्मित या नियंत्रित करता है।
- ग) इकाई का निष्पादन, इकाई के वैकल्पिक उपयोग के साथ एक परिसंपत्ति का निर्माण नहीं करता है और इकाई के पास आज तक पूर्ण किए गए निष्पादन के लिए भुगतान का एक लागू करने योग्य अधिकार होता है।

समय के साथ संतुष्ट निष्पादन दायित्व के लिए, निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में, प्रतिशत पूर्णता पद्धति का उपयोग करके, प्रगति को मापकर राजस्व की पहचान की जाती है। प्रगति को निष्पादन दायित्व के कारण, कुल अनुमानित लागत के लिए, अब तक की गई वास्तविक लागत के अनुपात के रूप में मापा जाता है।

निष्पादन दायित्व को इनपुट पद्धति लागू करके मापा जाता है। अनुबंधों में जहां निष्पादन दायित्व को इनपुट पद्धति से नहीं मापा जा सकता है, वहां आउटपुट पद्धति लागू होती है, जो निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में कंपनी के निष्पादन को ईमानदारी से दर्शाती है।

अनुबंध संशोधनों का लेखांकन उस समय किया जाता है, जब अनुबंध के दायरे या अनुबंध मूल्य में परिवर्धन, विलोपन या परिवर्तन स्वीकृत होते हैं।

अनुबंधों के संशोधनों के लिए लेखांकन में यह आकलन करना शामिल है कि क्या मौजूदा अनुबंध में जोड़ी गई सेवाएं अलग हैं और क्या मूल्य निर्धारण स्टैंडअलोन बिक्री मूल्य पर है। जोड़ी गई सेवाओं, जो अलग नहीं हैं को संचयी आधार पर लेखांकित किया जाता है, जबकि जो अलग हैं उन्हें संभावित रूप से, एक पृथक अनुबंध के रूप में लेखांकित किया जाता है, यदि अतिरिक्त सेवाओं की कीमत स्टैंडअलोन बिक्री मूल्य पर, या मौजूदा अनुबंध की समाप्ति और एक नए अनुबंध के निर्माण के रूप में है, बिक्री मूल्य पर कीमत पर नहीं है।

संविदागत शेष

अनुबंध की संपत्ति: अनुबंध संपत्ति एक अधिकार है जो ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के विनिमय पर विचार करने का अधिकार देता है। यदि कंपनी ग्राहक को भुगतान करने से पहले या भुगतान देय होने से पहले, किसी ग्राहक को माल या सेवाओं को स्थानांतरित करके निष्पादन करती है, तो अनुबंध परिसंपत्ति को अर्जित प्रतिफल के लिए मान्यता दी जाती है।

व्यापार प्राप्य: व्यापार प्राप्य, उस राशि पर विचार करने का कंपनी का अधिकार है जो बिना शर्त है (अर्थात, निर्धारित भुगतान से पूर्व बहुत कम समय की आवश्यकता हाती है)। खंड (XX) में वित्तीय परिसंपत्तियों की लेखा नीतियों : वित्तीय लिखत - प्रारंभिक मान्यता और तत्पश्चात मापन, का संदर्भ लें ।

अनुबंध दायित्व: अनुबंध दायित्व, ग्राहक को वस्तु या सेवाओं को हस्तांतरित करने का दायित्व है, जिसके लिए कंपनी ने ग्राहक से प्रतिफल प्राप्त किया है (या प्रतिफल की राशि देय है)। यदि कोई ग्राहक कंपनी द्वारा ग्राहक को वस्तु या सेवाओं को हस्तांतरित करने से पहले प्रतिफल का भुगतान करता है, तो भुगतान किए जाने पर, या भुगतान देय होने पर (जो भी पहले हो) एक अनुबंध दायित्व को मान्यता दी जाती है। जब कंपनी अनुबंध के तहत निष्पादन करती है तो अनुबंध देनदारियों को राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य आय

- लाभांश आय को उस समय स्वीकार किया जाता है जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाए।
- ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर विधि का प्रयोग करके स्वीकार किया जाता है।
- विविध आय को उस समय स्वीकार किया जाता है जब निष्पादन दायित्व संतुष्ट होते हैं और अनुबंध की शर्तों के अनुसार आय प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है।

2.2.9 ऋण लागत

ऋण लागत में ब्याज एवं कम्पनी द्वारा निधियों की प्राप्ति के संबंध में व्यय की गई अन्य लागतें शामिल हैं। ऋण लागतों की सम्बद्धता प्रत्यक्ष रूप से किसी अधिग्रहण, निर्माण अथवा उत्पादन से होती है जो परिसम्पत्ति की लागत के पूंजीयन के लिए आशित उद्देश्य से उपयोग अथवा बिक्री के लिए किसी निश्चित अवधि में पूर्ण अथवा निर्मित की जानी अपेक्षित होती है। अन्य सभी ऋण लागतों की स्वीकृति उनके व्यय के अनुसार लाभ एवं हानि विवरण में की गई है। ऋण लागतों में ऐसी विनिमय भिन्नता भी शामिल हैं जिन्हें ऋण लागतों के समायोजन के लिए उपयोग किया गया है।

2.2.10 कर

(क) चालू आय कर

चालू आय कर एवं देयताओं का मापन सम्बद्ध कर विनियमों के अंतर्गत कराधान प्राधिकरणों से संभावित प्राप्य अथवा चुकता की जाने वाली राशियों के अनुसार किया गया है। चालू कर निर्धारण अवधि के लिए देय आय कर के संबंध में कर देयता के रूप में किया गया है तथा इसका आकलन संबंधित कर विनियमों के अनुसार किया गया है। चालू आय कर की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में की गई है जिसमें लाभ एवं हानि के स्वीकृत की गई मदों को शामिल नहीं किया गया है तथा इन मदों की स्वीकृति लाभ एवं हानि से बाह्य (अन्य व्यापक आय अथवा इक्विटी में) की गई है। चालू कर मदों की स्वीकृति सम्बद्ध संव्यवहार के संदर्भ में या तो अन्य व्यापक आय में की गई है या इन्हें प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में शामिल किया गया है। प्रबंधन द्वारा आवधिक रूप से कर विवरणियों में अपनी उन स्थितियों के संबंध में आवधिक मूल्यांकन

किए जाते हैं जिनके लिए लागू कर विनियम व्याख्या तथा यथा लागू स्थापित प्रावधानों के अध्याधीन हैं।

चालू कर परिसम्पतियों एवं कर दायित्वों का समंजन उन स्थितियों के लिए किया गया है जिनके संबंध में कम्पनी के पास समंजन का विधिक प्रवर्तनीय अधिकार है अथवा उनके संबंध में कम्पनी की मंशा निवल आधार पर उनका निपटान करने अथवा परिसम्पति की बिक्री करके एक साथ दायित्व का समाधान करने करने की है।

(ख) आस्थगित कर

आस्थगित कर देयताओं की स्वीकृति परिसम्पतियों एवं देयताओं के कर आधारों तथा रिपोर्टिंग तिथि को वित्तीय रिपोर्टिंग के उद्देश्य से उनकी वहन राशियों के मध्य अस्थाई भिन्नताओं के संबंध में देयता विधि के उपयोग से की गई है।

आस्थगित कर परिसम्पतियों का मापन उन कर दरों पर किया गया है जिनका उपयोग उस अवधि के लिए किया जाना संभावित है जब परिसम्पति का निपटान अथवा दायित्व का समाधान कर दरों के आधार (तथा कर विधियों) पर किया गया था जो प्रवर्तित हैं अथवा रिपोर्टिंग तिथि को प्रवर्तित किए गए हैं।

आस्थगित कर परिसम्पतियों की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में की गई है जिसमें लाभ एवं हानि के बाह्य स्वीकृत की गई मदों को शामिल नहीं किया गया है तथा इन मदों की स्वीकृति लाभ एवं हानि से बाह्य (अन्य व्यापक आय अथवा इक्विटी में) की गई है। आस्थगित कर मदों की स्वीकृति सम्बद्ध संव्यवहार के संदर्भ में या तो अन्य व्यापक आय में की गई है अथवा इन्हें प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में शामिल किया गया है।

आस्थगित आयकर परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को की जाती है और उस स्तर तक इसे कम किया जाता है जहां यह संभावना न रहे कि उपयोग की जाने वाली आस्थगित आयकर परिसंपत्ति या उसका भाग उपयुक्त कर लाभ के लिए उपलब्ध होगा। स्वीकृत न की गई आस्थगित कर परिसम्पतियों का पुनः मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को किया जाता है तथा इनकी स्वीकृति उस स्तर तक की जाती है जिस स्तर तक यह संभावना बनी रहे कि इससे प्राप्त भावी करयोग्य लाभ से आस्थगित कर परिसम्पतियों की वसूली की जा सकेगी।

आस्थगित कर परिसम्पतियों एवं देयताओं का समंजन तब किया जाता है जब चालू

कर परिसम्पतियों एवं देयताओं के समंजन के लिए प्रवर्तनीय विधिक अधिकार उपलब्ध हो तथा जब आस्थगित कर परिसम्पतियों के शेष समान कराधान प्राधिकरण से संबंधित हों।

आस्थगति कर परिसंपत्तियों और देयताओं को उस समय ऑफसेट किया जाता है जब चालू कर परिसंपत्तियों और देयताओं को ऑफसेट करने का विधिक प्रवर्तनीय अधिकारी होता है और जब आस्थगित कर शेष समान कर निर्धारण प्राधिकरण से संबंधित हो।

2.2.11 विदेशी मुद्राएं

- **कार्यात्मक एवं उपयोग की मुद्रा**

वित्तीय विवरणों में शामिल मदों का मापन उस प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा में किया गया है जिसमें इकाई अपने परिचालन ("कार्यात्मक मुद्रा") करती है। वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति भारतीय रूप में की गई है जो कम्पनी की कार्यात्मक एवं उपयोग की मुद्रा भी है।

- **संव्यवहार एवं शेष**

विदेशी मुद्रा संव्यवहार कार्यात्मक मुद्रा में रिकार्ड किए गए हैं जिसके लिए संव्यवहार की तिथि के अनुसार कार्यात्मक मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के मध्य की विनिमय दर का उपयोग किया गया है।

रिपोर्टिंग तिथि को बकाया विदेशी मुद्रा वाली मौद्रिक मदों को कार्यात्मक मुद्रा में क्लोजिंग दर (देयताओं के लिए क्लोजिंग बिक्री दर तथा परिसम्पतियों के लिए क्लोजिंग खरीद दर) पर परिवर्तित किया गया है। विदेशी मुद्रा के मूल्य वर्ग वाली गैर-मौद्रिक मदों का वहन उनकी ऐतिहासिक लागत पर संव्यवहार की तिथि की विनिमय दर पर किया गया है।

मौद्रिक मदों के समाधान से उत्पन्न विनिमय दर भिन्नताओं, अथवा रिपोर्टिंग तिथि को की गई पुनःप्रस्तुति, के अनुसार उन दर भिन्नताओं पर किया गया है जो प्रारंभ में रिकार्ड की गई थी तथा लाभ एवं हानि विवरण में इनकी स्वीकृति इनकी उत्पत्ति की अवधि में की गई थी। इन विनिमय भिन्नताओं की लाभ एवं हानि में प्रस्तुति निवल आधार पर की गई है।

2.2.12 कर्मचारी लाभ

क) अल्पकालिक कर्मचारी लाभ

वेतन, अल्पकालिक प्रतिपूर्ति छुट्टी एवं निष्पादन सम्बद्ध वेतन (पीआरपी) जैसे बारह माह की पूर्ण सेवा के पश्चात प्रदान किए जाने वाले लाभों का वर्गीकरण अल्पकालिक कर्मचारी लाभ के रूप में किया गया है तथा ऐसे लाभों की गैर-डिस्काउंटिड राशि को उस अवधि से संबंधित लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया गया है जिन अवधियों में कर्मचारी द्वारा सम्बद्ध सेवाएं प्रदान की गई हैं।

ख) सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ एवं अन्य दीर्घकालीन कर्मचारी लाभ

सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ एवं अन्य दीर्घकालीन कर्मचारी लाभ धारक कंपनी, इस्कॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं, क्योंकि कंपनी में कर्मचारी धारक कंपनी से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं।

2.2.13 रोकड प्रवाह विवरण

रोकड और रोकड समतुल्य में उपलब्ध रोकड, बैंकों में रोकड और तीन महीनों या इससे कम अवधि की मूल परिपक्वता वाली अल्पकाली सावधि जमा राशियां जो ज्ञात रोकड राशिके लिए तत्काली नकदीकृत की जा सकती है और जो मूल्य में परिवर्तन के गैर महत्वपूर्ण स्तर के अध्याधीन हो।

रोकड प्रवाह विवरण के प्रयोजन हेतु, रोकड और रोकड समतुल्य में अप्रतिबंधित रोकड और अल्पकालीन जमा राशियां शामिल हैं, जैसा कि उपर परिभाषित किया गया है, क्योंकि ये कंपनी के रोकड प्रबंधन का अभिन्न अंग समझा जाता है।

2.2.14 लाभांश

कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों को वार्षिक लाभांश वितरण को उस अवधि में देयता के रूप में स्वीकार किया जाता है, जिसमें लाभांश शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया जाता है। किसी भी अंतरिम लाभांश को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन पर देयता के रूप में स्वीकार किया जाता है। लाभांश वितरण पर देय लाभांश और संगत कर सीधे इक्विटी में स्वीकृत होता है।

2.2.15 प्रावधान, आकस्मिक परिसम्पतियां एवं आकस्मिक देयताएं

(क) प्रावधान

प्रावधान को स्वीकृति तब प्रदान की जाती है जब किसी पूर्व घटना के परिणामस्वरूप कम्पनी का कोई वर्तमान दायित्व (विधिक अथवा तक्रसाध्य) हो तथा ऐसी संभावना हो कि दायित्व के निपटान, जिसके संबंध में विश्वसनीय अनुमान लगाए जा सकते हैं, के लिए संसाधनों का बहिःप्रवाह अपेक्षित है। प्रावधान के रूप में स्वीकृत राशि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान दायित्व के निपटान के लिए अपेक्षित विचार, दायित्व से जुड़े जोखिम एवं अनिश्चितताओं पर विचार, के पश्चात आंके गए उत्तम अनुमान के अनुसार होती है।

जब धन के समय मूल्य का वस्तुगत होने की संभावना होती है तो प्रावधान राशि को दायित्व से सम्बद्ध जोखिम की प्रस्तुति करने वाली, जब उचित हो, पूर्व कर दर के उपयोग से कम कर दिया जाता है। समय के परिवर्तन को वित्त लागत के रूप में विचार में लिए जाने के कारण डिस्काउंटिंग के उपयोग के पश्चात प्रावधान अधिक कर दिए जाते हैं।

(ख) दुर्वह संविदाएं

दुर्वह संविदा वह संविदा है जिसमें संविदा के अंतर्गत दायित्वों को पूरा करने की वे अपरिहार्य लागतें (अर्थात् वे लागतें जिनकी संविदा के कारण कम्पनी अनदेखी नहीं कर सकती है) आती हैं, जो उससे प्राप्त होने वाले संभावित आर्थिक लाभों से अधिक होती हैं। किसी संविदा के अंतर्गत अपरिहार्य लागतें संविदा की विद्यमान न्यूनतम लागत की प्रस्तुति करते हैं जो इसके निष्पादन की लागत एवं इसे निष्पादित न किए जाने के मुआवजे अथवा उत्पन्न होने वाली परिसंपत्तियों से कम हैं। यदि कम्पनी की कोई दुर्वह संविदा है तो संविदा के अंतर्गत दायित्व की स्वीकृति एवं मापन के लिए प्रावधान किए जाते हैं। तथापि, दुर्वह संविदा के लिए अलग प्रावधान करने से पूर्व कम्पनी किसी अक्षमता हानि की स्वीकृति करती है जो ऐसी संविदा के लिए नियत की गई परिसम्पतियों के संबंध में हुई है।

इन अनुमानों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में करके चालू उत्तम अनुमान के अनुसार समायोजन प्रस्तुत किए गए हैं।

ग) आकस्मिक देयताएं

ऐसे आकस्मिक दायित्वों के संबंध में प्रकटीकरण किया जाता है जब संभावित दायित्व अथवा वर्तमान दायित्वों के संबंध में सन्निहित आर्थिक लाभों के संसाधनों का बहिःप्रवाह अपेक्षित होने की संभावना होती है, परन्तु नहीं भी हो सकती है, अथवा ऐसे दायित्वों की राशि का मापन विश्वसनीयता से नहीं किया जा सकता है। जब किसी संभावित दायित्व अथवा विद्यमान दायित्व के संबंध में सन्निहित आर्थिक लाभों के संसाधनों का बहिःप्रवाह होने की संभावना काफी होती है तो कोई प्रावधान अथवा प्रकटीकरण नहीं किए जाते हैं।

इनकी समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र तिथि को की जाती है तथा चालू उत्तम अनुमानों के अनुसार इनका समायोजन किया जाता है।

घ) आकस्मिक परिसम्पतियां

आकस्मिक परिसम्पतियों की स्वीकृति नहीं की जाती है अपितु आर्थिक लाभों के प्रवाह की विश्वसनीयता होने पर इनका प्रकटीकरण किया जाता है।

2.2.16 पट्टे

कम्पनी द्वारा संविदा के प्रारंभ में ऐसे मूल्यांकन किए जाते हैं कि क्या संविदा पट्टा, अथवा अंतर्विष्ट पट्टा, है अथवा नहीं है। इसका अर्थ है कि क्या संविदा में संज्ञान में ली गई परिसम्पति के संबंध में किसी अवधि में उपयोग के नियंत्रण का अधिकार प्रतिफल के विनिमय के प्रति उपलब्ध है।

क) पट्टेदार के रूप में कम्पनी

कम्पनी द्वारा अल्पकालिक पट्टों तथा न्यूनतम मूल्य की परिसम्पतियों के पट्टों के अलावा सभी पट्टों के संबंध में एकल स्वीकृति एवं मापन विधि का उपयोग किया जाता है। कम्पनी पट्टा दायित्वों की स्वीकृति पट्टा भुगतानों तथा उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियों के रूप में करती है जिससे अंतर्निहित परिसम्पतियां उपयोग अधिकार की प्रस्तुति करती हैं।

i) उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियां

कम्पनी उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियों की स्वीकृति पट्टा प्रारंभ होने की तिथि (अथवा वह तिथि जब अंतर्निहित परिसम्पति उपयोग के लिए उपलब्ध होती है) के अनुसार करती है। उपयोग अधिकार वाली परिसम्पति का मापन किसी प्रकार के संचित मूल्यहास तथा क्षमता हानियों को घटाकर एवं पट्टा दायित्वों के किसी पुनःमापन में समायोजन करके लागत पर किया जाता है। उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियों की लागत में स्वीकृत पट्टा देयता की राशि, प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतें, एवं किसी प्रकार के प्राप्त पट्टा प्रोत्साहनों को घटाकर प्रारंभ तिथि को अथवा उससे पूर्व किए गए पट्टा भुगतान शामिल हैं। उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियों का मूल्यहास पट्टा काल को कम करके तथा परिसम्पति के अनुमानित उपयोज्यता काल के अनुसार किया जाता है। सावधिक पट्टे पर अधिग्रहित पट्टाधारी भूमि को परिशोधित नहीं किया जाता।

यदि पट्टा की गई परिसम्पतियां पट्टा काल के अंत में कम्पनी को अंतरित की जाती हैं अथवा प्रस्तुत लागत में क्रय विकल्प का उपयोग मूल्य होता है तो मूल्यहास का आकलन परिसम्पति के अनुमानित उपयोज्यता काल के अनुसार किया जाता है।

उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियां अक्षमता की शर्त पर भी होती हैं।

ii) पट्टा दायित्व

कम्पनी द्वारा पट्टे की प्रारंभ तिथि को पट्टा काल के लिए चुकता किए जाने वाले पट्टा के वर्तमान मूल्य के अनुसार मापन किए गए पट्टा दायित्वों को स्वीकृति दी जाती है। पट्टा भुगतानों में किसी प्रकार के प्राप्य प्रोत्साहन घटाकर नियत भुगतान (सारभूत नियत भुगतान में शामिल), परिवर्तनीय पट्टा भुगतान जो सूचकांक अथवा किसी दर पर निर्भर हैं, तथा अवशेष मूल्य गारंटियों के अंतर्गत चुकता की जाने वाली संभावित राशियां शामिल हैं। पट्टा भुगतानों में क्रय विकल्प का उपयोग मूल्य भी शामिल होता है जिसका औचित्यपरक निश्चितता के साथ कम्पनी उपयोग कर सकती है, तथा पट्टों समाप्त करने, यदि पट्टा काल शर्तों में शास्तियों के भुगतान की व्यवस्था है, के विकल्प का उपयोग कर सकती है। व्यय के रूप में स्वीकृत किसी सूचकांक अथवा दर पर निर्भर न होने वाले परिवर्तनीय पट्टा भुगतान (यदि वे मालसूचियों के उत्पादन के लिए व्यय नहीं किए गए हैं) उनकी उत्पत्ति की अवधि अथवा भुगतान किए जाने की स्थिति में किए जाते हैं।

पट्टा भुगतानों के वर्तमान मूल्य का आकलन करते हुए कम्पनी पट्टा प्रारंभ तिथि से आवर्धित ऋण दर का उपयोग करती है क्योंकि पट्टे में अंतर्निहित ब्याज दर का सुगमता से निर्धारण नहीं किया जा सकता है। प्रारंभ तिथि के पश्चात पट्टा दायित्वों की राशि में ब्याज अभिवृद्धि की प्रस्तुति के लिए वृद्धि हो जाती है तथा किए गए पट्टा भुगतान कम हो जाते हैं। इसके अलावा, पट्टा दायित्वों के वहन मूल्य का पुनःमापन किसी प्रकार का संशोधन किए जाने, पट्टा काल में परिवर्तन किए जाने, पट्टा भुगतानों में परिवर्तन किए जाने (अर्थात् पट्टा भुगतानों के निर्धारण के लिए प्रयुक्त किसी सूचकांक अथवा दर में परिवर्तन के परिणामस्वरूप भावी भुगतानों में परिवर्तन) अथवा अंतर्निहित परिसम्पत्ति के क्रय के विकल्प के मूल्यांकन में परिवर्तन किए जाने की स्थिति में किया जाता है।

कम्पनी के पट्टा दायित्वों को वित्तीय दायित्वों में शामिल किया जाता है।

iii) अल्पकालिक पट्टे तथा निम्न मूल्य वाली परिसम्पत्तियों के पट्टे

कम्पनी द्वारा आवासीय परिसरों तथा कार्यालयों (अर्थात् वे पट्टे जिनका पट्टा काल प्रारंभ की तिथि से 12 माह अथवा कम है तथा जो क्रय विकल्प के साथ नहीं हैं) के अपने अल्पकालिक पट्टा अनुबंधों में अल्पकालिक पट्टा स्वीकृति के लिए छूट का उपयोग किया जाता है। कम्पनी द्वारा कार्यालय उपकरणों, जो न्यून मूल्य के रूप में विचार में नहीं लिए गए हैं, के पट्टों के लिए पट्टे की न्यून मूल्य परिसम्पत्ति छूट का उपयोग भी किया जाता है। अल्पकालिक पट्टों के पट्टा भुगतान तथा न्यून मूल्य परिसम्पत्तियों के पट्टों की स्वीकृति पट्टा काल के लिए सीधी रेखा आधार पर व्यय के रूप में की जाती है।

ख) पट्टाकार के रूप में कम्पनी

वे पट्टे जिनमें कम्पनी मुख्य रूप से परिसम्पत्ति से संबद्ध सभी जोखिम तथा प्रतिफल अंतरित नहीं करती है उनका वर्गीकरण परिचालन पट्टे के रूप में किया गया है। पट्टे के काल की अवधि के लिए सीधी रेखा आधार पर लेखांकित पट्टे से उत्पन्न किराया को उसकी परिचालन प्रकृति के कारण राजस्व के रूप में लाभ एवं हानि विवरण में शामिल किया गया है। प्रचालन पट्टे के परक्रामण एवं व्यवस्थापन के दौरान व्यय की गई प्रत्यक्ष लागतें पट्टाकृत परिसम्पत्ति की वहन राशि में जोड़ी गई हैं तथा उनकी

स्वीकृति ब्याज आय के समान आधार पर पट्टा काल के लिए की गई है। आकस्मिक किरायों की स्वीकृति राजस्व के रूप में उनकी उत्पत्ति होने पर की गई है।

2.2.17 वित्तीय उपकरण

वित्तीय उपकरण अनुबंध होते हैं, जो किसी इकाई की वित्तीय परिसम्पत्ति तथा किसी अन्य इकाई के किसी दायित्व अथवा वित्तीय उपकरण के संव्यवहार के लिए किए जाते हैं।

क) वित्तीय परिसम्पतियां

प्रारंभिक स्वीकृति एवं मापन

वित्तीय परिसम्पतियों को उचित मूल्य जमा या घटा संव्यवहार लागतों पर स्वीकृत किया जाता है जो प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय परिसम्पतियों (लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापण की गई परिसम्पतियों के अलावा) के अधिग्रहण या जारी करने से संबंधित हैं। वित्तीय परिसम्पतियों अथवा वित्तीय देयताओं से प्रत्यक्ष सम्बद्ध संव्यवहार लागतों को उनके उचित मूल्य पर लाभ एवं हानि के माध्यम से तुरंत लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृति दी जाती है।

अनुवर्ती मापन

अनुवर्ती मापन के उद्देश्य वित्तीय परिसम्पतियों को चार वर्गों में वर्गीकृत किया गया है:

- परिशोधन लागत पर नामे उपकरण

निम्नलिखित दोनों शर्तें पूरी होने पर 'ऋण उपकरण' का मापन परिशोधित लागत पर किया जाता है:

क) परिसंपत्ति व्यवसाय मॉडल के अनुसार ही धारित है जिसे परिसंपत्ति से संविदागत रोकड़ प्रवाह एकत्रित करने के उद्देश्य से धारित किया गया है और

ख) परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें रोकड़ प्रवाह के लिए विशिष्ट तिथियों को निर्धारित करती हैं जो विशिष्ट रूप से बकाया मूल राशि पर मूल और ब्याज का भुगतान है।

ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन प्रभावी ब्याज दर विधि घटा हानि, यदि कोई हो, का प्रयोग करके परिशोधित लागत पर किया जाता है। ईआईआर

परिशोधन को लाभ और हानि विवरण में वित्तीय आय में शामिल किया गया है। क्षमता हानि से उत्पन्न होने वाली हानियों को लाभ अथवा हानि में स्वीकृति दी जाती है। यह वर्ग सामान्यतः व्यापार एवं अन्य प्राप्यों के लिए उपयोग में लाया जाता है।

- **एफवीटीओसीआई पर ऋण उपकरण**

निम्नलिखित दोनों मापदंड पूरे होने पर 'ऋण उपकरण' का वर्गीकरण अन्य वृहत आय के माध्यम से उचित मूल्य पर किया जाता है :

- क. व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य संविदागत रोकड़ प्रवाहों को एकत्रित करके तथा वित्तीय परिसंपत्तियों के बेचकर दोनों माध्यमों द्वारा प्राप्त किया जाता है, और
- ख. परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें रोकड़ प्रवाह विशिष्ट रूप से मूल और ब्याज के भुगतान (एसपीपीआई) को प्रस्तुत करती हैं।

एफवीटीओसीआई श्रेणी के शामिल ऋण उपकरणों को उचित मूल्य पर आरंभिक स्तर पर तथा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मापा जाता है। उचित मूल्य संचलनों को अन्य वृहत आय (ओसीआई) में स्वीकार किया जाता है। तथापि, लाभ और हानि विवरण में कंपनी ब्याज आय, परिशोधित हानियों और प्रतिक्रमों तथा विदेशी विनिमय लाभ या हानि को स्वीकार करती है। परिसंपत्तियों को गैर-स्वीकार करने पर ओसीआई में पूर्व में स्वीकृत संचित लाभ या हानि को लाभ और हानि विवरण में इक्विटी से पुनःवर्गीकृत किया जाता है। अर्जित ब्याज को ईआईआर विधि का प्रयोग करते हुए स्वीकार किया जाता है।

- **एफवीटीपीएल पर ऋण उपकरण**

एफवीटीपीएल ऋण माध्यमों के लिए अवशिष्ट श्रेणी है। कोई भी ऋण माध्यम, जो परिशोधित लागत या एफवी ओसीआई के रूप में श्रेणीकरण के मापदंड को पूरा नहीं करता है, को एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

एफवीटीपीएल के वर्ग में शामिल ऋण उपकरणों का मापन लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर किया गया है।

- **इक्विटी उपकरण**

इंड एस-109 के कार्य क्षेत्र में इक्विटी निवेश का मापन उचित मूल्य पर किया जाता है। जो इक्विटी उपकरण एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत व्यापार के लिए धारित किए

गए हैं। अन्य सभी उपकरणों के लिए कम्पनी द्वारा उचित मूल्य पर अनुवर्ती परिवर्तन पर अन्य व्यापक आय में प्रस्तुत करने का अशोध्य चयन किया गया है। कम्पनी द्वारा ऐसे चयन उपकरण—वार आधार पर किए जाते हैं। ऐसे वर्गीकरण प्रारंभिक स्वीकृति पर किए जाते हैं तथा ये अशोध्य होते हैं।

यदि कम्पनी किसी इक्विटी उपकरण का वर्गीकरण एफवीटीओसीआई के रूप में करने का निर्णय लेते हैं तो लाभांशों के अलावा उपकरण के सभी उचित मूल्य परिवर्तनों की स्वीकृति अन्य व्यापक आय में की जाती है। निवेश की बिक्री के पश्चात भी अन्य व्यापक आय में से राशियों का पुनःचक्रण लाभ एवं हानि विवरण में नहीं किया जाता है। तथापि, कम्पनी इक्विटी में संचित लाभ एवं हानि का अंतरण कर सकती है।

एफवीटीपीएल वर्ग में शामिल इक्विटी उपकरणों का मापन उनके उचित मूल्य पर लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत सभी परिवर्तनों के साथ किया जाता है।

वित्तीय परिसम्पतियों की अक्षमता

ईसीएल उन सभी संविदागत नकद प्रवाहों के मध्य का अंतर है जो कम्पनी संविदा के अंतर्गत देय हैं तथा जो ऐसे नकद प्रवाहों से संबंधित हैं जिनकी प्राप्ति की प्रत्याशा इकाई (अर्थात् सभी नकद न्यूनताएं), तथा जो मूल ईआईआर पर न्यून किए गए हैं।

इंड एस—109 के अनुसरण में कम्पनी द्वारा निम्नलिखित वित्तीय परिसम्पतियों एवं क्रेडिट ऋण जोखिमों से संबंधित प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) मॉडल को मापन एवं अक्षमता हानि में स्वीकृति के लिए उपयोग किया गया है:

- क. वित्तीय परिसम्पतियां जो ऋण उपकरण हैं तथा जिनका मापन परिशोधन लागत अर्थात् ऋण, ऋण प्रतिभूतियों, जमा, व्यापार प्राप्यों एवं बैंक शेष के लिए किया गया है।
- ख. वित्तीय परिसम्पतियां जो ऋण उपकरण हैं तथा एफवीटीओसीआई पर मापन की गई हैं।
- ग. इंड एस—116 के अंतर्गत पट्टा प्राप्य।

घ. व्यापार प्राप्य अथवा अन्य संविदागत अधिकार के अंतर्गत प्राप्त नकदी अथवा अन्य वित्तीय परिसम्पति जो ऐसे संव्यवहार से प्राप्त हो जो इंड एएस-115 के दायरे में है।

ङ. ऋण प्रतिबद्धताएं जिनका मापन एफवीटीपीएल के अनुसार नहीं किया गया है।

च. वित्तीय गारंटी अनुबंध जिनका मापन एफवीटीपीएल के अनुसार नहीं किया गया है।

कम्पनी द्वारा निम्नलिखित के संबंध में अक्षमता हानि भत्ते की स्वीकृति के लिए “सरल दृष्टिकोण” का अनुसरण किया गया है:

- व्यापार प्राप्यों अथवा अनुबंध राजस्व प्राप्यों; तथा
- सभी ऐसे पट्टा प्राप्यों जिनके संव्यवहार इंड एएस 116 के दायरे में हैं।

सरल एप्रोच की उपयोग्यता के लिए कम्पनी को क्रेडिट जोखिम में ट्रैक परिवर्तन नहीं करने होते हैं। इसके स्थान पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को लाइफटाइम ईसीएल पर आधारित क्षमता हानि भत्तों का उपयोग प्रारंभिक स्वीकृति की तिथि से किया जाता है।

वित्तीय परिसम्पतियों एवं ऋण जोखिम पर क्षमता हानि के संज्ञान के लिए कम्पनी यह निर्धारण करती है कि क्या प्रारंभिक स्वीकृति के पश्चात से क्रेडिट जोखिम में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है अथवा नहीं हुई है। यदि क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई है तो 12 माह की ईसीएल का उपयोग क्षमता हानि के प्रावधान के लिए किया जाता है। तथापि, यदि क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि होने पर लाइफटाइम ईसीएल का उपयोग किया जाता है। यदि किसी अनुवर्ती अवधि में उपकरण की क्रेडिट गुणवत्ता में सुधार आता है तथा प्रारंभिक संज्ञान के पश्चात से क्रेडिट जोखिम में कोई महत्वपूर्ण बढ़त नहीं होती है तो इकाई द्वारा 12 माह की ईसीएल पर आधारित क्षमता हानि भत्ते को समाप्त कर दिया जाता है।

लाइफटाइम ईसीएल वे प्रत्याशित क्रेडिट हानियां हैं जो वित्तीय परिसम्पति के संभावित उपयोग्यता काल में संभव चूक घटनाओं के कारण उत्पन्न होती हैं। 12 माह ईसीएल लाइफटाइम ईसीएल का वह भाग है जो रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात 12 माह के दौरान संभावित चूक घटनाओं से उत्पन्न हुए हैं।

ईसीएल क्षमता हानि भत्ता (अथवा रिवर्सल) की स्वीकृति आय/व्यय के रूप में लाभ एवं हानि विवरण में की जाती है। इस राशि की प्रस्तुति “अन्य व्यय” शीर्ष के अंतर्गत लाभ एवं हानि विवरण में की जाती है। विभिन्न वित्तीय उपकरणों के अंतर्गत तुलन पत्र की प्रस्तुति का वर्णन नीचे किया गया है:—

- परिशोधित लागत पर मापन की गई वित्तीय परिसम्पतियां, संविदागत राजस्व प्राप्य एवं पट्टा प्राप्य: ईसीएल की प्रस्तुति एक भत्ते के रूप में अर्थात तुलन पत्र में ऐसी परिसम्पतियों के मापन के अभिन्न भाग के रूप में की जाती है। निवल वहन राशि में से भत्ता घटा दिया जाता है। परिसम्पति द्वारा बट्टा मापदंड पूरे न किए जाने तक कम्पनी सकल वहन राशि में से क्षमता हानि भत्ते को कम नहीं करती है।
- ऋण प्रतिबद्धताएं एवं वित्तीय गारंटी संविदा : ईसीएल की प्रस्तुति तुलन पत्र में एक प्रावधान अर्थात एक दायित्व के रूप में की गई है।
- ऋण उपकरण का मापन एफवीटीओसीआई के अनुसार : ऋण उपकरणों का मापन एफवीओसीआई के अनुसार किया गया है, संभावित क्रेडिट हानियों से तुलन पत्र में वहन राशि कम नहीं हुई है जिससे यह उचित मूल्य पर होती है। परिसम्पति का मापन अन्य व्यापक आय में स्वीकृत परिशोधन लागत पर “संचित परिशोधन राशि” के रूप में करने की स्थिति में इसके स्थान पर भत्ते के समतुल्य एक राशि उत्पन्न होगी।

कम्पनी द्वारा क्षीण क्रेडिट वाली वित्तीय परिसम्पतियों (पीओसीआई), अर्थात ऐसी परिसम्पतियां जिनका क्रेडिट क्रय / व्युत्पत्ति पर क्षीण है, का क्रय अथवा व्युत्पत्ति नहीं की गई है।

ख) वित्तीय देयताएं

प्रारंभिक स्वीकृति एवं मापन

सभी वित्तीय देयताओं की स्वीकृति प्रारंभ में उचित मूल्य पर, तथा ऋण एवं उधार तथा देयताओं के मामले में संव्यवहार लागतों से प्रत्यक्ष सम्बद्ध निवल के अनुसार की जाती है।

कम्पनी की वित्तीय देयताओं में व्यापार एवं अन्य देयताएं, ऋण एवं उधार, अन्य वित्तीय देयताएं इत्यादि शामिल हैं।

अनुवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं का मापन नीचे प्रस्तुत विवरण के अनुसार उनके वर्गीकरण पर निर्भर है:

- **लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं**

कम्पनी के पास एफवीटीपीएल के अंतर्गत किसी प्रकार की वित्तीय देयताएं नहीं हैं।

- **परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएं**

ऋण, उधार, व्यापार देय एवं अन्य वित्तीय देयताएं

प्रारंभिक स्वीकृति के पश्चात ऋण, उधार, व्यापार देय एवं अन्य वित्तीय देयताओं का अनुवर्ती मापन ईआईआर विधि के उपयोग से परिशोधन लागत पर किया जाता है। लाभ एवं हानियों को लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृति तब प्रदान की जाती है जब ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम देयताओं की स्वीकृति समाप्त कर दी जाती है। परिशोधन लागत का आकलन किसी प्रकार की छूट अथवा अधिग्रहण प्रीमियम तथा शुल्क अथवा लागतों, जो ईआईआर का अभिन्न अंग हैं, को लेखे में लेकर किया जाता है। ईआईआर परिशोधन में लाभ एवं हानि विवरण की वित्त लागतों को शामिल किया जाता है।

वित्तीय देयताओं की स्वीकृति समाप्ति

किसी वित्तीय देयता की स्वीकृति तब समाप्त होती है जब देयता के दायित्व पूरे कर लिए जाते हैं अथवा रद्द हो जाते हैं अथवा कालातीत हो जाते हैं। जब कोई विद्यमान वित्तीय देयता के स्थान पर समान ऋणदाता से महत्वपूर्ण भिन्न शर्तों पर अथवा विद्यमान देयताओं की शर्तों की संशोधित शर्तों पर कोई बदलाव किया जाता है तो ऐसे विनिमय अथवा सुधार को मूल देयता की स्वीकृति समाप्ति मानकर नई देयता के प्रति स्वीकृति की जाती है। सम्बद्ध वहन राशियों की भिन्नताओं को लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत किया जाता है।

ग) वित्तीय गारंटी संविदाएं

कंपनी द्वारा जारी वित्तीय गारंटी संविदाएं वे संविदाएं हैं जिनमें कंपनी को ऋण माध्यम की शर्तों के अनुसार देय होने पर विशिष्ट ऋणदाता द्वारा भुगतान करने में विफल रहने की स्थिति में धारक को हुए घाटे की प्रतिपूर्ति किए जाने के लिए भुगतान की अपेक्षा होती है। वित्तीय गारंटी संविदाओं को आरंभिक तौर पर लागतों के संव्यवहारों के लिए समायोजित उचित मूल्य पर देयता के रूप में स्वीकार किया जाता है, को प्रत्यक्ष रूप से गारंटी के जारी किए जाने से संबंधित है। तत्पश्चात, देयता को इंड एस-109 की हानि अपेक्षाओं के अनुसार निर्धारित घाटा भत्ते के राशि तथा स्वीकृत राशि घटा संचित परिशोधन, जो कोई भी अधिक हो, पर मापा जाता है।

घ) वित्तीय परिसम्पतियों का पुनःवर्गीकरण

कम्पनी वित्तीय परिसम्पतियों एवं देयताओं का वर्गीकरण प्रारंभिक स्वीकृति के समय निर्धारित करती है। प्रारंभिक स्वीकृति के पश्चात उन वित्तीय परिसम्पतियों का पुनःवर्गीकरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण अथवा वित्तीय देयता होते हैं। ऋण उपकरणों की वित्तीय परिसम्पतियों के लिए पुनःवर्गीकरण तभी किया जाता है जब ऐसी परिसम्पतियों के प्रबंधन के व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन हुआ हो। व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन की संभावना कभी-कभार होती है। व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन तब होता है जब कम्पनी या किसी ऐसे क्रियाकलाप का निष्पादन करना प्रारंभ करती है अथवा समाप्त करती है जो उसके प्रचालनों के लिए महत्वपूर्ण है। यदि कम्पनी वित्तीय परिसम्पतियों का वर्गीकरण करती है तो ऐसा पुनःवर्गीकरण उत्तरव्यापी प्रभाव से अगली रिपोर्टिंग अवधि के तत्काल निकट अगले दिन से व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन करके किया जाता है। कम्पनी स्वीकृत लाभों, हानियों (क्षमता लाभ अथवा हानियों सहित) अथवा ब्याज की पुनः प्रस्तुति नहीं करती है।

ड.) वित्तीय माध्यमों की ऑफसेटिंग

स्वीकृत राशियों का समंजन करने के संबंध में चालू प्रवर्तनीय संविदागत विधिक अधिकार होने तथा परिसम्पतियों से प्राप्ति एवं साथ ही साथ देयताओं का निपटान निवल आधार पर करने की मंशा होने की स्थिति में वित्तीय परिसम्पतियों एवं वित्तीय देयताओं, एवं तुलन पत्र में सूचित की गई राशियों का समंजन किया जाएगा।

2.2.18 उचित मूल्य मापन

कम्पनी द्वारा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वित्तीय उपकरणों का उचित मूल्य पर मापन किया जाता है।

उचित मूल्य वह मूल्य है जो किसी परिसम्पति को बेचने अथवा किसी देयता को अंतरित करने के लिए दिए जाने के लिए बाजार प्रतिभागियों के साथ मापन की तिथि को प्राप्त होता है। उचित मूल्य मापन ऐसे अनुमान पर आधारित है जो परिसम्पति को बेचने के संव्यवहार अथवा देयता का अंतरण करने के उद्देश्य से या तो :

- उत्तम बाजार में परिसम्पतियों अथवा देयताओं के लिए; अथवा
- उत्तम बाजार न होने पर परिसम्पतियों एवं देयताओं के अत्यधिक लाभकारी बाजार में। उत्तम अथवा लाभकारी बाजार कम्पनी की पहुंच के दायरे में होना चाहिए।

किसी परिसम्पति अथवा देयता के उचित मूल्य का मापन बाजार प्रतिभागियों के ऐसे अनुमानों के अनुसार यह मानकर किया जाता है कि वे इसमें आर्थिक उत्तम हित में बाजार प्रतिभागी क्रिया कर रहे हैं।

किसी गैर-वित्तीय परिसम्पति के उचित मूल्य का मापन उच्चतर एवं बेहतर उपयोग से परिसम्पति का उपयोग आर्थिक लाभों की उत्पत्ति के संबंध में बाजार प्रतिभागियों की क्षमता को विचार में लेकर अथवा इसकी बिक्री किसी अन्य बाजार कर करके, जो परिसम्पति का उपयोग उच्चतर एवं बेहतर ढंग से कर सकता है, किया जाता है।

कम्पनी द्वारा मूल्यांकन तकनीकी का उपयोग किया जाता है ऐसी परिस्थितियों के लिए उचित हैं तथा जिनके संबंध में वह पर्याप्त डेटा उचित मूल्य के मापन के उद्देश्य से उपलब्ध है, जिनसे सम्बद्ध प्रेक्षण योग्य इनपुट का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा तथा गैर-प्रेक्षण योग्य इनपुट का उपयोग न्यूनतम किया जा सकेगा।

सभी परिसम्पतियां एवं देयताओं, जिनके संबंध में उचित मूल्य पर मापन अथवा वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण किया गया है, का वर्गीकरण उचित मूल्य की तारतम्यता का अनुसरण करके किया गया है जो न्यूनतम स्तर के इनपुट पर आधारित है तथा पूर्ण रूप से उचित मूल्य पर मापन के लिए महत्वपूर्ण हैं:-

- स्तर 1 – समान प्रकार की परिसम्पतियों अथवा देयताओं के सक्रिय बाजारों में उद्धृत (गैर-समायोजित) बाजार मूल्य
 - स्तर 2 – मूल्यांकन तकनीक जिसके लिए न्यूनतम स्तर के इनपुट हैं जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रेक्षण योग्य उचित मूल्य मापन के लिए उपयोगी हैं।
 - स्तर 3 – मूल्यांकन तकनीक जिसके लिए न्यूनतम स्तर के इनपुट हैं जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से गैर-प्रेक्षण योग्य उचित मूल्य मापन के लिए उपयोगी हैं।
- ऐसी परिसम्पतियों एवं देयताओं के संबंध में, जो आवर्ती आधार पर वित्तीय विवरणों में स्वीकृत की गई हैं, कम्पनी द्वारा स्तरों के मध्य के स्तरों पर तारतम्यता में अंतरण किए जाने के निर्धारण (न्यूनतम स्तर इनपुट पर आधारित जो पूर्ण उचित मूल्य मापन के लिए महत्वपूर्ण हैं) प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं।

महत्वपूर्ण परिसम्पतियों एवं देयताओं, यदि कोई हों, के लिए बाह्य मूल्यांककों की सेवाएं प्राप्त की जाती हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को कम्पनी द्वारा उन परिसम्पतियों एवं देयताओं के मूल्य के संचलनों का विश्लेषण किया जाता है जिनका मापन अथवा पुनःमापन कम्पनी की लेखांकन नीतियों के अनुसार किया जाना अपेक्षित होता है।

उचित मूल्य के प्रकटीकरण के लिए कम्पनी द्वारा परिसम्पतियों एवं देयताओं के वर्ग उनकी प्रकृति, विशिष्टताओं एवं परिसम्पति अथवा देयता से जुड़े जोखिमों तथा ऊपर स्पष्ट की गई तारतम्यता के अनुसार उचित मूल्य के स्तर के आधार पर किए जाते हैं।

ऊपर उचित मूल्य के लिए लेखांकन नीतियों का संक्षेप प्रस्तुत किया गया है। उचित मूल्य से संबंधित अन्य प्रकटीकरण सम्बद्ध नोटों में किए गए हैं।

2.2.19 बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पतियां

जब किसी परिसम्पति का धारण उसकी वहन लागत की वसूली मूलतः बिक्री संव्यवहार के लिए किया जाता है तथा बिक्री संव्यवहार की संभावना काफी विश्वसनीय होती है तो गैर-चालू परिसम्पतियां (अथवा निपटान समूह) का वर्गीकरण बिक्री के लिए धारित परिसम्पतियों के रूप में किया जाता है। किसी बिक्री को काफी विश्वसनीय तब माना जाता है जब परिसम्पति अथवा निपटान समूह अपनी वर्तमान स्थिति में बिक्री के लिए उपलब्ध हो तथा बिक्री न होने की संभावना न हो एवं बिक्री की प्रक्रिया वर्गीकरण किए जाने से एक वर्ष में की जानी संभावित हो। बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत

निपटान समूहों को उल्लिखित वहन राशि से कम मूल्य पर तथा बिक्री की लागतों को घटाकर उचित मूल्य किया जाता है। बिक्री के धारित का वर्गीकरण करने के पश्चात सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण, निवेश सम्पत्ति एवं अमूर्त परिसम्पतियों का मूल्यहास अथवा परिशोधन नहीं किया जाता है। बिक्री/वितरण के वर्गीकृत के साथ धारित परिसम्पतियों की प्रस्तुति तुलन पत्र में अलग से की जाती है।

यदि इंड एस-105 “बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पतियां” के उल्लिखित मापदंडों को पूरा नहीं किया जाता है तो बिक्री के लिए धारित निपटान समूहों का वर्गीकरण समाप्त कर दिया जाता है। वर्गीकरण समाप्त की गई बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पतियों का मापन – (1) बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पति के रूप में वर्गीकरण से पूर्व उसकी वहन राशि, मूल्यहास के समायोजन के पश्चात जो तब किया जाता जब बिक्री के धारित परिसम्पति का वर्गीकरण न होगा, तथा (2) उस तिथि की उसकी वसूली योग्य राशि जब निपटान समूह का वर्गीकरण बिक्री के धारित के लिए समाप्त किया गया था, से न्यून किया जाता है। मूल्यहास रिर्वसल समायोजन से संबंधित सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण, निवेश परिसम्पति तथा अमूर्त परिसम्पतियों को उस अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया जाता जिस अवधि में गैर-चालू परिसम्पतियों का धारण बिक्री के लिए किए जाने के मापदंड पूरे नहीं हो पाते हैं।

2.2.20 पूर्वावधि समायोजन

चालू वर्ष में पूर्वावधि से संबद्ध चूक/अकरण पाई जाने पर यदि प्रत्येक एवं अकरण का औसत कम्पनी के पिछले लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार कुल परिचालन राजस्व के 0.50 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है तो उसका उपचार सारहीन रूप से किया जाता है तथा उसका समायोजन चालू वर्ष में किया जाता है।

2.2.21 महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान एवं निर्धारण

उक्त वित्तीय विवरणों के निर्माण के लिए उपयोग में लाए गए अनुमानों का अनवरत मूल्यांकन कम्पनी द्वारा किया जाता है तथा ये ऐतिहासिक अनुभव एवं विभिन्न अन्य अनुमानों एवं कारकों (भावी घटनाओं की संभावनाओं सहित), जिनके प्रति कम्पनी का विश्वास विद्यमान परिस्थितियों के कारण औचित्यपरक रूप से है, पर आधारित होते हैं। ऐसे अनुमान ऐसे तथ्यों एवं घटनाओं पर आधारित होते हैं जो रिपोर्टिंग तिथि को विद्यमान हैं अथवा जिनका आस्तित्व इस तिथि के पश्चात हुआ है परन्तु विद्यमान

स्थितियों के अनुसार रिपोर्टिंग तिथि को इनका आस्तित्व होने के अतिरिक्त प्रमाण उपलब्ध हैं। तथापि, कम्पनी द्वारा ऐसे अनुमानों, वास्तविक परिणामों का नियमित मूल्यांकन किया जाता है परन्तु ऐसे अनुमान आंके जाने के समय औचित्यपरक होते हुए इनके वास्तविक परिणाम सामग्रीगत रूप से भिन्न हो सकते हैं तथा ऐसे परिणाम ऐतिहासिक अनुभव अथवा अनुमानों से भिन्न होने पर भी पूरी तरह से सटीक नहीं होते हैं। अनुमानों में होने वाले परिवर्तनों की स्वीकृति उस अवधि के वित्तीय विवरणों में की जाती है जिस अवधि में ये ज्ञात होते हैं।

रिपोर्टिंग तिथि को भावी एवं अन्य प्रमुख स्रोतों के अनुमानों की अनिश्चितता से संबंधित प्रमुख अनुमान, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष में परिसम्पतियों एवं देयताओं की वहन राशियों में सामग्रीगत समायोजन की उत्पत्ति का महत्वपूर्ण जोखिम व्याप्त है, का वर्णन नीचे किया गया है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

(क) ग्रहित न किए गए व्यापार प्राप्यों के लिए प्रावधान

व्यापार प्राप्यों के साथ ब्याज नहीं होता है तथा इनकी प्रस्तुत उनके सामान्य मूल्यों पर अनुमानित वसूलीयोग्य राशि पर छूट करके प्रदान की जाती है जो प्राप्य शेष एवं ऐतिहासिक अनुभवों पर आधारित होती है। व्यापार प्राप्यों का अलग अलग बट्टा तब किया जाता है जब प्रबंधन को उनकी वसूली संभव प्रतीत नहीं होती है।

(ख) आकस्मिताएं

कम्पनी के प्रति व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के दौरान आकस्मिक देयताओं की उत्पत्ति न्यायिक मामलों एवं अन्य दावों के परिणामस्वरूप होती है। ये ऐसे दायित्व होते हैं जिनके संबंध में प्रबंधन सभी उपलब्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर संबंधित भुगतान अथवा कठिनाई के परिमाण के अनुमान विश्वसनीयता से नहीं आंक सकती है तथा ऐसे दायित्वों को आकस्मिक दायित्व मानकर इनका प्रकटीकरण नोटों में किया गया है। इस प्रकार, कम्पनी संबंधी जटिल विधिक प्रक्रियाओं के अंतिम प्रतिफल का ऐसा कोई निश्चित प्रमाण नहीं है जिससे आकस्मिकताओं का सामग्रीगत प्रभाव का कम्पनी की वित्तीय स्थिति पर होने के विश्वसनीय अनुमान लगाए जा सकें।

(ग) वित्तीय परिसम्पतियों की अक्षमता

वित्तीय परिसम्पतियों के लिए अक्षमता प्रावधान चूक जोखिमों एवं संभावित हानि दरों के अनुमानों पर आधारित होते हैं। कम्पनी अपने विवेक का उपयोग करके ऐसे अनुमान लगाकर अक्षमता इनपुट का आकलन करती है जो कम्पनी के पूर्व इतिहास, बाजार स्थितियों के आधार एवं प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लगाए जाने वाले भावी अनुमानों पर आधारित होते हैं।

(घ) कर

जटिल कर विनियमों की व्याख्या, कर विधियों में बदलाव एवं राशि एवं भावी करयोग्य आय के संबंध में अनिश्चितताएं व्याप्त होती हैं। व्यापार के स्वरूप के कारण वास्तविक परिणाम एवं लगाए गए अनुमानों अथवा ऐसे अनुमानों में भावी परिवर्तनों से होने वाली भिन्नताओं के कारण पहले से रिकार्ड की गई कर आय एवं व्यय में भविष्य में समायोजन करने पड़ सकते हैं। कम्पनी द्वारा ऐसे औचित्यपरक अनुमानों के आधार पर प्रावधान स्थापित किए गए हैं। ऐसे प्रावधानों की राशि पूर्व कर लेखापरीक्षा के अनुभव एवं करयोग्य इकाईयों द्वारा की गई कर की भिन्नताओं की व्याख्या जैसे विभिन्न कारकों पर आधारित होती है। व्याख्या में भिन्नता के कारण कम्पनी के कार्यक्षेत्र में व्याप्त परिस्थितियों से विभिन्न प्रकार के अनेक मामले उत्पन्न हो सकते हैं।

आस्थगित कर परिसम्पतियों की स्वीकृति अप्रयुक्त कर हानियों के लिए उस विस्तार तक की जाती है जहां तक ऐसी विश्वसनीयता हो कि इससे करयोग्य लाभ प्राप्त होंगे जिनके प्रति हानियों का उपयोग किया जा सकेगा। आस्थगित कर परिसम्पतियों की राशि के स्वीकृति योग्य निर्धारण करने के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है जो समय की अनुकूलता एवं भावी करयोग्य लाभ के स्तर के साथ साथ भावी कर योजना रणनीतियों पर आधारित होते हैं।

(ड.) गैर-वित्तीय परिसम्पतियों की अक्षमता

अक्षमता तब उत्पन्न होती है जब किसी परिसम्पति रोकड़ उत्पत्ति यूनिट का वहन मूल्य उसकी वसूलीयोग्य राशि से अधिक हो जाता है तथा जो उसकी निपटान लागतों एवं उपयोग मूल्य को घटाकर उचित मूल्य से अधिक होता है। उचित मूल्य घटाकर निपटान लागत के आकलन आर्म लैथ पर किए गए बाध्यकारी बिक्री संव्यवहारों से

उपलब्ध डेटा पर आधारित होते हैं जो परिसम्पत्ति के निपटान की आवर्धित लागतों को घटाकर समान प्रकार की परिसम्पत्तियों अथवा प्रत्यक्ष बाजार मूल्यों के अनुसार होते हैं। उपयोग मूल्य का आकलन डीसीएफ मॉडल पर आधारित होता है।

(च) नवीकरण एवं समापन विकल्प के साथ पट्टे के अनुबंध काल का निर्धारण – पट्टेदार के रूप में कम्पनी

कम्पनी पट्टा काल का निर्धारण पट्टे को रद्द न किए जाने की शर्त के साथ करती है जिसमें पट्टे की किन्हीं अवधियों को विस्तारित करने, यदि इसका उपयोग करने की औचित्यपरक निश्चितता हो, अथवा पट्टे का समापन करने के विकल्प के साथ शामिल अवधियों, यदि इसका उपयोग न करने की औचित्यपरक निश्चितता हो, का समावेश होता है।

कम्पनी द्वारा ऐसे पट्टा अनुबंध किए गए हैं जिनमें विस्तार एवं समापन के विकल्प हैं। कम्पनी अपने विवेक से यह ज्ञात करती है कि क्या किसी पट्टे का नवीकरण करने अथवा उसका समापन करने के विकल्प के उपयोग के प्रति किसी प्रकार के औचित्यपरक कारक हैं अथवा नहीं हैं। इस प्रकार के सभी सम्बद्ध कारकों पर विचार से कम्पनी के सम्मुख नवीकरण करने अथवा समापन करने के विकल्प के उपयोग का आर्थिक कारण प्रस्तुत हो जाता है। प्रारंभ तिथि के पश्चात कम्पनी पट्टा काल का मूल्यांकन करके यह ज्ञात करती है कि क्या परिस्थितियों में किसी प्रकार की ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं अथवा बदलाव हुए हैं जो उसके नियंत्रण में हैं तथा जिनके प्रभाव से कम्पनी को नवीकरण अथवा समापन करने के विकल्प का उपयोग करना पड़ सकता है अथवा नहीं करना पड़ सकता है (अर्थात् महत्वपूर्ण पट्टाधारित सुधार अथवा पट्टाधारित परिसम्पत्तियों में महत्वपूर्ण बदलाव)।

(छ) राजस्व स्वीकृति

कंपनी निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि के लिए अपनी प्रगति का यथोचित आकलन करने के पश्चात समय के साथ संतुष्ट निष्पादन दायित्व के लिए राजस्व की पहचान करती है।

राजस्व की स्वीकृति के लिए संतोष के स्तर तक निष्पादन दायित्वों के संबंध में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन, दावों (मुआवजे, छूट आदि) और अन्य भुगतानों का आकलन करना

अपेक्षित है और ये संभावित हैं तथा उचित रूप से मापन हेतु सक्षम हैं। दावों के लिए अनुमान लगाने के उद्देश्य से, कंपनी ने उपलब्ध संविदात्मक और ऐतिहासिक जानकारी का उपयोग किया।

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- **U45500DL2017GOI317401**
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

3 परिसंपत्ति , संयंत्र और उपकरण

(रूपए लाख में)

विवरण	कम्प्यूटर	कुल
सकल वहन राशि (लागत पर)		
31 मार्च 2019 को	-	-
संवर्धन	0.42	0.42
निपटान/समायोजन	-	-
विनिमय लाभ/ हानि	-	-
31 मार्च 2020 को	0.42	0.42
संवर्धन	-	-
निपटान/समायोजन	-	-
विनिमय लाभ/ हानि	-	-
31 मार्च 2021 को	0.42	0.42
मूल्यहास एवं हानि		
31 मार्च 2019 को	-	-
वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यहास	0.12	0.12
हानि	-	-
निपटान/समायोजन	-	-
विनिमय लाभ/ हानि	-	-
31 मार्च 2020 को	0.12	0.12
वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यहास	0.13	0.13
हानि	-	-
निपटान/समायोजन	-	-
विनिमय लाभ/ हानि	-	-
31 मार्च 2021 को	0.25	0.25
निवल बही मूल्य		
31 मार्च 2021 को	0.17	0.17
31 मार्च 2020 को	0.30	0.30

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- **U45500DL2017GOI317401**
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

4 अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

(रूपए लाख में)

विवरण	फुटनोट	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
संविदागत परिसंपत्तियां वसूली योग्य			
वित्तीय परिसंपत्तियां - निर्माण संविदा	1	38,542.80	25,474.31
अन्य			
प्रतिभूति जमा राशि		25.47	-
कुल - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां		38,568.27	25,474.31

फुटनोट:

1. वित्तीय परिसंपत्तियां - निर्माण संविदा राजमार्ग है, जिसका निर्माण हाइब्राइड एनिविटी मोड (एचएएम) के माध्यम से आईडीएचएचएल द्वारा किया जा रहा है (नोट 23 का संदर्भ लें)।

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

5 अस्थगित कर परिसंपत्तियों और आय कर
 इंड एस 13 "आयकर" के अनुसरण में प्रकटन

(क) 31 मार्च 2021 तथा 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय कर व्यय के प्रमुख घटक हैं:

(रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	को समाप्त वर्ष	
		31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
1	लाभ और हानि खंड		
	चालू आय कर:		
	चालू आय कर प्रभार	15.26	21.42
	पिछले वर्ष के चालू आयकर के संबंध में समायोजन	(0.01)	-
	आस्थगित कर:		
	अस्थायी अंतरों के समायोजन एवं प्रतिक्रम से संबंधित	6.88	13.63
	लाभ और हानि खंड में प्रस्तुत आयकर व्यय	22.13	35.05
2	अन्य वृहत आय (ओसीआई) खंड		
	वर्ष के दौरान ओसीआई में स्वीकृत मदों से संबंधित आयकर		
	निर्धारित लाभ योजनाओं के पुनःमापन पर निवल घाटा/(लाभ)	-	-
	विदेशी प्रचालन अंतरण पर निवल घाटा/(लाभ)	-	-
	ओसीआई खंड में प्रस्तुत आयकर व्यय	-	-

(ख) 31 मार्च 2021 तथा 31 मार्च 2020 के लिए भारत के घरेलू कर दर द्वारा गणा कर व्यय और लेखांकन लाभ का समायोजन:

(रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	को समाप्त वर्ष	
		31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
1	आयकर से पूर्व लेखांकन लाभ	86.87	112.49
2	आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार निगमित कर दर	25.168%	25.168%
3	लेखांकन लाभ पर कर (3) = (1) * (2)	21.86	28.31
4	कर समायोजन प्रभाव:		
	(i) पूर्ववर्ती वर्षों के चालू आयकर के संबंध में समायोजन	-0.01	-
	(ii) पिछले अस्वीकृत कर घाटों का उपयोग	-	-
	(iii) दर अंतर प्रभाव	-	-
	(iv) कर से छूट प्राप्त आय पर कर	-	-
	(v) कर प्रयोजनों हेतु गैर कटौती योग्य व्यय	-	-
	अन्य देशों के अतिरिक्त कर	-	-
	अन्य गैर कटौती योग्य व्यय	-	-
	(vi) विभिन्न अन्य मदों पर प्रभाव	0.28	6.74
5	लाभ एवं हानि विवरण में प्रस्तुत आयकर व्यय	22.13	35.05
6	प्रभावी कर दर	25.47%	31.16%

(ग) तुलन पत्र और लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत आस्थगित कर (परिसंपत्तियां) और देयताएं

(रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	तुलन पत्र		लाभ हानि विवरण	
		31 मार्च 2021	31 मार्च 2020	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
1	परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण (अमूर्त सहित): बही में अंतर-मूल्यहास एवं आयकर मूल्यहास	-	(0.01)	0.01	(0.01)
2	प्रावधान	-	-	-	-
3	आयकर अधिरियम, 1961 की धारा 43बी के अंतर्गत अस्वीकृत मर्दे	-	-	-	-
4	चालू वर्ष और पूर्ववर्ती वर्षों में लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित व्यय का प्रभाव किन्तु भुगतान आधार पर कर प्रयोजन हेतु स्वीकार्य।	-	-	-	-
5	वित्तीय माध्यमों का उचित मूल्यांकन	-	-	-	-
6	एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों और एफवीटीपीएल म्यूचुवल फंड	-	-	-	-
7	अन्य	6.88	13.77	(6.89)	(13.62)
	निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियां/(देयताएं)	6.88	13.76	(6.88)	(13.63)

(घ) तुलन पत्र में प्रदर्शित निम्नानुसार:

(रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
1	आस्थगित कर परिसंपत्तियां	6.88	13.77
2	आस्थगित कर देयताएं	-	-0.01
	आस्थगित कर परिसंपत्तियां/(देयताएं) (निवल)	6.88	13.76

नोट: आस्थगित कर परिसंपत्तियों और आस्थगित कर देयताओं को ऑफसेट किया गया है क्योंकि वे समान शासी नियमों से संबंधित हैं।

(ड.) आस्थगित कर (देयताओं) और परिसंपत्तियों का समायोजन :

31 मार्च 2021 को

(रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	1 अप्रैल 2020 को शेष (निवल)	लाभ व हानि विवरण में स्वीकृत	ओसीआई में स्वीकृत	31 मार्च 2021 को शेष (निवल)
1	परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण (अमूर्त सहित): बही में अंतर-मूल्यहास एवं आयकर मूल्यहास	(0.01)	0.01	-	-
2	प्रावधान	-	-	-	-
3	आयकर अधिरियम, 1961 की धारा 43बी के अंतर्गत अस्वीकृत मर्दे	-	-	-	-
4	चालू वर्ष और पूर्ववर्ती वर्षों में लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित व्यय का प्रभाव किन्तु भुगतान आधार पर कर प्रयोजन हेतु स्वीकार्य।	-	-	-	-
5	वित्तीय माध्यमों का उचित मूल्यांकन	-	-	-	-
6	एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों और एफवीटीपीएल म्यूचुवल फंड पर अप्रयुक्त लाभ/हानि	-	-	-	-
7	अन्य (पूर्व समायोजित व्यय)	13.77	-6.89	-	6.88
	निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियां/(देयताएं)	13.76	(6.88)	-	6.88

(ड.) आस्थगित कर (देयताओं) और परिसंपत्तियों का समायोजन :

31 मार्च 2020 को

(रूपए लाख में)

क्र.सं.	विवरण	1 अप्रैल 2020 को शेष (निवल)	लाभ व हानि विवरण में स्वीकृत	ओसीआई में स्वीकृत	31 मार्च 2021 को शेष (निवल)
1	परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण (अमूर्त सहित): बही में अंतर-मूल्यहास एवं आयकर मूल्यहास	-	-0.01	-	(0.01)
2	प्रावधान	-	-	-	-
3	आयकर अधिरियम, 1961 की धारा 43बी के अंतर्गत अस्वीकृत मर्दे	-	-	-	-
4	चालू वर्ष और पूर्ववर्ती वर्षों में लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित व्यय का प्रभाव किन्तु भुगतान आधार पर कर प्रयोजन हेतु स्वीकार्य।	-	-	-	-
5	वित्तीय माध्यमों का उचित मूल्यांकन	-	-	-	-
6	एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों और एफवीटीपीएल म्यूचुवल फंड पर अप्रयुक्त लाभ/हानि	-	-	-	-
7	अन्य (पूर्व समायोजित व्यय)	27.39	-13.62	-	13.77
	निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियां/(देयताएं)	27.39	(13.63)	-	13.76

6.1 व्यापार प्राप्य

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
वसूली योग्य : रक्षित		
- व्यापार प्राप्य	-	-
वसूली योग्य : अरक्षित		
- व्यापार प्राप्य * (संदर्भ नोट सं.23)	4,182.91	792.02
ऋण जोखिम में व्यापक वृद्धिकरणे वाले व्यापार प्राप्य		
- व्यापार प्राप्य	-	-
घटा : हानि प्रावधान	-	-
कुल	4,182.91	792.02

6.2 रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
उपलब्ध रोकड़	-	-
बैंकों में शेष:		
निर्धारित निधियां		
- चालू खातों में	1,398.07	1.67
- तीन माह से कम की मूल परिपक्वता वाले फ्लैक्सी खाते	143.00	217.50
कुल	1,541.07	219.17

6.3 रोकड़ और रोकड़ समतुल्य से इतर बैंक शेष

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
अन्य बैंक शेष		
- 3 महीने से अधिक और 12 महीने तक की मूल परिपक्वता वाली जमा राशियां*	2,646.00	-
कुल	2,646.00	-

* पंजाब नेशनल बैंक में जमा राशियां

6.4 अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
क. वसूली योग्य: रक्षित		
प्रतिभूति जमा राशियां		
- अन्य	0.63	0.63
एफडीआर पर संचित ब्याज	0.19	0.65
अन्य प्राप्य	0.42	0.04
कर्मचारियों को ऋणों पर संचित ब्याज	-	-
संविदागत परिसंपत्तियां		
वित्तीय परिसंपत्तियां - निर्माण संविदा	7,836.52	16,814.29
कुल - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां - वसूली योग्य	7,837.76	16,815.61
ख) संदिग्ध समझे गए		
प्रतिभूति जमा राशियां		
- सरकारी विभाग	-	-
- अन्य	-	-
कुल - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां - संदिग्ध		
सकल योग - अन्य वित्तीय अन्य	7,837.76	16,815.61

फुट नोट

1. वित्तीय परिसंपत्तियां -निर्माण संविदा राजमार्ग है, जिसका निर्माण हाइब्राइड एनिविटी मोड (एचएएम) के माध्यम से आईडीएचएचएल द्वारा किया जा रहा है (नोट 23 का संदर्भ लें)।

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

7 चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
टीडीएस एवं अग्रिम कर सहित प्रदत्त कर (कर हेतु प्रावधान का निवल)	518.27	678.50
चालू कर परिसंपत्तियां निवल	518.27	678.50

8 अन्य चालू परिसंपत्तियां

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
अरक्षित - वसूली योग्य		
क) पूंजीगत अग्रिमों से इतर अग्रिम सामग्री और मशीनरी के प्रति ठेकेदारों को अग्रिम	-	-
ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं और अन्यों से अग्रिम - संबंधित पक्ष	-	1,382.53
अग्रिम वसूलीयोग्य -		
- वस्तु एवं सेवाकर	4,721.28	4,736.59
आयकर प्रतिपूर्ति पर संचित ब्याज	20.46	-
कुल - पूंजीगत अग्रिम से इतर अग्रिम	4,741.74	6,119.12
ख) अन्य		
प्रदत्त व्यय	1.92	17.99
कुल - अन्य	1.92	17.99
ग) संचित किन्तु अदेय ब्याज		
इरकॉन को मोबिलाइजेशन अग्रिम पर	-	-
घ) संदिग्ध समझे गए		
ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं और अन्यों को अग्रिम	-	-
बिक्री कर (टीडीएस सहित)	-	-
अन्य	-	-
मूल्य संवर्धन कर	-	-
घटा: संदिग्ध अग्रिमों के लिए हानि प्रावधान	-	-
कुल - संचित किन्तु अदेय ब्याज	-	-
सकल योग	4,743.66	6,137.11

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

9 इक्विटी शेयर पूंजी

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
प्राधिकृत शेयर पूंजी प्रति 10 रूपए के 21,70,50,000 इक्विटी शेयर	21,705.00	21,705.00
जारी/अंशदायी और प्रदत्त पूंजी प्रति 10 रूपए के 16,40,50,000 के पूर्णत प्रदत्त इक्विटी शेयर	16,405.00	16,405.00
कुल	16,405.00	16,405.00

कंपनी में शेयरधारकों के धारण का ब्यौरा

शेयरधारकों का नाम	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
	शेयरों की संख्या	श्रेणी में प्रतिशत धारिता	शेयरों की संख्या	श्रेणी में प्रतिशत धारिता
इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड - धारक कंपनी (इरकॉन)	164,050,000	100	164,050,000	100
कुल	164,050,000	100	164,050,000	100

रिपोर्टिंग तिथि से तत्काल पूर्व पांच वर्ष की अवधि के दौरान शेयरों की समग्र संख्या के रूप में जारी किए गए इक्विटी शेयरों, नकदी से इतर अन्य जारी किए गए शेयर

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020	31 मार्च 2019	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
रोकड़ से इतर जारी इक्विटी शेयर	-	-	-	-	-
बोनस शेयरों के रूप में जारी इक्विटी शेयर	-	-	-	-	-
इक्विटी शेयर बायबैक	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-

इक्विटी शेयरों से संबद्ध शर्तें/अधिकार:

(क) मतदान :

कंपनी के पास इक्विटी शेयरों का केवल एक वर्ग है जिसका प्रति शेयर 10 रुपये का सममूल्य मूल्य है। इक्विटी शेयर का प्रत्येक धारक प्रति शेयर एक वोट का हकदार है।

(ख) परिसमापन:

कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, इक्विटी शेयरों के धारक सभी प्रेफरेंशियल राशियों के संवितरण के पश्चांत, कंपनी की शेष संपत्ति प्राप्त करने के हकदार होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

(ग) लाभांश :

निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक साधारण बैठक में शेयरधारकों के अन्मोदन में अध्याधीन है।

वर्ष के आरंभ और अंत में इक्विटी शेयरों की संख्या और बकाया शेयर पूंजी का विनियोजन

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021		31 मार्च 2020	
	शेयरों की संख्या	लाख रूपए में	शेयरों की संख्या	लाख रूपए में
वर्ष के आरंभ में जारी/अंशदायी और प्रदत्त इक्विटी शेयर	164,050,000	16,405.00	104,050,000	10,405.00
जमा: वर्ष के दौरान जारी शेयर	-	-	60,000,000	6,000.00
घटा: वर्ष के दौरान बाय बैंक शेयर	-	-	-	-
वर्ष के अंत में जारी/अंशदायी और प्रदत्त इक्विटी शेयर	164,050,000	16,405.00	164,050,000	16,405.00

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

10 अन्य इक्विटी

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
(क) प्रतिधारण आमदनी		
आरंभिक शेष	354.82	277.38
जमा: लाभा और हानि विवरण में अतिरिक्त से अंतरित	64.74	77.44
घटा: निगमित लाभांश कर सहित वर्ष के दौरान घोषित और प्रदत्त निगमित लाभांश कर	-	-
समापन शेष	419.56	354.82
(ख) सामान्य आरक्षित निधि		
आरंभिक शेष	-	-
समापन शेष	-	-
(ग) पूंजी रिडेंप्शन आरक्षित निधि		
आरंभिक शेष	-	-
जमा: इक्विटी शेयरों के बायबैक हेतु अंतरण	-	-
समापन शेष	-	-
(घ) अन्य वृहत आय मर्दे		
आरंभिक शेष	-	-
विदेशी मुद्रा अंतरण (कर का निवल)	-	-
समापन शेष	-	-
सकल योग	419.56	354.82

अन्य आरक्षित निधियों की प्रकृति और प्रयोजन:

(क) प्रतिधारित आमदनियां

प्रतिधारित आमदनियों में कंपनी के अवितरित लाभ शामिल हैं।

11 वित्तीय देयताएं (गैर चालू)

11.1 ऋण

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
रक्षित:		
धारक कंपनी (इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड) से ऋण*	-	26,922.00
पंजाब नेशनल बैंक से ऋण**	31,209.15	-
अरक्षित:		
धारक कंपनी (इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड) से ऋण*	2,646.00	-
कुल	33,855.15	26,922.00

नोट:

रक्षित ऋण

* धारक कंपनी (इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड) से ऋण की निबंधन और शर्तें :

अनुमोदित- 503.00 करोड़ रूपए

(i) ऋण पर प्रभारित ब्याज दर का भुगतान समय-समय पर प्रचलित एसबीआई एमसीएलआर की दर जमा 0.50% पर करेगी।

(ii) ऋण संवितरण की अवधि इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 30 महीने की अवधि के लिए होगी।

(iii) सावधि ऋण 10.5 वर्षों में चुकाया जाएगा जो दिनांक 1 अप्रैल 2021 से शुरू होगा।

(iv) ब्याज का भुगतान प्रत्येक माह के अंतिम दिन मासिक आधार पर किया जाएगा।

(v) ऋण को उधारकर्ता की आवश्यकता के अनुसार किशतों में संवितरित किया जाएगा।

(vi) परियोजना के निर्माण में लिया गया वास्तविक समय इस शर्त के अधीन अधिस्थगन अवधि होगा बशर्ते स्थगन अवधि इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(vii) ऋण को सुरक्षित किया जाएगा-

(क) पहले बंधक और सभी उधारकर्ता की अचल संपत्तियों पर शुल्क प्रभारित किया जाएगा, दोनों वर्तमान और भविष्य की बचत सहित और परियोजना की संपत्ति को छोड़कर।

(ख) सभी उधारकर्ताओं की मूर्त चल संपत्ति पर पहला शुल्क।

(ग) उधारकर्ता के सभी बैंक खातों पर पहला शुल्क।

(घ) रियायत समझौते के अनुच्छेद 25 और एस्करो समझौते के अनुच्छेद 4 में निर्दिष्ट अनुसार भुगतान की प्राथमिकता की सीमा तक लागू किया जाएगा।

(ङ.) ऋण लेने वाले के सभी सूचना-पत्रों पर शुल्क

(च) सुरक्षित ब्याज के सृजन के माध्यम से शुल्क:

(i) परियोजना दस्तावेजों के तहत और इसके अंतर्गत, उधारकर्ता के अधिकार, टाइटल, ब्याज, लाभ, दावे और मांगें।

(ii) सभी अनुमोदन और बीमा अनुबंधों के तहत, उधारकर्ता के अधिकार, शीर्षक, ब्याज, लाभ, दावे और मांगें।

(iii) किसी भी पक्ष द्वारा परियोजना दस्तावेजों को प्रदान किए गए, ठेकेदार और परिसमापक और तरल क्षति और निष्पादन बांड सहित किसी भी पत्र के तहत, उधारकर्ता के अधिकार, शीर्षक, ब्याज, लाभ, दावे और मांगें।

**** पंजाब नेशनल बैंक की निबंधन और शर्तों**

अनुमोदित :- 502.76 करोड रूपए

(i) ऋण पर प्रभारित ब्याज दर 1 वर्ष की एमसीएलआर (7.35%-सितंबर2020)+0.60% अर्थात 7.95% प्रति वर्ष होगी। वर्तमान में समय-समय पर परिवर्तन के अधीन है।

(ii) पुनर्भुगतान अवधि 10 वर्ष और 6 महीने होगी (24.04.2021 से शुरू होकर और 24.04.2031 को अंतिम किस्त)

(iii) सावधि ऋण की पुनर्भुगतान दिनांक 24 अप्रैल 2021 से 42 तिमाही किस्तों में किया जाएगा।

(iv) ब्याज का भुगतान देय होने पर किया जाएगा।

(v) मेसर्स इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (रेटेड केयर एएए) की बिना शर्त और अपरिवर्तनीय कॉर्पोरेट गारंटी द्वारा समर्थित मीयादी ऋण

(vii) ऋण निम्नलिखित द्वारा रक्षित किया जाएगा-

(क) पहले शुल्क का भुगतान कंपनी की सभी अचल संपत्ति / चल संपत्ति (परियोजना संपत्ति के अलावा अन्य; संचालन चरण में कंपनी के मुक्त प्रवाह से प्राप्त किए गए को छोड़कर) के हाइपोथिकेशन के माध्यम से किया जाएगा और समय-समय पर ऋणदाता को इसे सूचित किया जा रहा है।

(ख) परियोजना के पुस्तक ऋण पर पहला प्रभार, नकदी प्रवाह, प्राप्य, कमीशन, जो भी प्रकृति का राजस्व और जहां भी उत्पन्न होता है, वर्तमान और भविष्य की अमूर्त, सद्भावना और अवांछित पूंजी (वर्तमान और भविष्य) का संचालन।

(ग) परियोजना बैंक खाते पर पहला प्रभार, जिसमें नामित बैंक में खोले गए एस्करो खाते तक

सीमित नहीं है, जहां परियोजना से सभी नकदी प्रवाह जमा किया जाएगा और आय का उपयोग ऋणदाता द्वारा तय की जाने वाली प्राथमिकता और तरीके से किया जाएगा।

(घ) उधारकर्ता के पक्ष में परियोजना से संबंधित किसी भी अनुबंध के लिए परियोजना, साख पत्र (यदि कोई हो) से संबंधित सभी समझौतों के तहत कंपनी के सभी अधिकारों और ब्याज का निर्धारण, और किसी भी पक्ष द्वारा प्रदान की गई गारंटी और निष्पादन बांड।

(ड.) सुविधा के लिए ऋणदाता की ओर से प्राधिकरण द्वारा निष्पादित प्रतिस्थापन समझौता।

(च) सभी लागू बीमा पॉलिसियों का समनुदेशन।

अरक्षित ऋण

*****होलडिंग कंपनी (इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड) से ऋण के नियम और शर्तें**

अनुमोदित :-26.46 करोड़ रूपए

(i) ऋण पर वसूल की जाने वाली ब्याज दर समय-समय पर प्रचलित एसबीआई की एक वर्ष की एमसीएलआर दर और 0.50% होगी।

(ii) ऋण संवितरण की अवधि इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 6 महीने की अवधि होगी।

(iii) गैर-जमानती ऋण को सीओडी से 12 वर्ष बाद शुरू होने वाले 2.5 वर्षों में संरचित अर्धवार्षिक किश्तों में चुकाया जाएगा।

(iv) ब्याज की गणना मासिक आधार पर की जाएगी और छमाही किश्तों में देय होगी।

12 वित्तीय देयताएं (चालू)

12.1 व्यापार प्राप्य

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम (संदर्भ नोट सं. 31)		-
अन्य:		
(क) ठेकेदार व आपूर्तिकर्ता	-	0.16
(ख) संबंधित पक्ष - इरकॉन	5,656.61	2,534.71
कुल	5,656.61	2,534.87

13 अन्य वित्तीय देयताएं

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
दीर्घकालीन ऋण की चालू परिपक्वताएं*	1,884.00	-
ऋणों पर संचित ब्याज*	223.45	-
ग्राहकों से अग्रिम पर देय ब्याज	-	447.71
अन्य देय (स्टाफ देय सहित)	1,452.85	62.91
कुल	3,560.30	510.62

*विवरण के लिए नोट-11.1 का संदर्भ लें

14 अन्य चालू देयताएं

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
क) संविदागत देयताएं		
ग्राहकों से अग्रिम	-	2,942.50
अग्रिम संविदा पावतियां	-	-
ख) अन्य		
सांविधिक देय	148.37	460.97
कुल	148.37	3,403.47

नोट

क) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और अन्य सांविधिक देयों हेतु देयता सहित सांविधिक देय ।

15 प्रचालनों से राजस्व

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त अवधि हेतु
एससीए के अंतर्गत निर्माण संविदा राजस्व (संदर्भ नोट 23)	19,306.31	39,283.50
कुल	19,306.31	39,283.50

16 अन्य आय

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त अवधि हेतु
ब्याज आय:		
मोबिलाइजेशन अग्रिमों पर अर्जित ब्याज आय	-	416.05
घटा:- ग्राहकों से मोबिलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज लागत	-	-341.16
बैंक ब्याज सकल	36.52	38.77
आयकर रीफंड पर ब्याज	52.85	-
स्टाफ अग्रिम पर ब्याज	0.05	-
कुल	89.42	113.66

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड

सीआईएन- U45500DL2017GOI317401

31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

17 परियोजना एवं अन्य व्यय

(रूपए लाख में)

विवरण	परियोजना व्यय		अन्य व्यय	
	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
कार्य व्यय	16,345.35	37,185.90	-	-
निरीक्षण भू तकनीकी अन्वेषण और सर्वेक्षण आदि	136.24	251.07	-	-
निवल विनिमय उच्चावचन	-	-	-	-
किराया - गैर आवासीय	2.73	2.73	-	-
उर्जा, बिजली और जल प्रभार	7.43	-	-	-
बीमा	54.75	31.89	-	-
यात्रा एवं कन्वेयेंस	0.19	0.36	-	-
मुद्रण एवं स्टेशनरी	0.09	0.24	-	-
डाक, टेलीफोन व टैलेक्स	-	-	-	-
विधिक एवं व्यावसायिक प्रभार	9.86	19.07	0.24	0.24
लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	-	-	1.25	0.95
विविध व्यय	0.05	0.04	-	-
	-	-	-	-
कुल	16,556.69	37,491.30	1.49	1.19

(i) सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
(क) लेखापरीक्षा शुल्क - चालू	0.65	0.50
(ख) सीमित समीक्षा शुल्क	0.30	0.30
(ग) कर लूखापरीक्षा शुल्क - चालू वर्ष	0.15	0.15
(घ) प्रमाणन शुल्क	0.15	-
कुल	1.25	0.95

18 कर्मचारी पारिश्रमिक एवं लाभ

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु			31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु		
	प्रचालनिक	अन्य (प्रशासनिक)	कुल	प्रचालनिक	अन्य (प्रशासनिक)	कुल
वेतन, पारिश्रमिक और बोनस	37.46	-	37.46	28.71	-	28.71
भविष्य निधि एवं अन्य निधियों	3.67	-	3.67	2.69	-	2.69
विदेशी सेवा अंशदान	-	-	-	-	-	-
सेवानिवृत्ति लाभ	3.33	-	3.33	2.26	-	2.26
कुल	44.46	-	44.46	33.66	-	33.66

19 वित्तीय लागत

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
व्याज व्यय (इरकॉन से ऋण)	1,869.68	1,751.41
अन्य ऋण लागत	-	-
बैंक ऋण पर ब्याज (पीएनबी)	658.88	-
बैंक गारंटी और अन्य प्रभार	139.84	6.99
ग्राहकों से मोबिलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज लागत	97.33	-
घटा:- मोबिलाइजेशन अग्रिम पर अर्जित ब्याज आय	-60.70	36.63
टीडीएस पर ब्याज	1.06	-
कुल	2,706.09	1,758.40

20 मूल्यहास, परिशोधन एवं हानि

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण	0.13	0.12
कुल	0.13	0.12

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय विवरणों के नोट

21 प्रति शेयर आमदनी

इंड एस 33 "प्रति शेयर आमदनी " के अनुसार प्रकटन।

मूल ईपीएस की गणना वर्ष के दौरान इक्विटी धारकों के कारण होने वाले लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

विलयित ईपीएस की गणना इक्विटी धारकों के लिए वर्ष हेतु लाभ को विभाजित करके गणना की जाती है, जिसे वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या के विलयित प्रभाव और शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या पर विचार करके किया जाता है, जिसे सभी विलयित संभावित इक्विटी शेयरों को इक्विटी शेयरों में परिवर्तन पर जारी किया जाता है।

(i) मूल और विलयित प्रति शेयर आमदनियां (रूप में)

विवरण	नोट	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
इक्विटी शेयरधारकों के प्रति लाभ (रूप लाख में)	(ii)	64.74	77.44
मूल और विलयित ईपीएस हेतु इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	(iii)	164050000	136926712
प्रति शेयर आमदनी (मूल)		0.04	0.06
प्रति शेयर आमदनी (विलयित)		0.04	0.06
प्रति शेयर फेस मूल्य		10.00	10.00

(ii) इक्विटी शेयरधारकों के प्रति लाभ (न्युमरेटर के रूप में प्रयुक्त) (रूप लाख में)

(रूप लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
लाभ एवं हानि विवरण के अनुसार वर्ष हेतु लाभ	64.74	77.44
ईपीएस के परिकलन हेतु प्रयुक्त कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के प्रति लाभ :	64.74	77.44

(iii) इक्विटी शेयरों की वेडिड औसत संख्या (डिनामिनेटर के रूप में प्रयुक्त) (संख्या)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
जारी इक्विटी शेयरों का आरंभिक शेष	164,050,000.00	104,050,000.00
वर्ष के दौरान जारी इक्विटी शेयर	-	32,876,712.33
मूल ईपीएस के परिकलन हेतु प्रयुक्त कंपनी के इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	164,050,000.00	136,926,712.33
विलयन प्रभाव		
जमा: वर्ष के दौरान बकाया संभावित इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या		
मूल ईपीएस के परिकलन हेतु प्रयुक्त कंपनी के इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	164,050,000.00	136,926,712.33

22: वर्ष के दौरान संबंधित पार्टी संव्यवहारों का विवरण

क) प्रमुख प्रबंधन कार्मिक:

(i) इरकॉन से निदेशक : श्री अशोक कुमार गोयल (11 मई 2017 से), श्री सुराजीत दत्ता (5 सितंबर 2019 से), श्री श्याम लाल गुप्ता (1 नवंबर 2019 से), श्री राजेन्द्र सिंह यादव (27 जनवरी 2020 से 31 अक्टूबर 2020) एवं श्री बसंत कुमार (19 सितंबर 2019 से 31 जुलाई 2020)।

(ii) अन्य: श्री नगनगौड़ा हनुमंथगौड़ा पाटिल, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (18 जुलाई, 2018 से), सुश्री कृतिका गुप्ता मुख्य वित्त अधिकारी (19 अगस्त 2019 से), सुश्री रचना तोमर, मुख्य वित्तीय अधिकारी (31 मार्च 2020 से 18 अगस्त 2020 तक) और सुश्री पूजा रस्तोगी, कंपनी सचिव (01 अप्रैल 2019 से)।

(ख) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का पारिश्रमिक निम्नानुसार है:

(रूपे लाख में)

क्र.सं	विवरण	31.03.2021 तक की अवधि के दौरान	31.03.2020 तक की अवधि के दौरान
1	अल्पकालीन कर्मचारी लाभ	37.46	28.71
2	नियोजन पश्चात लाभ	3.67	2.69
3	बैठक शुल्क	-	-
4	अन्य दीर्घकालीन कर्मचारी लाभ	3.33	2.26
कुल		33.66	44.46

(ग) वर्ष के दौरान संबंधित पक्ष संव्यवहारों का ब्यौरा

(रूपे लाख में)

संबंधित पक्ष का नाम	विवरण	संव्यवहार रूपे में		बकाया राशि	
		31.03.2021 तक की अवधि के दौरान	31.03.2020 तक की अवधि के दौरान	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (धारक कंपनी)	इक्विटी में निवेश	-	6,000.00	16,405.00	16,405.00
	ऋण	8,396.00	13,922.00	2,646.00	26,922.00
	अन्य देय	5,656.61	2,534.71	5,656.61	2,534.71
	अन्य वसूलीयोग्य	-	1,382.53	-	1,382.53
	सेवाएं प्रदान करना				
	कार्य संविदा	16,345.35	37,185.90	-	-
	किराया	2.73	2.73	-	-
	ऋण पर ब्याज - व्यय	1,869.68	1,751.41	-	-
	मोबिलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज-आय	60.70	416.05		
	व्यय की प्रतिपूर्ति	17.62	13.34	-	-

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों पर नोट

23: सेवा रियायत व्यवस्थाएं

सार्वजनिक से निजी सेवा रियायत की व्यवस्था को परिशिष्ट "ग" के अनुसार दर्ज किया जाता है - सेवा रियायत व्यवस्था (इंड एस -115)। परिशिष्ट "ग" यदि लागू हो:

क) गारंटर नियंत्रित और विनियमित करेगा कि प्रचालक आधारभूत सुविधाओं के साथ कौन-सी सेवाएं प्रदान करेगा, ये सेवाएं किसके लिए प्रदान की जाएंगी और किस कीमत पर इन्हें प्रदान की जाएंगी; तथा

ख) गारंटर स्वामित्व, लाभकारी पात्रता, या अन्यथा व्यवस्था की अवधि के अंतर्गत अवसंरचना में किसी महत्वपूर्ण अवशिष्ट हित के माध्यम से नियंत्रित करेगा।

यदि उपरोक्त दोनों शर्तों को एक साथ पूरा किया जाता है, तो एक वित्तीय परिसंपत्ति को इस स्तर तक स्वीकार किया जाएगा कि प्रचालक को सेवा के लिए या गारंटर के विवेक पर नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने विशेषाधिकार होगा।

इन वित्तीय परिसंपत्तियों को आरंभिक लागत पर स्वीकार किया जाएगा, जो प्रचालकों के कारण प्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध सेवाओं के उचित मूल्य जमा अन्य प्रत्यक्ष लागतों पर होगी। इन्हें तत्पश्चात प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में परिशोधित लागत पर लेखांकित किया जाएगा।

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (आईडीएचएचएल) ने दिनांक 19.06.2017 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ सेवा रियायत की व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसके संदर्भ में रियायत करार की शर्तों के अनुसार एनएचपीडी चरण-V के अंतर्गत अभिकल्प, निर्माण, वित्तपोषण, प्रचालन तथा अंतरण (डीबीएफओटी) पर हाइब्राइड वार्षिकी परियोजना के रूप में निष्पादित किए जाने हेतु कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) पर किमी 260.00 से किमी 338.923 तक (लगभग 78.923 किमी) खंड सहित देवांगेरे - हवेरी को छह लेन का बनाने का कार्य सौंपा गया है। उक्त समझौते के संदर्भ में, आईडीएचएचएल के पास देवांगेरे हवेरी खंड के छह लेनिंग की परियोजना के निर्माण को पूरा करने और परियोजना की संपत्ति, जिनके जीवन की अवधि समाप्त हो गई है, सहित सभी परियोजनाओं संपत्ति को उचित कार्यशील स्थिति में रखने का दायित्व है। परियोजना वार्षिकी पैटर्न पर आधारित है।

रियायत की अवधि नियत तिथि से 15 वर्ष होगी। रियायत अवधि के अंत में, परिसंपत्तियों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को वापस स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

समझौते के संदर्भ में महत्वपूर्ण उल्लंघन के मामले में एनएचएआई और इरकॉनडीएचएचएल के पास इस समझौते के अनुसार चूक की घटना का समाधान करने में सक्षम न होनी की स्थिति में समझौते को समाप्त करने का अधिकार है।

कंपनी ने संविदा की शर्तों के अनुसार लक्ष्यों के पूरा होने पर एनएचएआई से प्राप्तियों को ध्यान में रखते हुए दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त अवधि तक सेवा रियायत समझौते के तहत 46379.32 लाख रूपए की वित्तीय संपत्ति को स्वीकार किया है। कंपनी ने 31 मार्च, 2021 तक एससीए के तहत सड़क के निर्माण पर 19306.31 लाख रुपये के राजस्व को इंड एस के अनुसार "ग्राहकों से राजस्व" के रूप में इंड एस-115 के तहत स्वीकार किया है। कंपनी ने सेवा रियायत व्यवस्था के तहत प्राप्य को स्वीकार किया है और इन्हें अन्य वित्तीय चालू परिसंपत्तियों के तहत दर्शाया गया है, जिसे दिनांक 31 मार्च, 2021 को लक्ष्य की समाप्ति के आधार पर संविदा की शर्तों के अनुसार प्राप्त किया जाएगा।

इंड एस-115 के परिशिष्ट-घ के संदर्भ में प्रकटीकरण

कंपनियों (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2016 में अधिसूचित अनुसार, इंड एस-115: ग्राहकों से राजस्व में परिशिष्ट-घ में अपेक्षित प्रकटनों के अनुसार, तुलन पत्र की तारीख को वित्तीय विवरणों में विचाराधीन राशि निम्नानुसार है: -

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
स्वीकृत संविदा राजस्व	19,306.31	39,283.50
वहन लागत का सकल मूल्य	19,306.31	39,283.50
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम की राशि		2,942.50
ग्राहकों द्वारा प्रतिधारित राशि	-	-
वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए निर्माण सेवा के विनिमय हेतु अवधि के दौरान स्वीकृत लाभ/(हानि)		
संविदागत कार्या हेतु ग्राहकों से देय सकल राशि	4,182.91	792.02

इरकॉन देवांगेरे हवेली राजमार्ग लिमिटेड
सीआईएन- U45500DL2017GOI317401
31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय विवरणों के नोट

24. उचित मूल्य मापन

(i) वित्तीय माध्यमों का श्रेणीवार वर्गीकरण

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को इन वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य पर मापा जाता है और उन्हें उचित मूल्य पदानुक्रम के तीन स्तरों में वर्गीकृत किया जाता है। तीन स्तरों को माप के लिए महत्वपूर्ण आदानों के अवलोकन के आधार पर परिभाषित किया गया है:

स्तर 1: समान संपत्ति या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (अनुचित)

स्तर 2: स्तर 1 के भीतर शामिल किए गए उद्धृत मूल्य के अतिरिक्त अन्य इनपुट जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपत्ति या देयता के लिए अवलोकन योग्य हैं।

स्तर 3: संपत्ति या देयता के लिए अप्रचलित इनपुट

क) दिनांक 31 मार्च, 2021 तक श्रेणियों के अनुसार वित्तीय साधनों के मूल्य और उचित मूल्य इस प्रकार हैं:

(रूपए लाख में)

विवरण	वहन मूल्य	उचित मूल्य		
		स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
लाभ हानि के माध्यम से उचित मूल्य ('एफवीटीपीएल') पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
म्युचुवल फंड में निवेश	-	-	-	-
कुल				
परिशोधित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
(i) निवेश	-	-	-	-
कर मुक्त बांडों में निवेश	-	-	-	-
(ii) ऋण	-	-	-	-
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	46,406.03	-	-	46,406.03
कुल	46,406.03	-	-	46,406.03

(रूपए लाख में)

विवरण	वहन मूल्य	उचित मूल्य		
		स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परिशोधित मूल्य पर वित्तीय देयताएं				
(i) कर्ज	33,855.15	-	-	33,855.15
(ii) अन्य वित्तीय देयताएं	3,560.30	-	-	3,560.30
कुल	37,415.45	-	-	37,415.45

ख) दिनांक 31 मार्च 2020 को श्रेणियों द्वारा वित्तीय माध्यमों का वहन मूल्य और उचित मूल्य निम्नानुसार है:

(रूपए लाख में)

विवरण	वहन मूल्य	उचित मूल्य		
		स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
लाभ हानि के माध्यम से उचित मूल्य ('एफवीटीपीएल') पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
म्युचुवल फंड में निवेश	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-
परिशोधित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
(i) निवेश	-	-	-	-
कर मुक्त बांडों में निवेश	-	-	-	-
(ii) ऋण	-	-	-	-
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	42,289.92	-	-	42,289.92
कुल	42,289.92	-	-	42,289.92

(रूपए लाख में)

विवरण	वहन मूल्य	उचित मूल्य		
		स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परिशोधित मूल्य पर वित्तीय देयताएं				
(i) कर्ज	26,922.00	-	-	26,922.00
(ii) अन्य वित्तीय देयताएं	510.62	-	-	510.62
कुल	27,432.62			27,432.62

"प्रबंधन ने मूल्यांकन किया कि नकदी और नकद समतुल्य, व्यापार प्राप्त, व्यापार देयताएं और अन्य वर्तमान वित्तीय देनदारियां अल्पावधि के कारण बड़े पैमाने पर इन माध्यमों के अल्पकालीन परिपक्वता के कारण किया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का उचित मूल्य उस राशि में शामिल है, जिस सहमत पक्षों के बीच मौजूदा लेनदेन में माध्यम के रूप में आदान-प्रदान किया जा सकता है। उचित मूल्यों का अनुमान लगाने के लिए निम्नलिखित विधियों और मान्यताओं का उपयोग किया गया था:

i) म्यूचुअल फंड इकाइयों में निवेश का उचित मूल्य निवल परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) पर आधारित है, जैसा कि तुलन पत्र की तारीख में प्रकाशित विवरणों में इन म्यूचुअल फंड इकाइयों के जारीकर्ताओं द्वारा कहा गया है। एनएवी उस मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है, जिस पर जारीकर्ता म्यूचुअल फंड आगे की इकाइयाँ जारी करेगा और जिस मूल्य पर जारीकर्ता ऐसी इकाइयों को निवेशकों से भुनाएगा।

(ii) कंपनी द्वारा ब्याज दरों, विशिष्ट देश जोखिम कारकों और अन्य जोखिम कारकों जैसे मापदंडों पर दीर्घकालिक परिवर्तनीय दर उधार का मूल्यांकन किया जाता है। इस मूल्यांकन के आधार पर ऐसे भुगतानों का उचित मूल्य उनकी वहन राशि से भौतिक रूप से भिन्न नहीं है।

* वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2019-20 के दौरान, स्तर 1, स्तर 2 और स्तर 3 के उचित मूल्य माप के बीच कोई स्थानान्तरण नहीं हुआ।

ख. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

कंपनी की प्रमुख वित्तीय देनदारियां, ऋण और अन्य वित्तीय देनदारियां हैं। कंपनी की प्रमुख वित्तीय परिसंपत्तियों में एनएचएआई से रोकड़ और रोकड़ समतुल्य और वसूली योग्य राशियां शामिल हैं जो सीधे इसके प्रचालन से प्राप्त होते हैं। कंपनी की गतिविधियाँ विभिन्न प्रकार के वित्तीय जोखिमों को प्रस्तुत करती हैं: जैसे बाजार जोखिम, ऋण जोखिम और तरलता जोखिम।

क) बाजार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो बाजार की कीमतों में परिवर्तन के कारण वित्तीय साधनों के भावी रोकड़ प्रवाह के उचित मूल्य में उतार-चढ़ाव उत्पन्न करता है। बाजार जोखिम में विदेशी मुद्रा जोखिम ब्याज दर जोखिम शामिल है। बाजार जोखिम से प्रभावित वित्तीय साधनों में कर्ज, व्यापार प्राप्त, व्यापार देय और अन्य गैर-डेरिवेटिव वित्तीय साधन शामिल हैं।

i) ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है जो बाजार के ब्याज दर में परिवर्तन के कारण वित्तीय साधनों के भावी रोकड़ प्रवाह के उचित मूल्य में उतार-चढ़ाव उत्पन्न करता है। कंपनी अपने ब्याज जोखिम का प्रबंधन कंपनियों की नीतियों और जोखिम उद्देश्य के अनुसार करती है। ब्याज दर जोखिम से प्रभावित वित्तीय साधनों में बैंकों के पास जमा राशि शामिल है। इन वित्तीय साधनों पर ब्याज दर का जोखिम बहुत कम है, क्योंकि वित्तीय साधनों की अवधि के लिए ब्याज दर निर्धारित है।

ख) ऋण जोखिम

कंपनी का ग्राहक सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत एनएचएआई है। तदनुसार, कंपनी का ग्राहक ऋण जोखिम कम है। कंपनी का औसत परियोजना निष्पादन चक्र लगभग 24 से 36 महीने है। सामान्य भुगतान शर्तों में मोबिलाइजेशन अग्रिम, 45 से 60 दिनों की क्रेडिट अवधि के साथ मासिक प्रगति भुगतान और परियोजना के अंत में जारी किए जाने वाले कुछ अवधारण पैसे शामिल हैं। कुछ मामलों में बैंक/निगमित गारंटी के साथ प्रतिधारण प्रतिस्थापित किया जाता है। कंपनी के पास संगठन के भीतर विभिन्न स्तरों पर अतिदेय ग्राहक प्राप्तियों की एक विस्तृत समीक्षा तंत्र है जो वसूली हेतु उचित ध्यान केंद्रित करता है।

व्यापार और अन्य प्राप्य

ऋण जोखिम के प्रति कंपनी का खतरा मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राहक की व्यक्तिगत विशेषताओं से प्रभावित होता है। ग्राहक की जनसांख्यिकी, जिसमें उद्योग और उस देश का डिफॉल्ट जोखिम शामिल है, जिसमें ग्राहक प्रचालन करता है, का भी ऋण जोखिम मूल्यांकन पर प्रभाव पड़ता है।

ऋण जोखिम का खतरा

(रूपए लाख में)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
वित्तीय परिसंपत्तियां जिसके लिए जीवनकाल संभावित ऋण घाटा (एलईसीएल) के प्रयोग द्वारा राशि का मापन किया जाता है		-
गैर चालू वित्तीय परिसंपत्तियां	-	-
अन्य गैर चालू वित्तीय परिसंपत्तियां	38,568.27	25,474.31
चालू निवेश	-	-
रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	1,541.07	219.17

अन्य बैंक शेष	2,646.00	-
चालू ऋण	-	-
अन्य चालू वित्तीय परिसंपत्तियां	7,837.76	16,815.61
वित्तीय परिसंपत्तियां जिसके लिए सरलीकृत परिदृश्य के प्रयोग द्वारा राशि का मापन		
व्यापार प्राप्त	4,182.91	792.02
संविदगत परिसंपत्तियां	-	-

सरलीकृत परिदृश्य के प्रयोग द्वारा घाटा प्रावधानों के मापन में परिवर्तन का सार

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
आरंभिक प्रावधान	-	-
वर्ष के लिए प्रावधान	-	-
वर्ष के दौरान उपयोग	-	-
बट्टा खाता राशि	-	-
समापन प्रावधान	-	-

वर्ष के दौरान, कंपनी द्वारा स्वीकृत घाटा प्रावधान शून्य लाख रूपए (31 मार्च, 2020 : शून्य लाख रूपए)।

जीवनकाल संभावित ऋण घाटा (एलईसीएल) के प्रयोग द्वारा मापित घाटा प्रावधान में परिवर्तन का सार

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
आरंभिक प्रावधान	-	-
वर्ष के दौरान प्रावधान	-	-
वर्ष के दौरान उपयोग	-	-
बट्टा राशि	-	-
(विनिमय लाभ)/घाटा	-	-
समापन प्रावधान	-	-

रिपोर्टिंग अवधि को दौरान अनुमान तकनीकों या मान्यताओं में अनुमानों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया गया था। वर्ष के दौरान, कंपनी ने शून्य लाख रूपए (31 मार्च 2020 : शून्य लाख रूपए) के घाटा प्रावधानों को स्वदीकार किया है।

ग) तरलता (नकदी) जोखिम

कंपनी पर्याप्त नकदी और विपणन योग्य प्रतिभूतियों को बनाए रखने और ऋण लाइनों की पर्याप्त मात्रा के माध्यम से वित्तपोषण तक पहुंच बनाकर तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है। कंपनी का निगमित ट्रेजरी विभाग तरलता (नकदी), वित्तपोषण और निपटान संबंधी प्रबंधन के लिए भी उत्तरदायी है। तरलता की स्थिति की समीक्षा करते समय वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों की परिपक्वता प्रोफाइल और तुलन पत्र तरलता अनुपात के रखरखाव पर विचार किया जाता है।

कंपनी की निवेश नीति और नीतिगत पूंजी के संरक्षण और कंपनी की तरलता आवश्यकताओं का समर्थन करती है। कंपनी का वरिष्ठ प्रबंधन अपनी निवेश नीति की देखरेख करती है और अपने निवेश उद्देश्यों को प्राप्त करती है। प्रमुख हानि के संभावित जोखिम को कम करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ, नीति में आम तौर पर निवेश ग्रेड की आवश्यकता होती है।

दिनांक 31 मार्च 2021 और 31 मार्च 2020 को महत्वपूर्ण वित्तीय देयताओं के संबंध में ब्यौरा निम्नानुसार है:

विवरण	31 मार्च, 2021 को		
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2 वर्ष और अधिक
कर्ज	1,884.00	1,884.00	31,971.15
व्यापार प्राप्य	5,656.61	-	-
अन्य वित्तीय देयताएं	1,676.30	-	-

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2020 को		
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2 वर्ष और अधिक
कर्ज		505.00	26,417.00
व्यापार प्राप्य	2,534.87	-	-
अन्य वित्तीय देयताएं	510.62	-	-

घ) अत्यधिक जोखिम संकेन्द्रण

जब कई समकक्ष समान व्यावसायिक गतिविधियों, या एक ही भौगोलिक क्षेत्र में गतिविधियों में लगे होते हैं, या आर्थिक विशेषताएं समान होती हैं, जो आर्थिक, राजनीतिक या अन्य स्थितियों में परिवर्तन से प्रभावित होने के लिए संविदात्मक दायित्वों को पूरा करने की उनकी क्षमता का कारण बनती हैं। सांद्रता किसी विशेष उद्योग को प्रभावित करने वाले विकास के लिए कंपनी के प्रदर्शन की सापेक्ष संवेदनशीलता को दर्शाती है।

जोखिम की अत्यधिक सांद्रता से बचने के लिए, कंपनी की नीतियों और प्रक्रियाओं में एक विविध पोर्टफोलियो के अनुरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश शामिल हैं। ऋण जोखिमों की पहचान की गई सांद्रता को उसी के अनुसार नियंत्रित और प्रबंधित किया जाता है। निम्नलिखित तालिका शीर्ष पांच परियोजनाओं से सृजित राजस्वों के संबंध में ब्यौरा प्रस्तुत करती है:

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु	
	31.03.2021	31.03.2020
शीर्ष 5 परियोजनाओं से राजस्व	19,306.31	39,283.50
	19,306.31	39,283.50

ग: पूंजी प्रबंधन

कंपनी का उद्देश्य अपनी क्षमता को बनाए रखना और सुरक्षित रखने की क्षमता के रूप में अपनी पूंजी का प्रबंधन करना है, ताकि कंपनी शेयरधारकों को अधिकतम प्रतिफल प्रदान कर सके और अन्य हितधारकों को लाभ दे सके। कंपनी ने निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार लाभांश का भुगतान इस प्रकार किया है: -

लाभांश :-

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
प्रदत्त लाभांश	-	-
कुल	-	-

इसके अतिरिक्त, कंपनी आर्थिक परिस्थितियों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं की आवश्यकताओं में परिवर्तन के आलोक में समायोजन करने के लिए अपनी पूंजी संरचना का प्रबंधन करती है।

कंपनी ने अपनी धारक कंपनी से वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 2646.00 लाख रुपये (पिछले वर्ष 13922 लाख रुपये) लिए हैं।

कंपनी ने पंजाब नेशनल बैंक से वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 33093.15 लाख रुपये (पिछले वर्ष शून्य रुपये) लिए हैं।

ऋण इक्विटी अनुपात:

विवरण	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
कर्ज (नोट सं. 11)	33,855.15	26,922.00
दीर्घकालीन ऋण	33,855.15	26,922.00
इक्विटी (नोट सं. 9)	16,405.00	16,405.00
अन्य इक्विटी (नोट सं. 10)	419.56	354.82
कुल इक्विटी	16,824.56	16,759.82
ऋण इक्विटी अनुपात	2.01	1.61

25: आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां:

(I) आकस्मिक देयताएँ:

(क) ऋण के रूप में स्वीकार न किए गए कंपनी के विरुद्ध दावे: शून्य रूपए (पिछला वर्ष: शून्य रूपए)।

(ख) वित्तीय गारंटी रहित गारंटी: शून्य (पिछले वर्ष : शून्य रूपए)।

(II) आकस्मिक संपत्ति: शून्य (पिछले वर्ष शून्य)।

26. प्रतिबद्धताएं:

क) संविदाओं की अनुमानित राशि, जिन्हें पूंजी खाते पर निष्पादित किया जाना है (अग्रिमों का निवल) 26682.60 लाख रूपए (पिछले वर्ष 41850.30 लाख रूपए)।

ख) अन्य प्रतिबद्धताएं: शून्य रूपए (पिछले वर्ष : शून्य)।

II. खंड रिपोर्टिंग:

प्रचालनिक सेगमेंट को एक उद्यम के घटकों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके लिए पृथक वित्तीय जानकारी उपलब्ध होती है जिसका मूल्यांकन नियमित रूप से मुख्य प्रचालन निर्णय निर्धारक (सीओडीएम) द्वारा किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संसाधनों का आवंटन कैसे किया जाए और निष्पादन का आकलन कैसे किया जाए। कंपनी का निदेशक मंडल मुख्य प्रचालन निर्णय निर्धारक (सीओडीएम) है। ऑपरेटिंग सेगमेंट को मुख्य प्रचालन निर्णय निर्धारक (सीओडीएम) को निष्पादन और संसाधनों के आवंटन के लिए प्रदान की गई आंतरिक रिपोर्टिंग के अनुरूप प्रदर्शित किया गया है।

कंपनी ने भौगोलिक परिदृश्य से प्रस्तुत योग्य प्रचालन सेगमेंटों का निर्धारण किया है।

कंपनी केवल भारत में प्रचालन कर रही है, जिसे एकल भौगोलिक खंड माना जाता है, इसलिए खंड रिपोर्टिंग की आवश्यकता नहीं है।

III. अन्य निकायों में ब्याज : शून्य रूपए (पिछले वर्ष शून्य रूपए)।

27. पट्टों के संबंध में प्रकटीकरण:

क. पट्टाधारी के रूप में:

कंपनी के पट्टे की व्यवस्था कर्मचारियों के आवासीय उपयोग और उसके मुख्य कार्यालय के लिए परिसर के संबंध में है। यह पट्टा व्यवस्था रद्द करने योग्य है और आमतौर पर पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर नवीकरणीय है, इसलिए यह इंड एस-116 के अनुसार अल्पकालिक पट्टों में शामिल किया गया है और कंपनी नोट -17 में अन्य खर्चों के तहत अपने किराये का खर्च में दर्शाती है। वर्ष के दौरान पट्टे के भुगतान की मात्रा इस प्रकार है:

(क) कर्मचारियों के आवासीय उपयोग के लिए परिसर के संबंध में पट्टा भुगतान (वसूली का निवल) - शून्य रूपए (पिछला वर्ष शून्य रूपए)।

(ख) कार्यालय परिसर, गेस्टहाउस और पारगमन शिविरों के संबंध में लीज भुगतान। 2.73 लाख रूपए (पिछले वर्ष: 2.73 लाख रूपये) (नोट-17 पर परियोजना व्यय और अन्य व्ययों सहित)।

ख. पट्टाकर्ता के रूप में - शून्य रूपए (पिछला वर्ष : शून्य रूपए)।

28. परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी की लेखांकन नीति के अनुसार इंड एस-36 "परिसंपत्तियों की हानि" के अनुपालन में, कंपनी ने वर्ष की समाप्ति पर परिसंपत्तियों की हानि, यदि कोई हो की समीक्षा की है। चूंकि हानि का कोई संकेत नहीं है, वर्ष के दौरान किसी प्रकार की हानि क्षति को स्वीकार नहीं किया गया है।

29. कर्मचारी लाभों

इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड में कार्यरत कर्मचारियों धारक कंपनी, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड से प्रतिनियुक्ति/सेगमेंट आधार पर तैनात किया गया है।

लेखांकन नीति के अनुसार प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों का प्रावधान इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा इंड एस-19 की शर्तों के अनुसार किया जा रहा है।

प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के भविष्य निधि अंशदान और पेंशन अंशदान को धारक कंपनी द्वारा नियमित रूप से भविष्य निधि ट्रस्ट में जमा कराया जाता है।

30. ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व पर इंड एस -115 के अंतर्गत प्रकटन

(क) राजस्व से असंयोजन

प्रचालनिक सेगमेंट और उत्पाद या सेवाओं के प्रकार के संबंध में ग्राहकों के साथ संविदाओं से कंपनी के राजस्व का असंयोजन निम्नानुसार है:

उत्पाद या सेवा का प्रकार	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु						
	इंड एस-115 के अनुसार राजस्व			निष्पादन दायित्वों के मापन हेतु विधि		अन्य राजस्व	लाभ व हानि के विवरण के अनुसार कुल
	घरेलू	विदेशी	कुल	इनपुट विधि	आउटपुट विधि		
रेलवे	-	-	-	-	-	-	-
राजमार्ग	19,306.31	-	19,306.31	19,306.31	-	-	19,306.31
इलैक्ट्रिकल	-	-	-	-	-	-	-
भवन	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	19,306.31	-	19,306.31	19,306.31	-	-	19,306.31

वर्ष के दौरान इंड एस 115 के अंतर्गत स्वीकृत कुल राजस्व में से, 19,306.31 लाख रूपए को समयावधि में स्वीकार किया गया है और शून्य रूपए को समय बिंदु पर स्वीकार किया गया है।

उत्पाद या सेवा का प्रकार	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु						
	इंड एस 115 के अनुसार राजस्व			निष्पादन दायित्वों के मापन हेतु विधि		अन्य राजस्व	लाभ व हानि के विवरण के अनुसार कुल
	घरेलू	विदेशी	कुल	इनपुट विधि	आउटपुट विधि		
रेलवे	-	-	-	-	-	-	-
राजमार्ग	39,283.50	-	39,283.50	39,283.50	-	-	39,283.50
इलैक्ट्रिकल	-	-	-	-	-	-	-
भवन	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	39,283.50	-	39,283.50	39,283.50	-	-	39,283.50

वर्ष के दौरान इंड एस 115 के अंतर्गत स्वीकृत कुल राजस्व में से, 39,283.50 लाख रूपए को समयावधि में स्वीकार किया गया है और शून्य रूपए को समय बिंदु पर स्वीकार किया गया है।

ख. संविदा शेष:

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
व्यापार प्राप्य (नोट 6)	4,182.91	792.02
संविदा परिसंपत्तियां (नोट 4 तथा 6)	46,379.32	42,288.60
संविदा दायित्व (नोट 14)	-	2,942.50

- (i) व्यापार प्राप्य बिना ब्याज के हैं और ग्राहक प्रोफाइल में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण शामिल है। कंपनी का औसत परियोजना निष्पादन चक्र 24 से 36 महीने का है। सामान्य भुगतान शर्तों में 45 से 60 दिनों की अवधि की ऋण अवधि सहित मासिक प्रगति भुगतान, मोबिलाइजेशन अग्रिम शामिल हैं।
- (ii) संविदा परिसंपत्तियों को उस अवधि के ऊपर स्वीकार किया जाता है, जिसमें सेवाएं निष्पादित की गई हैं ताकि ग्राहकों को अंतरित वस्तुओं या सेवाओं के लिए विनिमय में कंपनी के अधिकार को स्पष्ट किया जा सके। इसमें निर्माण संविदा के अंतर्गत ग्राहकों से देय शेष शामिल है, जो तब उत्पन्न होती हैं जब कंपनी संविदाओं की शर्तों के अनुसार ग्राहकों से धनराशि प्राप्त करती हैं। तथापि राजस्व को इनपुट विधि के अंतर्गत उक्त अवधि में स्वीकार किया जाता है। पूर्व में स्वीकृत संविदा परिसंपत्ति के रूप में और किसी भी राशि को संबंधित शर्तों के संतोषपूर्ण पूरा होने पर पुनः वर्गीकृत किया जाता है अर्थात् भावी सेवाएं जो बिल योग्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

वर्ष के दौरान संविदागत शेषों का संचलन

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
वर्ष के आरंभ में संविदागत परिसंपत्तियां	42,288.60	13,425.91
वर्ष के अंत में संविदागत परिसंपत्तियां	46,379.32	42,288.60
निवल वृद्धि/कमी	4,090.72	28,862.69

"वर्ष 2020-21 के लिए, पिछले वर्ष की तुलना में 4090.72 लाख रूपए की शुद्ध वृद्धि हुई है, जो इनपुट पद्धति के आधार पर राजस्व की मान्यता के कारण है, जबकि किए गए कार्यों के संविदागत शर्तों के आधार पर प्रमाणित किया गया है।"

"वर्ष 2019-20 के लिए, पिछले वर्ष की तुलना में 28862.69 लाख रूपए की शुद्ध वृद्धि हुई है, जो इनपुट पद्धति के आधार पर राजस्व की मान्यता के कारण है, जबकि किए गए कार्यों के संविदागत शर्तों के आधार पर प्रमाणित किया गया है।"

- (iii) निर्माण संविदा से उत्पन्न संविदा दायित्व ग्राहकों से देय शेष हैं और यह तब उत्पन्न होती है जब दीर्घकालीन निर्माण संविदा में विशिष्ट लक्ष्य इनपुट विधि के अंतर्गत स्वीकृत राजस्व से अधिक हो जाता है। अग्रिम राशि को निर्माण अवधि के ऊपर समायोजित किया जाता है जब ग्राहकों से इन्वाइसिंग प्राप्त होती है।

वर्ष के दौरान संविदागत शेषों का संचलन

(रूपए लाख में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
वर्ष के आरंभ में संविदागत परिसंपत्तियां	2,942.50	8,827.50
वर्ष के अंत में संविदागत परिसंपत्तियां	-	2,942.50
निवल वृद्धि/कमी	-2,942.50	-5,885.00

वर्ष 2020-21 के लिए - पिछले वर्ष की तुलना में 2,942.50 लाख रुपये की शुद्ध कमी हुई है जो मुख्य रूप से वर्ष के दौरान निष्पादित कार्यों के प्रति ग्राहक से प्राप्त अग्रिम भुगतान के समायोजन के कारण हैं।

वर्ष 2019-20 के लिए - पिछले वर्ष की तुलना में 5,885 लाख रुपये की शुद्ध कमी हुई है जो मुख्य रूप से वर्ष के दौरान निष्पादित कार्यों के प्रति ग्राहक से प्राप्त अग्रिम भुगतान के समायोजन के कारण हैं।

ग. स्वीकृत राजस्व की राशि निम्नानुसार है:

- (i) निम्नलिखित तालिका दर्शाती है कि किस प्रकार राजस्व अग्रेणीत संविदा दायित्वों के संबंध में चालू रिपोर्टिंग अवधि में स्वीकार किया जाता है:

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
वर्ष के आरंभ में संविदागत देयताओं में शामिल राशि	-	-
पिछले वर्ष संतुष्ट निष्पादन दायित्व	-	-

ड. संविदाओं को प्राप्त करने की लागत

दिनांक 31 मार्च, 2021 तक परिसंपत्ति के रूप में स्वीकृत राशि शून्य रूपए (दिनांक 31 मार्च, 2020 तक: शून्य रूपए)

वर्ष के दौरान लाभ और हानि विवरण में स्वीकृत परिशोधन की राशि शून्य रूपए (वित्तीय वर्ष 2019-20: शून्य रूपए)

च. निष्पादन दायित्व

कंपनी के निष्पादन दायित्वों से संबंधित सूचना नीचे सारबद्ध है:

31 मार्च को शेष निष्पादन दायित्वों (असंतुष्ट या आंशिक रूप से असंतुष्ट) को आवंटित संव्यवहार मूल्य निम्नानुसार है:

(रूपए लाख में)

	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
एक वर्ष के भीतर	26,682.60	44,792.80
एक वर्ष से दो वर्ष तक	-	-
दो वर्ष से अधिक	-	-
कुल	26,682.60	44,792.80

* ऊपर प्रकट राशि में परिवर्तन शामिल नहीं है, जो सीमित है।

31. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 द्वारा अपेक्षित प्रकटीकरण इस प्रकार हैं: -

(रूपए लाख में)

क्र.सं	विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु
1.	सूक्ष्म और लघु उद्यमों के कारण मूल राशि और उस पर लगने वाला ब्याज किसी भी मूल राशि के लिए बकाया नहीं है। उपर्युक्त पर ब्याज	-	-
2.	प्रत्येक लेखांकन वर्ष के दौरान निर्धारित तिथि से आगे आपूर्तिकर्ताओं को किए गए भुगतान सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के संदर्भ में रीजन (क्षेत्र) द्वारा देय ब्याज की राशि।	-	-
3.	भुगतान करने में विलंब की अवधि के लिए देयस और भुगतानयोग्य ब्याज की राशि (वर्ष के दौरान जिसका भुगतान किया गया है किन्तु धारित तिथि के पश्चात) किन्तु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
4.	प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित ब्याज और शेष अप्रदत्त राशि;	-	-
5.	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 23 के तहत आगामी वर्षों में भी देय शेष ब्याज की राशि, ऐसी तारीख जबतक कि ब्याज की बकाया राशि वास्तव में लघु उद्यम को भुगतान न हो गई हो, जो कि कटौतयोग्य व्ययों की अस्वीकृति के प्रयोजन हेतु है।	-	-

32. इंड एस 1 “वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण” द्वारा यथापेक्षित प्रकटन महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में परिवर्तन

वित्तीय वर्ष 2019-20, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में 'पट्टों' की नीति को इंड एस-116 "पट्टे" की अनुप्रयोग्यता के कारण संशोधित किया गया है।

दिनांक 1 अप्रैल, 2019 से इंड एस 116 को अधिसूचित किया गया था, जो इंड एस - 17 को प्रतिस्थापित करता है। इंड एस-116 पट्टों की मान्यता, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण के लिए सिद्धांतों को निर्धारित करता है और और पट्टादाताओं के लिए अपेक्षित है कि वे तुलन पत्र में अधिकांश पट्टों को स्वीकृति प्रदान करें।

कंपनी ने दिनांक 1 अप्रैल, 2019 के प्रारंभिक आवेदन की तारीख से अधिग्रहण की संशोधित पूर्वव्यापी पद्धति का उपयोग करते हुए इंड एस-116 को स्वीकार किया है। इस पद्धति के तहत, प्रारंभिक अनुप्रयोग की तारीख में स्वीकृत मानकों को लागू करने के लिए पूर्वव्यापी विधि का प्रयोग किया जाता है। कंपनी ने पारगमन पद्धति का प्रयोग यह पुनःआकलन करने के लिए नहीं किया है कि क्या संविदा दिनांक 01 अप्रैल 2019 को है या संविदा पट्टा इस तिथि को है। इसके बजाय, कंपनी ने केवल उन संविदाओं के लिए मानकों को लागू किया है, जिन्हें पहले इंड एस-17 के प्रयोग द्वारा पट्टों के रूप में चिह्नित किया गया था। इसके अतिरिक्त, ने आरंभिक आवेदन की तिथि से 12 महीनों के भीतर समाप्त होने वाले और 12 महीनों से कमी की पट्टा अवधि वाले पट्टों सहित पट्टों के लिए अल्पकालीन पट्टा छूट हेतु आवेदन किया है।

कंपनी के पास अपने कार्यालय के लिए पट्टे अनुबंध हैं, जो पट्टेदार और पट्टधारी दोनों द्वारा रद्द किया गया है, इसलिए यह अल्पावधि पट्टों के तहत शामिल किया गया है और इंड एस-116 के अधिग्रहण के कारण कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

33. वित्तीय वर्ष 2019-20 दौरान कंपनी ने वित्तीय विवरणों में मोबिलाइजेशन अग्रिम और मोबिलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज लागत से अर्जित आय की प्रस्तुति के संबंध में राय प्राप्त की है। इंड एस-1 "वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति" लेखांकन प्रयोजनों हेतु इन दोनों हितों निरस्त करने की अनुमति प्रदान की है क्योंकि यह संव्यवहार के प्रयोजन को प्रदर्शित करता है। इस मत के आधार पर, कंपनी ने वित्तीय विवरणों में मोबिलाइजेशन अग्रिम से अर्जित ब्याज आय से मोबिलाइजेशन अग्रिम पर ब्याज व्यय को समायोजित किया गया है और तुलनात्मक आंकड़ों को परिवर्तित किया गया है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने परियोजना की अनुमानित लागत की गणना एनएचएआई के लिए अग्रिम भुगतान पर ब्याज भुगतान पर विचार किए बिना की है और तदनुसार राजस्व की गणना की गई है। चूँकि यह अनुमान और प्रस्तुति का विषय है, इसलिए इन ब्याज आय के लेखांकन के लिए लेखांकन नीति में किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

34. कोविड-19 प्रकोप

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दिनांक 11 मार्च 2020 को नोवेल कोरोनावायरस (कोविड-19) को वैश्विक महामारी घोषित की है। इसके परिणामस्वरूप भारत सरकार ने दिनांक 24 मार्च 2020 को देशभर में लॉकडाउन की घोषणा की थी और गैर-अनिवार्य व्यवसायों को अस्थायी रूप से बंद करने, वस्तुओं और सेवाओं के संचलन, यात्रा आदि में प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए थे।

समूह द्वारा निष्पादित किए जाने वाले व्यवसाय की प्रकृति गैर अनिवार्य श्रेणी में आती है, जिसके कारण समूह को केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा जारी लॉकडाउन अनुदेशों के अनुपालन में अपने सभी चालू प्रचालन परियोजनाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करना पड़ा। इन राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण परियोजना निष्पादन, आपूर्ति श्रृंखला अवरोध 22 मार्च 2020 से लॉकडाउन के दौरान कार्मिकों की अनुपलब्धता के रूप में समूह के सामान्य प्रचालनों पर प्रभाव पड़ा था। केन्द्रीय और राज्य सरकार ने लॉकडाउन को समाप्त करने के लिए कदम उठाने आरंभ किए हैं और समूह इसका अनुपालन कर रही है, चूंकि समूह ने उपलब्ध संसाधनों के आधार पर अपनी गतिविधियों को आरंभ कर दिया है। समूह धीरे धीरे मई के आरंभ से विभिन्न परियोजना स्थलों पर अपने प्रचालनों को आरंभ करने में सक्षम हुई है। समूह ने अपने सभी कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वस्थता को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव पूर्वोपाय किए हैं और कोविड-19 के प्रसार के निवारण के लिए एसओवी निर्धारित की है तथा केन्द्रीय और राज्य सरकारों के सभी दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है। कोविड:19 की दूसरी लहर के वर्तमान प्रभाव के कारण, कंपनी समूह को आशा है कि धीरे धीरे प्रवासी श्रमिकों के कार्य पर वापस आने से लॉकडाउन के पूर्व की स्थिति जैसी सामान्यता प्राप्त होने पर निर्माण कार्य अपने इष्टतम स्तर पर पहुंच जाएगा। इसके साथ ही साथ कंपनी आगे कि निर्माण कार्यों के गति लाने के लिए प्रौद्योगिकी के उन्नत प्रयोगों का भी दोहन कर रही है।

वित्तीय निष्पादन

कंपनी विश्वास करती है कि वित्तीय वर्ष 2020:21 के दौरान कोविड-19 महामारी का राजस्व और लाभप्रदता की दृष्टि से वाणिज्यिक प्रचालनिक तिथि/सीओडी को प्राप्त हेतु कंपनी के वित्तीय निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, ।

तरलता (नकदी)

समूह के पास अपने प्रचालन के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध है। कंपनी के अल्पकालीन निवेश ऐसे माध्यमों में है जिनका आवश्यकता पडने पर नकदीकरण किया जा सकता है।

समूह को आशा है कि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के संबंध में उपलब्ध सूचना के आधार पर व्यवसाय के सामान्य प्रक्रिया में समूह परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण, निवेश परिसंपत्तियों, अमूर्त परिसंपत्तियों, प्रयोग अधिकार परिसंपत्तियों, दरसूची, अग्रिमों, व्यापार

प्राप्यों, आस्थगित करों, अन्य वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों आदि सहित अपनी सभी परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को वसूल कर लेगी।

सुगम प्रचालन हेतु किए गए उपाय

लॉकडाउन अवधि के दौरान, समूह ने कोविड-19 लॉकडाउन के पश्चात व्यवहास हेतु नए सामान्य स्थिति पर पुनर्विचार करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। समूह के गैर-महत्वपूर्ण स्थलों पर कार्य करने के लिए समूह सरकारी प्राधिकरणों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए घर से कार्य की शर्तों और रोस्टर को सुचारू बना रही है। इसके अतिरिक्त, समूह ने निम्नलिखित को सुनिश्चित करने के लिए कोविड-19 के संबंध में कड़ी मॉनीटोरिंग प्रक्रियों को स्थापित किया है:

- (1) सभी कर्मचारियों और आगंतुकों की थर्मल स्क्रीनिंग
- (2) नियमित आधार पर परिसरों और वाहनों का सेनिटाइजेशन
- (3) सभी कार्य स्थलों पर सामाजिक दूरी का अनुरक्षण
- (4) मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथों को धोने की प्रक्रिया को लागू करना
- (5) सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों का नियमित स्वास्थ्य जांच
- (6) अपने सभी कर्मचारियों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

कोविड-19 के भावी प्रभाव का आकलन

परियोजना का कार्य आरंभ होने के साथ, समूह नियमित रूप से अपने प्रचालनों की समीक्षा कर रही है और इस महामारी के कारण हुए समय के नुकसान की भरपाई करने के हर संभाव प्रयास कर रह है। हालांकि प्रबंधन को संभावना है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में राजस्व और लाभप्रदता में कमी होगी, समय समयस पर लॉकडाउन अवरोध के प्रभाव का आंकलन किया जा रहा है और इसकी सूचना राज्य तथा केन्द्रीय सरकारों और स्वास्थ्य प्राधिकारियों को दी जाएगी चूंकि हम वर्तमान स्थिति में आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए इस स्तर पर विश्वसनीयता के साथ इसके भावी प्रभावों का पूर्वानुमान संभव नहीं हैं।

वैश्विक स्वास्थ्य महामारी का वास्तविक प्रभाव अनुमानों से भिन्न हो सकता है, क्योंकि कोविड-19 की स्थिति भारत और विश्व में फैली हुई है। तथापि, समूह भावी आर्थिक स्थितियों में किसी महत्वपूर्ण परिवर्तन की गहन निगरानी जारी रखेगी।

35. कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") ने 24 मार्च 2021 की अपनी अधिसूचना के तहत दिनांक 1 अप्रैल 2021 से कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची-III को संशोधित किया है। प्रबंधन का विचार है कि चूंकि परिवर्तन 1 अप्रैल, 2021 से लागू होते हैं इसलिए इन्हें दिनांक 1 अप्रैल, 2021 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए लागू किया जाएगा और 1 अप्रैल, 2021 को या उसके बाद शुरू होने वाले लेखांकन वर्षों के संबंध में जारी वित्तीय विवरणों पर लागू होंगे। इसलिए, 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इन वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण पर विचार नहीं किया जाता है।

पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के प्रस्तुतीकरणों के साथ समरूपता के लिए /पुनःसमूहित/पुनवर्गीकृत/पुनःनिर्धारित किया गया है। इन पुनर्वर्गीकरणों के कारण प्रचालनों के रिपोर्टिड परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसके अतिरिक्त, पिछले वर्ष को आंकड़ों को प्रकोष्ठ () में रखा गया है ताकि वर्तमान आंकड़ों से उनकी भिन्नता को सुनिश्चित किया जा सके।

हमारी इसी तारीखा की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के निमित्त और उनकी ओर से

कृते सिंघल सुनिल एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार एफआरएल- 008030एन	ह/- योगेश कुमार मिश्रा अध्यक्ष डीआईएन: 07654014		ह/- सुराजीत दत्ता निदेशक डीआईएन: 06687032
ह/- सीए सुनिल सिंघल साझेदार सं.सं: 086904	ह/- नगनगौडा हनुमंथगौडा पाटिल मुख्य कार्यपालक अधिकारी	ह/- कृतिका गुप्ता मुख्य वित्त अधिकारी	ह/- पूजा रस्तोगी कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक: 15.06.2021

यूडीआईएन: 21086904AAAA1H6452

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम, के अनुच्छेद 143(6)(ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड का वित्तीय विवरण तैयार करने का उत्तरदायित्व कंपनी के प्रबंधन का है। अधिनियम के अनुच्छेद 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक, उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित अनुसार तथा आश्वासन मानकों के अनुसार अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्धारित अनुसार लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम के अनुच्छेद 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी है। यह उल्लेखनीय है कि दिनांक 15.06.2021 की उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उनके द्वारा ऐसा किया गया है।

मैंने, अधिनियम के अनुच्छेद 143(6)(क) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से दिनांक 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का अनुपूरक लेखापरीक्षा न करने का निर्णय लिया है।

कृते एवं की ओर से
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक

ह/-
(के.एस.रामूवालिया)
प्रधान लेखापरीक्षा निदेशक
रेल वाणिज्यिक, नई दिल्ली

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 16.07.2021



ircondhhl

इरकॉन दावणगेरे हावेरी हाईवे लिमिटेड ('इरकॉनडीएचएल')

पंजीकृत और कॉर्पोरेट कार्यालय:

सी-4, जिला केंद्र, साकेत, नई दिल्ली -110017, भारत

दूरभाष: +91-11-29565666 | फैक्स: +91-11-26522000, 26854000

ई-मेल आईडी: ircondhhl@gmail.com